वर्ष 68 ▸▸ अंक 297 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, शुक्रवार 25 जुलाई, 2025
▸▸ श्रावण शुक्ल पक्ष 01, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
www.dainikjagranmpcg.com

अगर आज कोई पेड़ की छांव में बैठा है तो इस वजह से कि किसी ने बहुत समय पहले ये पेड़ लगाया होगा।
–वॉरेन बफेट

ऑफ बीट

9 नहीं, सिर्फ 5 महीने में पैदा हुआ बच्चा

अमेरिका के राज्य आयोवा के शहर एंकेनी से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्चा 5 जुलाई, 2024 को समय से 133 दिन पहले यानी उसका जन्म केवल 21 सप्ताह में ही हो गया था। अब बच्चा 1 साल का हो चुका है और उसे गिनीज बुक वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड्स की तरफ से दुनिया के सबसे प्री-मैच्योर बच्चे का प्रमाण-पत्र मिला है। बच्चे का नाम नैश है, डिलीवेरी यूनिवर्सिटी ऑफ आयोवा हेल्थ केयर में डॉक्टर मलिंडा शेफर, एच. बेनेट स्टीवंस व डॉक्टर एमी स्टैनफोर्ड ने करवाई थी। डॉक्टर्स ने बताया कि जन्म के समय नैश का वजन मात्र 285 ग्राम था, यानी एक सेब से भी कम और जन्म के तुरंत के बाद उसे अस्पताल के लेवल (निओनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट) में ले जाया गया। स्टैनफोर्ड ने बताया कि इतनी जल्दी जन्मे बच्चे को अत्यधिक विशेष देखभाल, निगरानी और बार-बार जांच की जरूरत थी इसलिए 24 घंटे तक नैश के साथ टीम थी।

10 अगस्त को रायसेन आएंगे राजनाथ सिंह

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को रायसेन में 1800 करोड़ रुपए के निवेश से प्रारंभ होने वाली रेल कोच निर्माण इकाई का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरुवार को सीएम हाउस स्थित समत्व भवन में बीईएमएल के चेयरमैन, एमडी शांतनु रॉय, निदेशक रेल एवं मेट्रो राजीव गुप्ता, जीएम चंद्रशेखर और ईडी ओपी सिंह ने सौजन्य भेंट की। डॉ. यादव को जानकारी दी गई कि बीईएमएल की ओर से रायसेन की गौहरगंज तहसील के ग्राम उमरिया में अत्याधुनिक रेल कोच फैक्ट्री के शिलान्यास की आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इस इकाई के लगने से 1575 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीईएमएल के पदाधिकारियों को मप्र में विभिन्न सेक्टर्स में आ रहे निवेश की जानकारी दी।

रेल कोच फैक्ट्री का करेंगे शिलान्यास

अंदर के पन्नों पर

▸▸ भाजपा पार्षद ने भोपाल नवाब को गद्दार कहा तो ...(पेज-03)

▸▸ वीडी के क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगे खंडेलवाल...(पेज-05)
▸▸ ज्यादातर देशों पर 15 फीसदी टैरिफ, वहीं कुछ पर 50...(पेज-09)

▸▸ फ्रैक्चर के बावजूद पंत की रिकॉर्ड पारी डकेट-क्रॉली ने... (पेज-10)

भारत-ब्रिटेन के बीच 63 हजार करोड़ का ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता

99% उत्पाद शुल्क फ्री: व्हिस्की कार,मेडिकल डिवाइस होंगे सस्ते

लंदन, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने गुरुवार को ऐतिहासिक 6 बिलियन पाउंड (लगभग 63 हजार करोड़ रुपए) के भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 112 अरब रुपए तक पहुंचाना है। तीन साल की लंबी बातचीत के बाद हुए इस समझौते को आर्थिक रूप से अब तक का सबसे महत्वपूर्ण सौदा बताया जा रहा है। इस समझौते के तहत दोनों देशों के बीच कई उत्पादों पर शुल्क घटेगा या हटेगा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने बकिंघमशायर स्थित प्रधानमंत्री के ग्रामीण आवास 'चेकर्स' में हुए हस्ताक्षर समारोह में कहा, 'यह ब्रिटेन के लिए ब्रेग्जिट के बाद का सबसे बड़ा और आर्थिक दृष्टि से सबसे अहम व्यापारिक समझौता है। इसे अब हस्ताक्षर कर दिया गया है। यह डील अब आधिकारिक रूप से सील हो चुकी है।' इस डील पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह समझौता हमारी साझी समृद्धि के लिए एक खाका है। एक ओर भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न-आभूषण, समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग सामानों को यूके में बेहतर बाजार मिलेगा, वहीं भारत के लोग ब्रिटेन में बने मेडिकल उपकरणों और एयरोस्पेस पार्ट्स को किफायती कीमतों पर प्राप्त कर सकेंगे।'

(अब 20 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात करेगा यूके, पेज-09 पर)

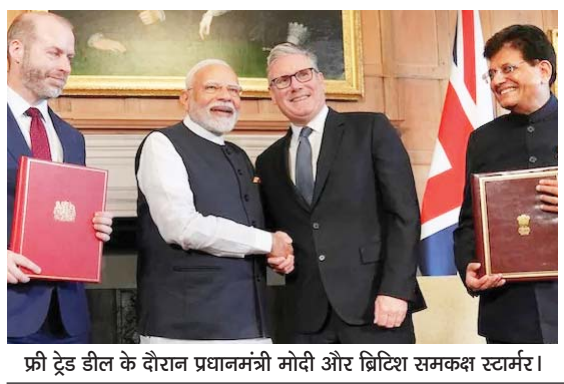

फ्री ट्रेड डील के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश समकक्ष स्टार्मर।

क्या-क्या होगा सस्ता भारत में?

ब्रिटिश ऑटोमोबाइल्स: रोल्स-रॉयस, जगुआर लैंड रोवर, बेंटली और एस्टन मार्टिन जैसे प्रीमियम वाहन सस्ते होंगे।

ब्रिटिश व्हिस्की: आयात शुल्क 150 से घटाकर 75 फीसदी किया गया है। हालांकि कीमतों में राहत सीमित होगी। हर बोतल पर लगभग 300 रुपए की कमी संभावित है।

अन्य उत्पाद: सॉफ्ट ड्रिंक, बिस्किट, चॉकलेट, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, सैल्मन, लैम्ब और मछली जैसे खाद्य पदार्थ भी सस्ते होंगे। साथ ही मेडिकल और एयरोस्पेस उपकरण की लागत में गिरावट आएगी।

भारत के 10 बड़े लाभ : किसानों, पेशेवरों और महिलाओं को भी होगा फायदा

निर्यात शुल्क-मुक्त: भारतीय वस्तुओं को ब्रिटेन में ड्यूटी-फ्री प्रवेश मिलेगा। इसमें समुद्री उत्पाद, वस्त्र, रसायन और धातुएं शामिल हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को बड़ा मौका मिलेगा।

रोजगार के नए अवसर: श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे खिलौने, वस्त्र, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न-जवाहरात, ऑटो पार्ट्स और ऑर्गेनिक केमिकल्स में निर्यात बढ़ेगा, इससे रोजगार बढ़ेंगे।

कारें-व्हिस्की सस्ती: ब्रिटिश व्हिस्की और जिन पर आयात शुल्क कम कर दिया जाएगा। इसी तरह, कारों पर शुल्क 100 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया जाएगा। इससे जगुआर, रोल्स-रॉयस जैसी कारें सस्ती मिलेंगी।

किसानों को मिलेगा बड़ा बाजार: भारतीय किसानों को ब्रिटेन में प्रीमियम बाजार मिलेगा। हल्दी, काली मिर्च, इलायची, आम का गूदा, अचार, दालें और तैयार खाद्य वस्तुएं ड्यूटी-फ्री होंगी।

मरीन उत्पादों को बढ़ावा: तटीय राज्यों के झींगा, दूना मछली, मछली भोजन जैसे उत्पाद शुल्क मुक्त होंगे। पहले इन पर 4.2 से 8.5 फीसदी शुल्क लगता था।

हाई-एंड ब्रांडेड उत्पाद निर्यात बढ़ेगा: कॉफी, चाय, मसाले जैसे भारतीय प्रीमियम ब्रांड्स को ब्रिटेन में अब ज्यादा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। खासकर इंस्टेंट कॉफी के क्षेत्र में भारत जर्मनी और स्पेन से आगे निकल सकता है।

दवा और अन्य क्षेत्रों को बढ़ावा: भारतीय जेनेरिक दवाओं और मेडिकल इक्विपमेंट पर भी शुल्क खत्म किया गया है। साथ ही, आईटी, बैंकिंग, परामर्श सेवा और शिक्षा क्षेत्र को भी समझौते से लाभ मिलेगा।

पेशेवरों को काम के अवसर: भारतीय प्रोफेशनल्स को ब्रिटेन में 24 महीनों तक बिना स्थानीय कार्यालय के काम करने की सुविधा मिलेगी। पेशेवरों के लिए 35 क्षेत्रों में अवसर खुलेंगे।

सामाजिक सुरक्षा में छूट: ब्रिटेन में 3 साल तक काम करने वाले 75,000 भारतीय कर्मचारियों को अब वहां की सामाजिक सुरक्षा में योगदान नहीं देना होगा। इससे भारतीय कंपनियों की लागत घटेगी और स्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

महिलाओं को वैश्विक मंच: यह समझौता भारत की महिला हस्तशिल्पियों, बुनकरों, डिजाइनरों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने का मौका देगा। जैसे, कोल्हापुरी चप्पल, जिसे अब ब्रिटेन में टैरिफ-फ्री बेचा जा सकेगा।

अनिल अंबानी की 50 कंपनियों पर ईडी की रेड

3000 करोड़ लोन फ्रॉड पैसों का गलत इस्तेमाल

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें करीब 50 कंपनियां शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में गुरुवार को ये रेड दिल्ली और मुंबई में हुई। ये छापेमारी पीएमएलए की धारा 17 के तहत की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है। सीबीआई ने दो मामलों में एफआईआर दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लि. और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लि. को दिए गए दो अलग-अलग लोन से जुड़े हैं। दोनों ही मामलों में सीबीआई ने यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर का नाम लिया था। इसके बाद एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा ■ शेष पृष्ठ 9 पर

यह है मामला

मामला वर्ष 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए करीब 3,000 करोड़ के लोन से जुड़ा है। ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और ग्रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया। यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है। ईडी का कहना है कि ये एक 'सोचा-समझा और युनियोजित' प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए। जांच में कई गड़बड़ियां पकड़ी गईं। इनमें कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन, कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस का इस्तेमाल, लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना, फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना, पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन देने की प्रक्रिया (लोन एवरग्रीनिंग)।

छापे का असर, कंपनियों के शेयर धड़ाम

छापेमारी की खबर के बाद अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनियों, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट आई है। हालांकि, रिलायंस पावर ने कहा, इन कार्रवाइयों का कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड या रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े 10 साल पुराने लेनदेन के आरोपों की बात हो रही है। रिलायंस पावर एक अलग और स्वतंत्र लिस्टेड कंपनी है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस: महाराष्ट्र सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

सभी 12 आरोपियों को बरी करने के फैसले पर रोक

आरोपियों को दिया नोटिस नहीं लौटेंगे अभी जेल

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। हालांकि, अदालत ने आरोपियों को राहत देते हुए कहा, उन्हें फिलहाल जेल लौटने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि हाईकोर्ट के फैसले को नजीर न माना जाए। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले के सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया और राज्य सरकार की अपील पर उनसे जवाब मांगा है।

पीठ ने कहा, हमें सूचित किया गया है कि सभी प्रतिवादियों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें वापस जेल भेजने का कोई सवाल ही नहीं उठता। हालांकि, सॉलिसिटर जनरल द्वारा कानून संबंधी बिंदु पर प्रस्तुत दलीलों पर ध्यान देते हुए हम इस बात के इच्छुक हैं कि संबंधित फैसले को मिसाल के रूप में नहीं देखा जाएगा। इसे देखते हुए विवादित फैसले पर रोक रहेगी। हाईकोर्ट ने मामले के सभी आरोपियों को सबूत के अभाव में रिहा कर दिया था।

हाईकोर्ट ने आरोपियों को किया था बरी

जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी करते हुए कहा था अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है और 'यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपियों ने यह अपराध किया है।' विशेष अदालत ने इन 12 आरोपियों में से पांच को मौत की सजा और सात को उम्रकैद की सजा सुनायी थी। मौत की सजा पाने वाले एक दोषी की 2021 में मौत हो गयी थी। मुंबई की लोकल ट्रेन में विभिन्न स्थानों पर 11 जुलाई 2006 को हुए सात विस्फोटों में 180 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी थी।

महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को दी थी चुनौती

महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कहा, इसका असर मकोका के तहत लंबित मुकदमों पर पड़ेगा।

नाबालिग को होटलों में ले जाने वाली टीचर को बेल

मुंबई, जेएनएन। नाबालिग छात्र के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार हुई मुंबई की एक शिक्षिका को बेल मिल गई है। मुंबई की एक कोर्ट ने सबूतों के आधार पर कहा, दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे। टीचर पर आरोप थे कि उसने कई मौकों पर फाइव स्टार होटल ले जाकर नाबालिग छात्र का यौन शोषण किया है। अदालत ने जमानत देते समय आरोपी शिक्षिका पर पीड़ित से किसी तरह का संबंध नहीं साधने की शर्तें लगाई हैं।रिपोर्ट के अनुसार, स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने आदेश में कहा है कि सबूत दिखाते हैं दोनों के बीच सहमति से संबंध थे। स्पेशल जज सबीना मलिक ने कहा, आरोपी ने स्कूल से इस्तीफा दे दिया था, तो छात्र और शिक्षिका के बीच संबंध की बात नहीं है।

तेजस्वी के बयान का कांग्रेस ने किया समर्थन, कहा-

बिहार चुनाव के बहिष्कार पर विचार करेगा इंडिया ब्लॉक

पटना, जेएनएन। बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर राजद नेता तेजस्वी यादव के विधानसभा चुनाव के संभावित बहिष्कार का संकेत दिए जाने के एक दिन बाद उनकी सहयोगी कांग्रेस ने कहा कि इंडिया ब्लॉक चुनाव बहिष्कार के अभूतपूर्व विकल्प पर विचार कर रहा है।

कांग्रेस ने कहा, वह चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर के जरिए तैयार की जा रही मतदाता सूची को स्वीकार नहीं करेगी। बिहार में एआईसीसी प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने मीडिया को बताया कि भारत ब्लॉक के सहयोगी इस मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। अल्लावरु ने कहा, हम सीईसी को चुनौती देते हैं कि वे बिहार के हर निर्वाचन क्षेत्र से 1,000 लोगों को चुनें, जांच करें, क्या निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है। अगर 25 प्रतिशत भी असली निकले तो प्रक्रिया को स्वीकार कर लेंगे। सच तो यह है कि यह सूची भाजपा और ज्ञानेश कुमार की है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी तेजस्वी के विधानसभा चुनावों के बहिष्कार के सुझाव से सहमत है।

ऑपरेटर बनकर इंदौर में रह रहा बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार

जागरण, इंदौर। पंजाब के एक थाने में रॉकेट लॉन्चर से हमला करने वाला आरोपी बब्बर खालसा का आतंकी इंदौर में क्रेन ऑपरेटर बनकर पनाह लिए था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पंजाब से भागकर वह पहले गुजरात पहुंचा। इसके बाद इंदौर में क्रेन ऑपरेटर बनकर छिपा था। पुलिस का कहना है कि वह सोशल मीडिया के जरिए आतंकी संगठन के संपर्क में था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक ने बताया आतंकवादी का नाम आकाशदीप सिंह उर्फ बाज है। वह अमृतसर में चनाचेन का रहने वाला है। उसने अप्रैल 2025 में पंजाब के गुरदासपुर के बटाला में किला लाल सिंह थाने पर रॉकेट लॉन्चर से हमला किया था। हमले की जिम्मेदारी बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैप्पी पासिया, मनु आगवन और गोपी नवांशहरिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ली थी। पुलिस ने दावा किया था कि ये हमला उप्र के पीलीभीत और पंजाब में ग्रेनेड हमलों के आरोपी को मारने का बदला लेने के लिए किया गया था। आकाश इंदौर के हीरानगर थाना इलाके की निर्माणाधीन बिल्डिंग में क्रेन ऑपरेटर का काम कर रहा था। दिल्ली पुलिस उसे गिरफ्तार कर साथ ले गई। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक अन्य मामला भी ■ शेष पृष्ठ 9 पर

आचारपुरा में औद्योगिकों इकाइयों के भूमिपूजन पर सीएम ने की घोषणा

श्रमिकों को हर माह 5 हजार प्रोत्साहन राशि

विशेष संवाददाता, भोपाल। सूबे में रोजगार और औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए सरकार कई अहम कदम उठा रही है। सरकार ने फैसला किया है कि औद्योगिक श्रमिकों को भी 5000 प्रतिमाह की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी के आचारपुरा में औद्योगिक ईकाइयों के भूमिपूजन कार्यक्रम में कही।

सीएम डॉ.यादव ने कहा कि जब जब पूंजी और मेहनत एक साथ आती है, तो उसकी सुगंध पूरी दुनिया में फैलती है। मेहनत के मंदिर ये कारखाने हैं, जो लोगों की जिंदगी में आनंद, समृद्धि भर रहे हैं। हमारे कपड़े आचारपुरा में बनते हैं और उन्हें पहनने वाले ■ शेष पृष्ठ 9 पर

वनों में चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर खुलेंगे

डॉ. यादव ने कहा, राज्य वन विकास निगम द्वारा विकसित वनों के प्रबंधन और आगामी कार्ययोजना के बारे में विचार मंथन की जरूरत है। सरकार प्रदेश के वनों में जू (चिड़ियाघर) और वन्य प्राणियों के रेस्क्यू सेंटर स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने प्रदेश में सांपों से हो रही मौतों पर चिंता जताई। राज्य वन विकास निगम की स्थापना के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में राष्ट्रीय कार्यशाला में सीएम ने कहा, प्रदेश में खनन गतिविधियों और बिजली उत्पादन की प्रक्रिया में बने राख के पहाड़ों पर वनों को विकसित करने की चुनौती स्वीकार कर निगम ने वन संपदा को पुनर्स्थापित किया है। प्रदेश के तीन लाख 15 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वनों का पुनर्वास करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने वन विकास निगम के केंद्रों में ईको टूरिज्म गतिविधियां संचालित करने का सुझाव दिया। सीएम ने कहा, सर्पदंश से होने वाली मौतों को कम करने के लिए सरकार योजनाओं पर कार्य कर रही है। प्रदेश में सर्प गणना की तैयारी हो रही है।

न्यायपालिका | मप्र हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की बर्खास्तगी की रद्द, 5 लाख मुआवजा देने के निर्देश

हाईकोर्ट और जिला जजों के बीच रिश्ते 'सामंत-गुलाम' जैसे

जबलपुर, जेएनएन। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट के एक विशेष न्यायाधीश की बर्खास्तगी को रद्द करते हुए हाईकोर्ट के जजों और जिला जजों के बीच 'खराब रिश्ते' की आलोचना की और इसे सामंत और दास के बीच के रिश्ते जैसा बताया। हाईकोर्ट के हाथों निचली अदालतों के जजों द्वारा झेले जा रहे मनोवैज्ञानिक दमन की निंदा करते हुए कोर्ट ने न्यायिक अधिकारी को 'घोर अन्याय' के लिए 5 लाख रुपए का मुआवजा दिया है।

जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल की खंडपीठ ने कहा, एक 'अहंकारी' हाईकोर्ट छोटी-छोटी गलतियों के लिए 'जिला कोर्ट को फटकार' लगाने की कोशिश करता है, जिससे जिला कोर्ट को सजा का निरंतर, भयावह डर बना रहता है। पीठ ने कहा, इससे न्याय व्यवस्था प्रभावित होती है। पीठ ने टिप्पणी की, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला कोर्ट के जजों के बीच का निराशाजनक रिश्ता एक सामंत और दास के बीच जैसा है।

जिला कोर्ट के जजों की शारीरिक भाषा, जब वे हाईकोर्ट के जज का अभिवादन करते हैं, हाईकोर्ट के जज के सामने गिड़गिड़ाने जैसी होती है..। जिला कोर्ट के जजों द्वारा रेलवे प्लेटफॉर्म पर हाईकोर्ट के जजों (जैसा कि वे चाहते हैं) से व्यक्तिगत रूप से मिलने और उनके लिए जलपान की व्यवस्था करने के उदाहरण आम हैं..।

हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में प्रतिनियुक्ति पर आए जिला कोर्ट के जजों को हाईकोर्ट के जज लगभग कभी भी बैठने की पेशकश नहीं करते हैं और जब कभी उन्हें ऐसा करने का मौका मिलता है, तो वे हाईकोर्ट के जज के सामने बैठने में हिचकिचाते हैं।...राज्य में जिला कोर्ट और हाईकोर्ट के बीच का संबंध एक-दूसरे के प्रति पारस्परिक सम्मान पर आधारित नहीं है, बल्कि ऐसा है, जहां एक द्वारा दूसरे के अवचेतन में जानबूझकर भय और हीनता की भावना भर दी जाती है। हाईकोर्ट ने कहा, अवचेतन स्तर पर 'जाति व्यवस्था' की छाया राज्य के न्यायिक ढांचे में प्रकट होती है, जहां हाईकोर्ट के जज 'सवर्ण' हैं और जिला कोर्ट के शूद्र जैसे दयनीय हैं। यह जिला कोर्ट के जजों की घोर उदासीनता में परिलक्षित होता है। कोर्ट ने कहा है...इससे जिला कोर्ट पर निष्क्रिय दबाव बढ़ता है और वह मानसिक रूप से कमजोर हो जाती है, जिसका असर अंततः उनके न्यायिक कार्यों पर पड़ता है, जहां सबसे जरूरी मामलों में भी जमानत नहीं दी जाती। अभियोजन पक्ष को संदेह का लाभ देकर सबूतों के अभाव में दोषसिद्धि दर्ज कर ली जाती है और आरोप ऐसे तय किए जाते हैं मानो दोषमुक्त करने का अधिकार ही न हो। यह सब नौकरी बचाने के नाम पर किया जाता है, जिसका खामियाजा इस मामले में याचिकाकर्ता को भुगतना पड़ा, क्योंकि उन्होंने अलग तरह से सोचा और काम किया। अदालत ने न्यायिक अधिकारी की सेवाओं को समाप्त करने के आदेश को रद्द कर दिया और उस न्यायिक अधिकारी को पेंशन संबंधी लाभ बहाल कर दिए जो इस बीच सेवानिवृत्त हो चुके थे।

कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए विवादित आदेश रद्द कर दिया। याचिकाकर्ता इस बीच सेवा से

याचिकाकर्ता विशेष न्यायाधीश को बड़ी राहत

सेवानिवृत्त हो चुका है। हालांकि, उसके साथ हुए घोर अन्याय के कारण उसके पेंशन संबंधी लाभों को बहाल करने के अलावा यह भी निर्देश देता है कि उसे सेवा समाप्ति की तिथि से लेकर सेवानिवृत्ति की तिथि तक का बकाया वेतन 7 फीसदी ब्याज सहित दिया जाए। केवल न्यायिक आदेश पारित करने के कारण भ्रष्टाचार की प्रबल संभावना के बावजूद रिकॉर्ड पर एक कण भी सबूत न आने के कारण उसे समाज में जो अपमान सहना पड़ा, उसे देखते हुए यह कोर्ट याचिकाकर्ता को 5 लाख रुपए का मुआवजा आवश्यक समझता है, जिसे प्रतिवादियों के बीच साझा किया जाएगा।

कंबोडिया की एयरस्ट्राइक 12 थाई लोगों की मौत

दोनों देशों ने लगाया एक-दूसरे पर हमले का आरोप

बैंकॉक, जेएनएन। थाईलैंड, कंबोडिया के बीच गुरुवार सुबह सीमा पर गोलाबारी हुई है। कंबोडियाई सैनिकों की गोलीबारी में 12 थाई लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 14 घायल हैं। थाईलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। दोनों देशों ने एक दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगाया है। कंबोडिया के विदेश मंत्रालय ने कहा, थाई सैनिकों ने सुबह गोलीबारी की, जबकि थाई सेना ने कहा, कंबोडिया ने पहले ड्रोन से हमला किया और फिर तोप, लंबी दूरी के बीएम 21 रॉकेटों से हमला किया। हमले के चलते थाईलैंड ने बॉर्डर पर एफ-16 लड़ाकू विमान तैनात किया। 28 मई को बॉर्डर पर दोनों सेनाओं में भिड़ंत हुई थी, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। इसके बाद बीच विवाद जारी है।

थाईलैंड ने 40 हजार नागरिकों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया

हमले के बाद थाईलैंड ने सीमा से लगे 86 गांवों से 40 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। वहीं, कंबोडिया में रहने वाले थाई लोगों को भी देश लौटने की अपील की गई है। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा, सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने से दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है।

प्रथम ॥ पुण्यस्मरण ॥

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न आग उसे जला सकती है।
न पानी उसे भिगो सकता है, न हवा उसे सुखा सकती है।

श्रीमद् भगवद् गीता - अध्याय 2 श्लोक 23

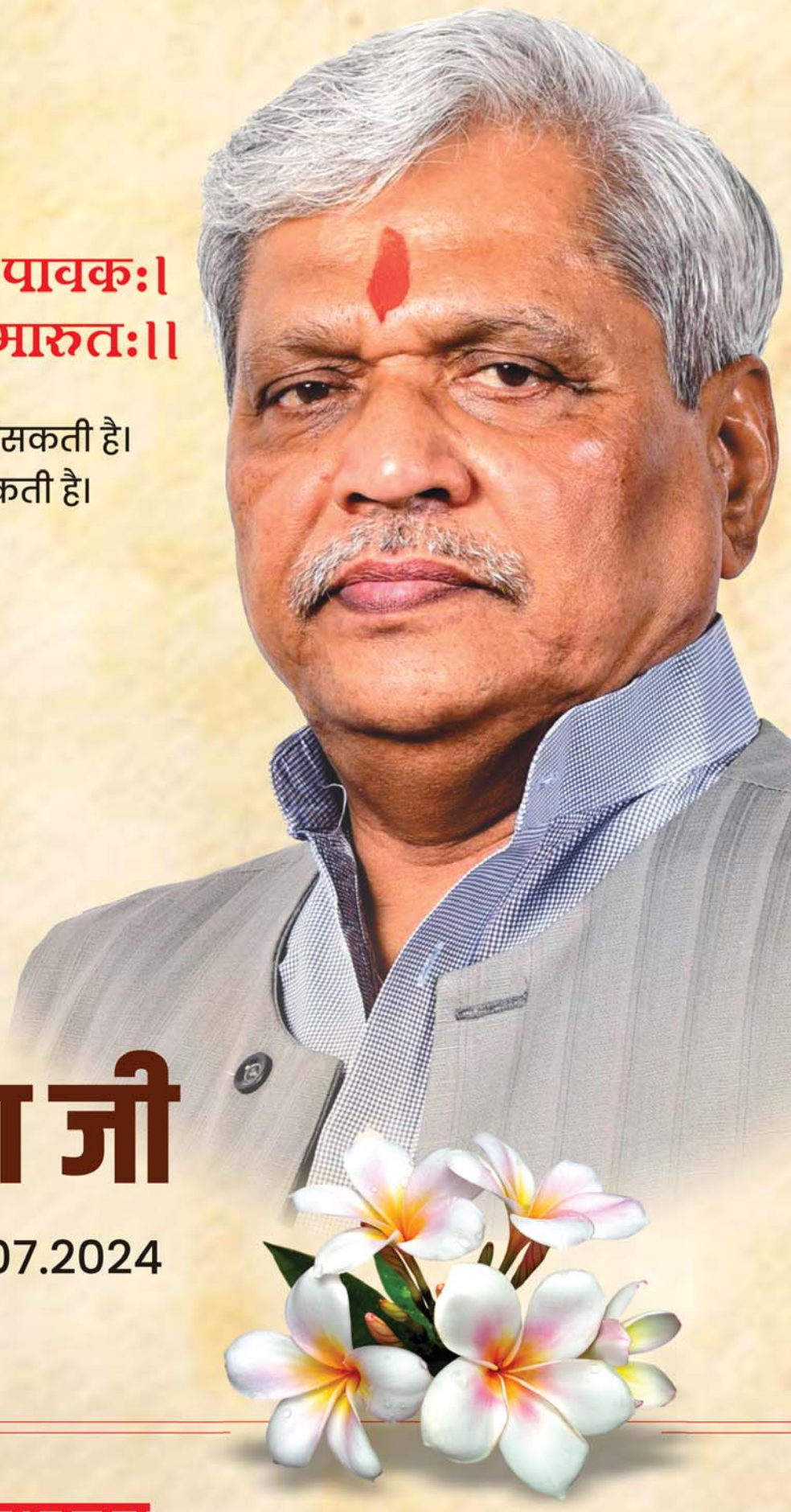

ब्रह्मलीन

स्व. श्री प्रभात झा जी

जन्म :04.06.1957 | प्रभुमिलन : 26.07.2024

श्रद्धावनत

अजीत दरयानी
ओम इंटरप्राइजेज

संतोष बेलानी
डी. के कंसल्टेंसी

दैनिक जागरण
भोपाल, 25 जुलाई 2025

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 26.0°c न्यूनतम 24.4°c
राजधानी में लगातार बारिश का मौसम बना हुआ है। आज भी संभावना है

11 • राज्य • 31 • संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

संक्षिप्त खबरें

शातिर चोरों ने 60 हजार के सोने के मोती चुराए

जागरण,भोपाल। चौक बाजार स्थित ज्वेलरी शॉप में सोमवार को दो शातिर चोर सोने के मोती चुराकर फरार हो गए। मामले का खुलासा तब हुआ जब दुकान मालिक ने स्टॉक मिलान किया तो पैकेट गायब मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार चौक बाजार निवासी 54 वर्षीय विकास कुमार अग्रवाल की रागिनी ज्वेलर्स नाम से दुकान है। मंगलवार को उन्होंने अपनी दुकान में बिक्री के बाद स्टॉक का मिलान किया, तो सोने के मोतियों का एक पैकेट कम मिला। इस पर उन्होंने तुरंत शॉप में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली। जिसमें ग्राहक बनकर पहुंचे दो व्यक्तियों को सेल्समेन सोने के मोती दिखाता हुआ नजर आया। इसी बीच जब ज्वेलर्स और सेल्समेन दूसरे ग्राहकों में व्यस्त हो जाते है, तो दोनों मौके का फायदा उठाकर मोतियों का पैकेट लेकर चुपचाप निकल जाते है। चोरी गए सोने के मोतियों की कीमत 60 हजार रुपए में बताई जा रही है।

कोरोना काल से बंद फैक्ट्री पर पूर्व कर्मचारी का कब्जा

जागरण,भोपाल। अशोका गार्डन स्थित औद्योगिक क्षेत्र में सालों से बंद पड़ी फैक्ट्री पर उसके ही पूर्व कर्मचारी ने जबरन कब्जा कर लिया। फैक्ट्री मालिक की मौत के बाद पूर्व कर्मचारी ने फैक्ट्री का ताला तोड़कर अपना ताला जड़ दिया। फैक्ट्री मालिक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। टीआई अनुराग लाल के अनुसार एमपी नगर जोन-2 निवासी 64 वर्षीय सरिता महेश्वरी ने शिकायत की थी कि उनके दिवंगत पति एसएन महेश्वरी की सी-सेक्टर, औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री थी। कोरोना काल के दौरान उनका निधन हो गया था, जिसके बाद से फैक्ट्री बंद पड़ी थी। इसके बाद पुराने कर्मचारी राजेन्द्र परमार निवासी कटारा हिल्स ने फैक्ट्री पर गलत तरीके से कब्जा कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पहले भी दो बार फैक्ट्री पर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन हर बार उसके हाथ कुछ नहीं लगा। इस बार उसने चुपचाप फैक्ट्री में घुसकर कब्जा करने की कोशिश की।

छत पर टहलने गयी महिला की नीचे गिरने से मौत

भोपाल, जागरण। ऐशबाग इलाके में बुधवार सुबह महिला की छत से गिरने से मौत हो गई। शुरूआती जांच में खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गुरुनानकपुरा निवासी 44 वर्षीय अंजली मेहरा पेशे से गृहिणी थीं। उनके पति कपिल मेहरा एडवोकेट हैं। बुधवार सुबह वह रोज की तरह छत पर टहलने गई थीं, करीब सात बजे जब परिजनों को वह घर में नहीं दिखीं। तो ढूंढने पर वह सड़क पर बेसुध हालत में पड़ी मिलीं। जहां अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंजलि पिछले कुछ समय से बॉन टीवी नामक बीमारी से पीड़ित थीं जिसके कारण वह मानसिक तनाव में थीं।

13 साल से फरार चल रहा वारंटी गिरफ्तार

जागरण,भोपाल। जीआरपी पुलिस ने पिछले 13 साल से फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपना नाम और पता बदलकर फरारी काट रहा था। जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान के नेतृत्व में टीम द्वारा फरार वारंटियों की तलाश की जा रही है। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर स्थाई वारंटी आमिर खान (46) निवासी आरिफ नगर को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर वह अपना दूसरा नाम बताते हुए आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज दिखाने लगा। इस दौरान जब उसे थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने साल 2012 में दर्ज मामले में अपना सही नाम बता दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

भाजपा पार्षद ने भोपाल नवाब को गद्दार कहा तो आक्रोशित हुए कांग्रेसी, परिषद बैठक में हंगामा, हाथापाई तक पहुंची नौबत

परिषद बैठक: जनता के मुद्दे छोड़ हमीदिया अस्पताल व कॉलेज के नाम बदलने से शुरू हुई बहस, झड़प में बदली

जागरण संवाददाता, भोपाल। लोक हित के मुद्दों को लेकर 3 माह 21 दिन बाद हुई नगर निगम परिषद की बैठक में गुरुवार को भाजपा-कांग्रेस पार्षदों के बीच झड़प हो गई। हालात इतने खराब हो गए कि पार्षदों के बीच हाथापाई शुरू हो गई, लेकिन बीच बचाव करने उतरे वरिष्ठ पार्षदों ने सदन को शर्मसार होने से बचा लिया। पूरा मुद्दा क्षेत्रों के नाम बदलने से शुरू हुआ और धीरे-धीरे गर्माते हुए तीखी बहस और हाथापाई तक जा पहुंचा। बैठक के दौरान नगर निगम द्वारा 25 करोड़ 8 लाख 55 हजार 101 रुपए की राशि से 6 विसर्जन कुंडों के निर्माण का प्रस्ताव पास किया गया। यह नए कुंड बरकतउल्ला विवि, नीलबड़, संजीव नगर, मालीखेड़ी, प्रेमपुरा में बनाए जाएंगे। इसके अलावा हथाईखेड़ा, कोलार और समरधा में भी विसर्जन कुंड बनाए जाएंगे, जिनके प्रस्ताव तैयार कर परिषद बैठक में लाए जाएंगे। कांग्रेस पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान ने 5 नंबर स्थित तालाब पर, पार्षद समर हुजूर ने छोटे तालाब की टूटी रिटेनिंग वॉल को बनवाने और कांग्रेस पार्षद अशोक मारन ने बैरागढ़ स्थित झूलेलाल विसर्जन कुंड का आकार बढ़ाने का प्रस्ताव रखा, जिसे परिषद ने स्वीकार करते हुए विचार करने का आश्वासन दिया है।

भाजपा पार्षद देवेंद्र भार्गव (हरी जैकेट में) और कांग्रेस पार्षद अजीजुद्दीन के बीच तीखी बहस हो गई। इसके बाद निगम परिषद में हंगामे की स्थिति बन गई। छाया: एचसी वर्मा

आमने-सामने हुए पक्ष-विपक्ष के पार्षद

वार्ड 69 के पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने ओल्ड अशोका गार्डन क्षेत्र का नाम रामबाग करने का प्रस्ताव दिया। इस प्रस्ताव का सभी ने समर्थन करते हुए बताया कि पहले यह क्षेत्र आम का बाग था, जिसे राजा रामकिशन के बाग के नाम से जाना जाता था। इस कारण रामबाग नाम से इस क्षेत्र की पुरानी पहचान लौटेगी। इस पर कांग्रेस पार्षद सरवर ने आपत्ति ली और कहा कि परिषद में केवल जनहित के मुद्दों पर चर्चा हो। नाम बदलने वाले मामले एक ही बार में परिषद में लाए जाएं और इन्हें एक ही बार में पूरा किया जाए। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और कांग्रेस पार्षद योगेन्द्र सिंह चौहान ने इस पर आपत्ति ली और कहा कि नगर निगम किस अधिकार से क्षेत्र के नाम बदल रहा है। अगले प्रस्ताव में पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने नरेला विधानसभा के विवेकानंद पार्क के पास स्थित चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करने का प्रस्ताव दिया। इस पर भी बहस हुई। इसी चौराहे के पास नर्मदा पार्क के पास स्थित चौराहे का नाम नर्मदा पार्क करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे पारित कर दिया गया।

पार्षद देवेंद्र गुप्ता बोले- नाम में सबकुछ रखा है इसके चलते युसूफ खान दिलीप कुमार बन गए

काफी देर बाद नाम बदलने का प्रस्ताव लेकर खड़े हुए भाजपा पार्षद देवेन्द्र गुप्ता ने कहा कि नाम बदलने को लेकर आपत्ति क्यों की जा रही है। इसी नाम में काफी कुछ रखा है, क्योंकि इसी नाम के चलते युसूफ खान दिलीप कुमार बन गए। भार्गव ने इस दौरान मधुबाला, मीनाकुमारी सहित कई अभिनेताओं का जिक्र छेड़ दिया और कहा कि ऐसे ही एक नाम के चलते भोपाल वासी कलंकित महसूस करते हैं, उसे बदला जाना चाहिए। भोपाल के हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम गद्दार के नाम पर है। इसे बदला जाना चाहिए। भार्गव के इन शब्दों को सुन कांग्रेस पार्षद नाराज हो गए और उन्होंने आसंदी को घेरकर कार्यवाही से कलंक और गद्दार शब्द को हटाने को कहा। लेकिन भार्गव ने नाम बदलवाने का प्रस्ताव भारी विरोध के बीच सभापति को शासन के पास भेजने के लिए सौंप दिया। इसके बाद हंगामा शुरू हुआ और नगर निगम सभापति गद्दार हैं के नारे लगने लगे, जिसके बाद सभापति ने बैठक को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया।

सभापति ने भी आसंदी से कहा- भोपाल का नवाब गद्दार था

बैठक शुरू होने के बाद सभापति ने भी आसंदी से बैठकर इतिहास को याद करते हुए कहा कि देश के आजाद होने के बाद भोपाल को भारत का हिस्सा बनने में दो साल लगे और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस कारण भोपाल का नवाब गद्दार था, गद्दार है और गद्दार रहेगा, जिसके बाद आसंदी के पास से हिंदुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगने लगे। बाद में कांग्रेसी सदन में ही धरने पर बैठ गए। इसी दौरान भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों के बीच तीखी बहस और हाथापाई शुरू हो गई, लेकिन वरिष्ठ पार्षदों द्वारा किए गए बीच बचाव के चलते विवाद टल गया।

गड्ढे, जलभराव सहित विकास के मुद्दे गायब

तीन माह से भी ज्यादा समय के बाद आहूत की गई बैठक में शहर विकास के बड़े मुद्दे गायब रहे। इस दौरान न तो शहर की नालियों पर अतिक्रमण के मुद्दे को उठाया गया और न ही कालोनियों की खराब सड़कों की मरम्मत और मलबा डलवाने की बात हुई। शहर में मौजूद जर्जर भवनों को लेकर भी चिंता व्यक्त नहीं की गई। पूरी बैठक के दौरान विसर्जन घाट के अलावा अन्य किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। हालांकि महापौर मालती राय ने अंत में दो समग्र आईडी वालों की पहचान कर एक समग्र आईडी कैंसल कराने की बात सदन के समक्ष रखी। एमआईसी द्वारा बड़े विकास कार्यों को सीधा पास किए जाने को लेकर महापौर ने बताया कि 20 करोड़ तक के काम सीधे एमआईसी द्वारा पास किए जा सकते हैं, जो काम 20 करोड़ के हैं उन्हें परिषद की मंजूरी से पास किया जाता है।

इन प्रस्तावों को भी दी गई हरी झंडी

- बैठक के दौरान कई अन्य पार्षदों ने भी अपने क्षेत्र की सड़कों और पार्कों के नाम बदलने के प्रस्ताव दिए, जिसे आसंदी ने स्वीकार किया। प्रस्तावों के तहत बजरिया तिराहे से विवेकानंद पार्क जाने वाली 80 फीट रोड का नाम दिवंगत पूर्व विधायक व भाजपा नेता रमेश शर्मा गुट्टू भैया के नाम पर करने का प्रस्ताव पार्षद गीता प्रसाद माली ने रखा, जिसे सुनकर उनकी बेटी व पार्षद प्रियंका मिश्रा की आंखों से आंसु आ गए और उन्होंने परिषद को धन्यवाद देते हुए हमीदिया अस्पताल का नाम भी उनके पिता के नाम पर रखने की मंशा जाहिर की।
- पंचानन भवन के पीछे स्थित पार्क का नाम पूर्व विधायक सुरेन्द्र नाथ सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव पार्षद विलास राव घाड़गे ने रखा।
- गीता प्रसाद माली ने देश की प्रथम शिक्षिका सावित्री बाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रस्ताव रखा।
- पार्षद प्रताव वारे ने बागमुगालिया बस स्टॉप का नाम डॉ. भीमराव अंबेडकर बस स्टॉप रखने का प्रस्ताव दिया।
- पार्षद आरती अनेजा ने टीटी नगर स्थित काली मंदिर के पास की सड़क का नाम योगाचार्य श्रीकृष्ण मोहन गांगुली नाम से करने का प्रस्ताव दिया
- निगम के नेता प्रतिपक्ष रहे कांग्रेस के दिवंगत नेता मोहम्मद सगीर के नाम पर शहर के एक पार्क का नाम किया जाएगा।

छात्रा ने नैक टीम को गिना दीं लाड़ली बहना सहित अन्य योजनाओं की खूबियां

बीयू की एनएसएस इकाई द्वारा गोद लिए बांसिया गांव की छात्रा से टीम ने की बात

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय आयी नैक टीम का दूसरे दिन का निरीक्षण प्रभावी रहा। बीयू की एनएसएस इकाई ने बांसिया गांव को गोद लिया है। टीम ने आनलाइन वहां के ग्रामीणों से चर्चा की। इस दौरान एक छात्रा से पूछा गया कि गोद लेने के बाद गांव में क्या परिवर्तन आय है। बीयू की टीम ने उन्हें सरकारी योजनाओं की क्या जानकारी दी। इस दौरान एक छात्रा ने मप्र सरकार द्वारा चलाई जा रही लाड़ली बहना योजना की खूबियां बताईं। उसने नैक की टीम को सरकार की योजनाएं गिना दीं। इस दौरान उसने बताया कि गोद लेने के पहले गांव की क्या स्थिति थी और वर्तमान में कालेज कितना विकास कर चुका है। नैक की टीम ने निरीक्षण की शुरुआत समाज शास्त्र विभाग से की। उन्होंने कक्षाएं देखी और विद्यार्थियों से वन टू वन चर्चा की। इसके बाद लाईब्रेरी में पांडुलिपी को देखकर कहा कि यह क्लासिक है। उन्हें सहेजकर रखें। इसके बाद उन्होंने प्रोफेसरों के बंगलों का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने कहा कि यह व्यवस्थित तरीके से तैयार किए गए हैं। इसके बाद उन्होंने शारीरिक शिक्षा विभाग पहुंचकर निदेशक आलोक मिश्रा से करीब आधा दर्जन बिंदुओं पर चर्चा कर हास्टल पहुंचे। उन्होंने लक्ष्मीबाई गर्ल्स हास्टल और मुंशीप्रेम चंद्र हास्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें सुरक्षा व्यवस्था और हास्टल के कमरों के आवंटन की व्यवस्था से रुबरु कराया गया। आईटी सेल के प्रभारी नंदन त्रिपाठी से कुछ बिंदुओं पर बात करने के बाद बाद डीएसडब्ल्यू पहुंचकर प्रो पवन मिश्रा से छात्रों की समस्याओं को हल करने की प्रक्रिया समझा।

विद्यार्थी और पूर्व विद्यार्थियों से की चर्चा

नैक टीम के सदस्य प्रो अश्वनी रोहतक ने क्षिप्रा भवन में प्रवेशरत विद्यार्थियों से सिर्फ परिचय किया। वहीं पूर्व छात्रों से उन्होंने परिचय के साथ उनका ईयर भी पूछा। छात्रों ने बताया कि विवि की फैकल्टी अच्छी है और थियोरेटिकल क्लासेस भी अच्छी लगती हैं। हालांकि, उन्होंने प्रैक्टिकल क्लासेस में समस्याओं का उल्लेख किया। इसके अलावा, छात्रों ने विवि में रात में सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की कमी की समस्या भी उठाई। छात्रों ने बताया की रात में बीयू में सुरक्षा और प्रकाश व्यवस्था की कमी की समस्या है। छात्रों ने रोजगार मेले में छोटी कंपनियों के आने और कम पैकेज की समस्या साझा की। पहले के मुकाबले प्लेसमेंट काफी अच्छा हुआ है। नैक टीम ने छात्रों से बात कर बीयू की सुविधाओं, फैकल्टी और प्लेसमेंट के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

गड़बड़ी के आरोपों से बचने वीडियोग्राफी कराई

नैक की ग्रेडिंग देने में काफी भ्रष्टाचार हुआ है। भविष्य में नैक की ग्रेडिंग देने में किसी भी प्रकार के कोई आरोप प्रत्यारोप नहीं लगे, जिसके लिए नैक टीम ने सुरक्षा के मद्देनजर विभागों के साथ समस्त गतिविधियों की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। आनलाइन कनेक्शन होने के कारण बीयू की पूरी गतिविधियां नैक मुख्यालय पर रिकार्ड हो रही हैं। नैक टीम किस रास्ते से कहां जा रही है और वह कहां ठहरकर किससे क्या बात कर रही है। इसकी पूरी रिकार्डिंग की जा रही है।

स्ट्रांग रूम की विजिट... 15 लाख से ज्यादा कापियों का होता है मूल्यांकन

नैक की टीम ने गोपनीय विभाग का खास तौर पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि पेपर के सेट किए जाते हैं। पेपर के वितरण की क्या व्यवस्था है। टीम ने परीक्षा नियंत्रक कुंभरेश कश्यप और असिस्टेंट रजिस्टार सुनील नायक के साथ स्ट्रांग रूम की विजिट की। इस दौरान उन्हें बताया गया कि बीयू परीक्षाओं के लिए करीब छह हजार पेपर तैयार करता है। सभी परीक्षाओं में 15 लाख से ज्यादा कापियों का मूल्यांकन किया जाता है। दौरान उन्हें रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया भी बताई गई।

श्रीधाम एक्स. चलेगी परिवर्तित मार्ग से

भोपाल। रेलवे द्वारा अधोसंरचना विकास कार्य के लिए उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में मथुरा रेलवे स्टेशन पर प्री एनआई व एनआई कमीशनिंग के तहत रेल लाइन कनेक्टिविटी का कार्य करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के दौरान भोपाल मंडल से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 12191 हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस 1 अगस्त को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया निजामुद्दीन-गाजियाबाद-मथुरा जंक्शन-आगरा छावनी होते हुए गंतव्य को जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस 1 अगस्त को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया आगरा छावनी-मथुरा जंक्शन-गाजियाबाद होते हुए गंतव्य को जाएगी।

फीस कमेटी का ओएसडी बनने एक दर्जन से ज्यादा प्रोफेसर कतार में

फार्मेसी, मेडिकल और नर्सिंग की फीस तय होना शेष

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति के ओएसडी की कुर्सी संभालने के लिए करीब एक दर्जन प्रोफेसरों ने दांव लगाया है। यह कुर्सी 30 जुलाई को रिक्त होगी, क्योंकि वर्तमान ओएसडी देव आनंद हिंडोलिया 30 जुलाई को अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि के कुलगुरु का पदभार ग्रहण करेंगे। वर्तमान कुलगुरु खेमसिंह डेहरिया का कार्यकाल खत्म हो रहा है। उनका कार्यकाल खत्म होने के पहले ही राजभवन ने हिंडोलिया को कुलगुरु नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल चार वर्ष का रहेगा। ओएसडी बनने के लिए प्रोफेसर तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार और मंत्रालय स्तर पर जोर लगा रहे हैं। इसमें आधा दर्जन प्रोफेसर भोपाल और आधा दर्जन प्रोफेसर प्रदेश के अन्य जिलों के इंजीनियरिंग कालेजों में पदस्थ हैं। फीस कमेटी को अभी फार्मेसी और मेडिकल के साथ नर्सिंग कालेजों की तीन सत्रों की फीस तय करना है। हालांकि अभी तक उक्त कालेजों को मान्यता और निरंतरात देने का सिलसिला शुरू नहीं हआ है। इसके पहले फीस कमेटी ने फीस निर्धारित करने के लिए व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। जैसे कालेजों को मान्यता और संबद्धता मिलेगी। फीस कमेटी उनसे फीस निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव जमा कराना शुरू कर देगा। इससे कालेजों को फीस निर्धारित कराने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा।

बर्थ-डे सेलिब्रेट करने के नाम पर किया दुष्कर्म

सीनियर ने केक काटने के बाद दोस्तों को दूसरे कमरे में भेजा

जागरण, भोपाल। अवधपुरी में नर्सिंग कॉलेज की छात्रा से उसके सीनियर छात्र ने दुष्कर्म किया। घटना वाले दिन छात्रा का जन्मदिन था, इसी बात का फायदा उठाकर आरोपी ने जन्मदिन मनाने के बहाने फ्लैट पर बुलाया और दोस्तों को दूसरे कमरे में भेजकर दुष्कर्म किया। बुधवार को पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रतनलाल परिहार के अनुसार 22 वर्षीय पीड़िता बागसेवनिया इलाके में रहती है रायसेन रोड स्थित एक प्राइवेट कॉलेज से बीएससी क्लिनिकल रिसर्च (नर्सिंग) में पहले सेमेस्टर की पढ़ाई कर रही है। करीब चार महीने पहले उसी कॉलेज में पढ़ने वाला सीनियर छात्र राहुल मिश्रा पीड़िता के संपर्क में आया था। मंगलवार को लड़की का जन्मदिन था। इस मौके पर राहुल ने उसे अवधपुरी चौराहे के पास एक फ्लैट पर बुलाया, जहां पहले से कुछ अन्य दोस्त भी मौजूद थे। देर रात सभी ने मिलकर केक काटा और फिर डांस किया। इसी दौरान राहुल ने बाकी दोस्तों को दूसरे कमरे में भेजकर छात्रा को झांसे में लेकर एक बेडरूम में ले गया। जहां उसने अंदर से दरवाजा बंद कर जबरदस्ती दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। लड़की के अनुसार उसने शोर मचाया, लेकिन तेज म्यूजिक की वजह से कोई सुन नहीं सका। घटना के बाद आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर घर तक छोड़ आया। अगले दिन बुधवार को पीड़िता अपने दोस्तों के साथ थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

राहत | आसानी से हो सकेंगी कठिन जांचें, नहीं लगाना पड़ेगा 500 मीटर का चक्कर

हमीदिया में सीटी-एमआरआई की नई मशीनें आज से होंगी चालू

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। हमीदिया अस्पताल में मरीजों को शुक्रवार से बड़ी राहत मिलने वाली है। यहां सीटी स्कैन व एमआरआई की नई मशीनों चालू हो रही हैं। मरीजों को यह फायदा होगा कि उन्हें पुरानी बिल्डिंग में नहीं जाना पड़ेगा। इसके अलावा अत्याधुनिक तकनीक से लेस यह मशीनें बीमारी की सटीक पहचान करने में सक्षम हैं। जानकारी अनुसार इन दोनों मशीनों का लोकार्पण शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद यह मशीनें मरीजों की जांच के लिए निरंतर चालू रहेंगी। राजधानी में अब कम दरों में सबसे आधुनिक मशीनों से सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा प्रदेश के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में सबसे पहले भोपाल में शुरू की जा रही है।

गरीब मरीजों को मुफ्त जांच सुविधा

इन मॉडर्न मशीनों से आयुष्मान भारत योजना और अन्य शासकीय योजनाओं के तहत आने वाले मरीजों को मुफ्त सीटी स्कैन और एमआरआई जांच की सुविधा दी जाएगी। इससे मरीजों को उन उच्च स्तरीय जांचों के लिए निजी सेंटर्स जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा इन मशीनों की स्थापना से यूजी, पीजी और पैरामेडिकल छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण और रिसर्च के अवसर मिलेंगे। इन मशीनों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रिसर्च भी किया जा सकेगा।

सीटी व एमआरआई मशीन की खूबियां

- सीटी स्कैन मशीन वॉल्यूमेट्री, फ्यूजन और पर फ्यूजन जैसी आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है।
- एमआरआई मशीन में डेडिकेटेड ब्रेस्ट कॉइल्स हैं, जिससे ब्रेस्ट कैंसर की गहन जांच आसान होगी।
- दोनों मशीनें फास्ट स्क्रीनिंग में सक्षम हैं और हृदय रोगों की उन्नत जांच के लिए हाई-क्वालिटी कार्डियक पैकेज उपलब्ध कराती हैं।

24 करोड़ रुपए कीमत

हमीदिया अस्पताल ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए भवन ब्लॉक-1 में 6 करोड़ की सीटी स्कैन और 18 करोड़ की एमआरआई मशीनें स्थापित की हैं। इन्हें इमरजेंसी विभाग के ठीक पीछे लगाया गया है, ताकि गंभीर मरीजों की जांच तुरंत की जा सके। हाल ही में शासन से मंजूरी मिलने के बाद इन मशीनों के संचालन के लिए टेक्नीशियनों की नियुक्ति भी हो गई है। यह पहल नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) के नए नियमों के तहत की गई है, जिसके अनुसार सभी मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक जांच सुविधाएं अस्पताल के अपने संचालन में होनी चाहिए। इससे पहले, हमीदिया अस्पताल में ये जांचें आउटसोर्स एजेंसियों के माध्यम से की जा रही थीं। इन नई मशीनों के आने से हमीदिया अस्पताल की दैनिक क्षमता बढ़ेगी और मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली जांच सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।

शहर के कई इलाकों में आज नहीं रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। शुक्रवार को शहर के कई इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज ईदगाह हिल्स, टीबी अस्पताल, ईएमआरआई, 108 एंबुलेंस ऑफिस, बीडीए कॉलोनी और पुलिस कालोनी सहित आसपास सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक, खानूगांव स्थित इंदिरा प्रियदर्शिनी कालेज, सीवेज पंप, खानूगांव चौराहा, बाग ए बहार शादी हॉल और किनारा अपार्टमेंट सहित आसपास सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक, दीप फार्म व स्टेट हैंगर रोड व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। लेक पर्ल गार्डन, आदित्य एवेन्यु, गार्डन स्टेट, कर्नल कॉर्नर, सुविध विहार, पर्णकुटी परिसर, होटल गोल्डन लेक, पीपलनेर, सागर पब्लिक स्कूल व आसपास के इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

A+ Grade By NAAC
CAREER COLLEGE
(Autonomous by UGC)
AI Powered Institution
56 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE
ADMISSIONS OPEN Call : 70 89 48 48 48
Regular Classes
Meritorious Scholarship
AEDP Courses
Affordable Fees
AICTE Approved
BBA BCA
Design & Animation
B.Des.
BFA Animation
Diploma in Animation
UG & PG Courses
B.A., M.A., BSW
B.Com., M.Com.
B.Sc., M.Sc.
B.Lib., M.Lib.
Nursing
GNM
B.Sc., M.Sc.
Law
B.A.LL.B. (Honours)
LL.B., LL.M.
Health Science
BPT, MPT, BMLT,
BXRT, DMLT, DDT
Excellent Placement Track Record
52 LPA Highest Package (In Canada)
556 Placements in 2025
27 Placements in TCS in 2025
124 Companies Visited in 2025
Opposite BHEL Dussehra Maidan, Govindpura, Bhopal - 462023
Web : www.careercollegeindia.com
E-Mail : info@careercollegeindia.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
भोपाल 25 जुलाई 2025

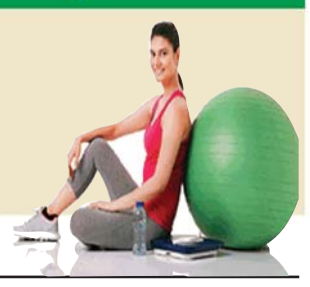

मोटापा छीन लेगा चैन की नींद!

रात की खराब नींद आपका दिन भी खराब कर देती है। अनिद्रा के चलते हार्मोन असंतुलन, खाने-पीने की खराब आदतें व शिथिलता आदि मोटापे का कारण बनने लगते हैं। अच्छी नींद के साथ कैसे जुड़ी है हमारी स्वस्थ जीवनशैली, आइए जानते हैं...

इन दिनों
डा. देवाशीष चौधरी
एचओडी, न्यूरोलाजी, जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली

अगर आपका वजन बढ़ रहा है और रात की नींद पूरी नहीं हो पा रही है तो फिर मोटापा रोक पाना आपके नियंत्रण में नहीं रह जाएगा। मोटे लोगों की रात की नींद स्वाभाविक रूप से खराब ही रहती है। इससे शरीर की जैविक क्रिया बिगड़ती है, जो बढ़ते मोटापे का ही नहीं, बल्कि कई सारी बीमारियों का भी कारण बनती है। इस तरह आप मोटापे और बीमारियों के दुश्चक्र में फंस जाते हैं। इसलिए मोटापे से बचने के लिए स्वस्थ दिनचर्या और अच्छी नींद के महत्व को समझना होगा।

खराब नींद कैसे बनती है मोटापे का कारण : नींद का रिदम प्रकृति के साथ जुड़ा हुआ है यानी हम दिन में जागते और रात में सोते हैं। हमारे दिमाग में एक आर्गन है- हाइपोथैलेमस। इसमें कुछ ऐसे न्यूरांस होते हैं, जो प्राकृतिक प्रकाश को मापकर एक सर्केडियन रिदम बनाते हैं। इससे हमारे सोने और जागने की प्रक्रिया तय होती है। मेलाटोनिन हार्मोन के चलते शाम होने पर हमें नींद महसूस होने लगती है। अगर आप देर रात तक जागते हैं। तो आपकी खान-पीने की आदतें बदल जाती हैं। आप रात में चाय-काफी या चाकलेट लेने लगते हैं या भोजन कर लेते हैं तो इसका सेहत पर खराब असर होता है। इसी तरह देर रात तक जागने के कारण दिन में सुस्ती महसूस होती है और आप पर्याप्त व्यायाम या शारीरिक श्रम नहीं कर पाते हैं। इन दोनों ही कारणों से मोटापे की आशंका बढ़ जाती है। वहीं जो पहले से ही मोटापे का शिकार हैं, उनकी रात में नींद कई बार टूटती है।

सीखें तनाव का प्रबंधन

आज की भागदौड़ में मानसिक तनाव स्वाभाविक है। इससे नींद भी प्रभावितहोती हैं। तनाव से बचने के लिए हमें सचेतन प्रयास करना होगा। इसके लिए योग, प्राणायाम कर सकते हैं। इससे राहत नहीं मिल रही है तो साइकोथेरेपी करा सकते हैं। कुछ अच्छी आदतों का विकास, अच्छा सोच, नियंत्रित जीवनयापन, नशे से दूरी हमें ऐसे व्यवधानों से बचाती है। हमारे काम करने की एक सीमा होती है, उसे समझ कर ही हमें काम करना चाहिए। हाइपरटेंशन और डायबिटीज को नियंत्रित रखना चाहिए और 30 वर्ष की उम्र के बादहर साल इसकी जांच जरूर करानी चाहिए।

खुद से न लें नींद की दवाई

किसी घटना-दुर्घटना या बीमारी आदि के कारण अगर रात में नींद नहीं आ रही है तो ऐसे लोगों को केमिस्ट शाप से नींद की दवाई लेने के बजाय चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ भी नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसे लोगों को दिन में सोने से बचना चाहिए। रात में जल्दी और नियत समय पर सोना चाहिए। जैसे हम शरीर की स्वच्छता का ध्यान रखते हैं, उसी तरह अच्छी नींद के महत्व को समझना चाहिए।

अच्छी नींद नहीं ले पाते मोटे लोग!

नींद के कई चरण होते हैं। इसके रैम (रैपिड आइमूवमेंट) चरण में पूरा शरीर शिथिलहो जाता है, लेकिन आंखों का मूवमेंट होता रहता है। कुछ लोगों, खासकर मोटे लोगों में देखा गया है कि सोते समय उनकी सांस की नली में अवरोध आता है, जिससे बीच-बीच में सांस रुकती है और बार-बार नींद टूट जाती है। इसे आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया कहते हैं। इससे नींद का चक्र प्रभावित होता है, जो कई सारी स्वास्थ्य परेशानियां, जैसे कार्डियो वैस्कुलर, ब्लड प्रेशर आदि का कारण बनता है। मोटे लोग अक्सर सोते समय खर्राटे अधिक लेते हैं। ऐसे लोगों में स्लीप एप्निया की आशंका अधिक रहती है। अधूरी नींद के चलते ऐसे लोगों को दिन में नींद के झोंके आते हैं, कई बार ड्राइव करते समय भी परेशानी महसूस होती है।

नींद की दिन में नहीं होती भरपाई

अगर रात में नींद नहीं पूरी हुई तो एक-दो दिनों तक संतुलन बना रह सकता है, लेकिन लगातार नींद खराब हुई तो थकान, आलस्य जैसी परेशानी होने लगती हैं। धीरे-धीरे दिमाग की सोचने-समझने और चिंतन की क्षमता में फर्क आ जाता है। एकाग्रता और याददाश्त कम हो जाती है। इसलिए अच्छी सेहत के लिए अच्छी नींद जरूरी है।

नींद का मतलब थकान मिटाना ही नहीं

माना जाता है कि दिनभर की थकान को मिटाने के लिए नींद जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है। नींद एक एक्टिव प्रक्रिया है यानी जब हम सोते हैं तो दिमाग संचालित रहता है। नए शोध बताते हैं कि हमारे दिमाग में छोटे-छोटे चैनल्स होते हैं, जिन्हें जी लिम्फैटिक्स कहते हैं। इसके जरिए दिनभर की तमाम गतिविधियों के चलते दिमाग में जमा खराब पदार्थ बाहर निकलते हैं। जीलिम्फैटिक्स से निकलकर यूरिन सिस्टम के जरिए ये शरीर से बाहर निकल जाते हैं यानी यह दिमाग की किडनी की तरह काम करता है। यह प्रक्रिया नींद के दौरान ही होती है।

इसलिए, शारीरिक और मानसिक तौर पर स्वस्थ रहने के लिए नींद का बहुत महत्व है। अगर यह प्रक्रिया अवरुद्ध हो जाए तो मस्तिष्क की क्षमता में भी कमी आने लगती है।

अच्छी नींद के लिए उपाय

सोते समय हल्के कपड़े पहनने चाहिए। रात में टाइट कपड़े पहनने से बचना चाहिए।

सोने से पहले मोबाइल और लैपटाप का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

सोने के पहले लाइट बंद कर देनी चाहिए। अंधेरे में दिक्कत होती है तो कोने में मध्यम प्रकाश का छोटा बल्ब लगा सकते हैं।

सोने से पहले कैफिनेटेड बेवरेज, जैसे काफी, चाय आदि नहीं लेना चाहिए, इससे नींद आने में परेशानी हो सकती है।

प्रतिदिन सोने का एक समय निर्धारित करें। अगर रात में 10 बजे सोते हैं तो उसमें देरी नहीं होनी चाहिए।

क्रेडिट अकाउंट की तरह है नींद

लगभग सात घंटे की अच्छी नींद आवश्यक है। अगर कोई व्यक्ति चार घंटे से कम या नौ- 10 घंटे से अधिक सो रहा है तो उसका जीवनकाल कम होता जाएगा। अगर रात में सात घंटे नहीं सो पाते और आप सोचें कि दो-चार घंटे दिन में सो कर पूरा कर लेंगे तो यह भी गलत है। यह एक तरह का क्रेडिट अकाउंट है, जैसे एक दिन तीन घंटे की कमी हुई और अगले दिन छह घंटे की हो जाएगी। इससे रक्तचाप अनियंत्रित होने, मानसिक सेहतखराब होने और सांस संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

एक प्याली चाय कैसे हो जोखिम रहित

चाय जीवनशैली का अहम अंग है। इसके सेवन में कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखें तो इससे जुड़े जोखिम से बचा जा सकता है। क्या हैं ये बातें, आइए जानें....

आयुर्वेद
डा. स्वप्ना चतुर्वेदी
वरिष्ठ डायटीशियन, एम्स, दिल्ली

चाय का शौकीन होना गलत नहीं है। यदि आप इसके गुणों और तरीकों को जान लें तो एक प्याली चाय मन को तरोताजा करने के साथ सेहत को होने वाले संभावित नुकसान को भी कम कर सकती है। दरअसल, कुछ लोग दिनभर में कई बार इसका सेवन करते हैं। ऐसे में चाय के सेवन में इसकी मात्रा व गुणवत्ता की परवाह नहीं करते। यह असावधानी बनी रहती है तो सेहत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। आयरन के अवशोषण में बाधक चाय में टैनिन और कैटेचिन नामक यौगिक की मौजूदगी होती है। ये यौगिक खाद्य पदार्थों से आयरन के अवशोषण को कम करते हैं। इसलिए यदि रोजाना सुबह नट्स का सेवन करते हैं तो चाय पीने के करीब 30 मिनट बाद या फिर एक घंटे बाद ही इनका सेवन करें।

संभावित जोखिम कम करने के लिए रखें ध्यान

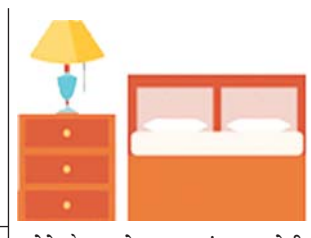

- सुबह चाय पीने से पूर्व एक या दो गिलास पानी का सेवन करने चाय में मौजूद एसके दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं।
- चाय के साथ ओट्स बिस्किट्स, लाई, मखाना आदि लेना अधिक बेहतर होता है, यह एसिड नहीं बनने देता।
- चार-पांच बार या अधिक चाय लेते हैं तो दूध वाली चाय की जगह पर ग्रीन टी या हर्बल टी लें तो नुकसान कम होगा।
- गर्मी में चाय पीना कम करना चाहते हैं तो छाछ, लस्सी, नारियल पानी या शिकंजी लेना लाभदायक है।
- हर्बल और ग्रीन टी अधिक मात्रा में नुकसान भी कर सकते हैं।

न करें खाली पेट चाय का सेवन, क्या है नुकसान

सुबह उठकर यदि खाली पेट चाय पीते हैं तो एसिडिटी, गैस, पेट फूलने की समस्या आम है। चाय में मौजूद टैनिन पाचन क्रिया को बाधित कर सकता है। इससे ब्लड शुगर असंतुलन का खतरा भी रहता है। ऐसे में शुगर के मरीजों को और भी सजग रहना चाहिए। चाय में मौजूद प्राकृतिक एसिड मुंह के स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह है। इससे मुंह से दुर्गंध आने, बात सहने का खतरा रहता है। चाय में टैनिक एसिड होता है, जो दांतों को पीला और भद्दा बना सकता है। रोजाना खाली पेट चाय पीने से शरीर में आयरन और कैल्शियम दोनों की कमी हो सकती है।

कसरत के लिए सुबह का समय बेहतर क्यों?

कार्यक्षमता बेहतर हो और आप रह सकें हरदम तरोताजा, इसके लिए कुछ लोग व्यस्तता के कारण दफ्तर से घर लौटने के बाद जिम जाना चुनते हैं या वर्क आउट करते हैं।

फिटनेस

- दिनचर्या का सबसे आवश्यक काम कसरत या वर्कआउट सुबह के समय करना शाम के अपेक्षा अधिक आसान हो सकता है।
- सुबह शरीर व मन सबसे अधिक सक्रिय व ऊर्जावान रहता है। यह समय एकाग्र होकर कसरत करने में मददगार है।
- सुबह के समय कसरत करने से शरीर में मौजूद फैट को शरीर एनर्जी के रूप में प्रयोग कर लेता है। इसलिए सुबह वजन कम करने वाले लोगों के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। वजन कम करना हो तो शाम को कसरत करने के बजाय सुबह करें।
- सुबह वर्क आउट करने से शरीर की मेटाबालिक एक्टिविटी तेज हो जाती है। इससे पूरे दिन ऊर्जावान बने रहने में मदद मिलती है व थकान कम होती है।

मांसपेशियों में खिंचाव, क्या है बचाव

इसे भी जानें
डा. सुभाष जांगिड़
विभागाध्यक्ष
हड्डी रोग, फोर्टिस इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम

खिलाड़ियों को अक्सर मांसपेशियों का खिंचाव हो जाता है, पर आज रोजमर्रा के जीवन में सिमटती शारीरिक गतिविधियों के कारण आम लोग भी इस खिंचाव का सामना करने लगे हैं। आइए जानते हैं बचाव के उपयोगी टिप्स...

मांसपेशियों में खिंचाव दो प्रकार से हो सकता है। एक चोट लगने के कारण, जिसे 'एक्यूट' कहते हैं और दूसरा, क्रोनिक, जो गलत जीवनशैली के कारण होता है और सामान्य लोग भी तकलीफ झेल रहे होते हैं। चोट की समस्या अक्सर खिलाड़ियों के साथ अधिक होती है। उन्हें आराम व थेरेपी की सलाह दी जाती है व दवा देकर भी ठीक किया जाता है, पर जो समस्या आम लोगों को होती है, जैसे गर्दन झुका कर मोबाइल देखने के कारण खिंचाव या गलत मुद्रा में सोकर टीवी देखने से दर्द या फिर कमर दर्द जैसी समस्याएं लंबे समय तक परेशानी का कारण बन सकती हैं, जिसका प्रभावी उपचार आवश्यक है।

कब मिलें डाक्टर से : यदि सामान्य खिंचाव है तो इलाज घर पर किया जा सकता है। बर्फ से सिकाई, बेहतर मुद्रा रखने, व्यायाम आदि से भी अक्सर राहत मिल जाती है। लेकिन, एक हफ्ते तक दर्द बना रहे, तो डाक्टर से मिलना चाहिए। खासकर जब दर्द असहनीय हो जाए या सुन्नता या झुनझुनाहट का अनुभव हो।

क्यों होती है समस्या : एक ही मुद्रा में घंटों बैठने से मांसपेशियों में खिंचाव हो सकता है। लेटे रहने, मोबाइल या किसी यंत्र का प्रयोग लगातार करने, किसी भारी चीज को उठाने के समय गलत तरीके से पोश्चर रखने, बार-बार एक ही मांसपेशी पर दबाव से दिक्कत बढ़ने की आशंका रहती है।

खिंचाव के लक्षण

- दर्द होना
- सूजन आना
- चलने-फिरने में परेशानी
- मांसपेशी में ऐंठन

ऐसे कर सकते हैं सुधार

- लगातार बैठे रहने का काम है तो बैठने की मुद्रा बदलते रहें। एक ही स्थिति में लगातार बैठने से बचें।
- जिस टेबल, कुर्सी का प्रयोग करते हैं, उसकी संरचना सही हो ताकि किसी अंग पर अधिक जोर न पड़े।
- मोबाइल, ओटीटी लंबे समय तक देखने से गर्दन, कमर में खिंचाव हो सकता है।
- कैल्शियम, विटामिन डी व प्रोटीन भोजन में रखें शामिल।

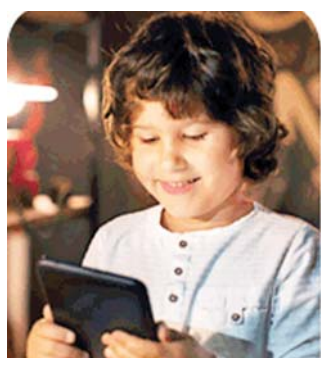

बचपन छीन रहा है स्क्रीन से लगाव

तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन को सरल कर दिया है, पर दुरुपयोग के चलते यह स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रही है। खासकर, बढ़ता स्क्रीन टाइम बच्चों के व्यावहारिक और शारीरिक विकास को अवरुद्ध कर रहा है। विशेषकर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में चिड़चिड़ापन, आक्रामकता, बोलने में परेशानी और यहां तक कि आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं। पीजीआइ के मनोचिकित्सा विभाग ओपीडी में आठ वर्ष से कम उम्र के 70-75 प्रतिशत बच्चों में कई व्यावहारिक समस्याएं देखी जा रही हैं।

मस्तिष्क की संरचना में भी बदलाव : स्क्रीन का अधिक प्रयोग करने से बच्चों की मस्तिष्क संरचना बदल रही है। ऐसा आवसीडेटिव तनाव के कारण हो रहा है। इससे ब्रेन एनर्जी में भी असर दिख रहा है। बच्चों की सोचने की क्षमता और एकाग्रता में कमी आ रही है।

पढ़ाई में भी बाधा : कोविड के दौरान स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों में मोबाइल की लत लग चुकी है। वर्तमान समय में मोबाइल फोन में बच्चे गेमिंग प्लेटफार्म तथा इंटरनेट मीडिया का अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। इसके चलते बच्चों की पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। बच्चे स्कूल में भी एकाग्र होकर पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पा रहे हैं। स्मार्टफोन का अधिक उपयोग एकतरफा संवाद को बढ़ावा दे रहा है, बच्चों में वाणी विकास बाधित हो रहा है। बोलने के विकास के लिए दो-तरफा संवाद आवश्यक है सामाजिक बातचीत की कमी के कारण बच्चे इस जरूरी प्रक्रिया से वंचित हो रहे हैं।

समाधान के सुझाव

- **स्क्रीन समय सीमित करें** : छह साल से कम उम्र के बच्चों को एक घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करनेवचना चाहिए।
- **बातचीत को बढ़ावा** : पढ़ाई और संवादात्मक खेलों को प्राथमिकता देना चाहिए।
- **सामग्री पर नजर रखें** : बच्चों की उम्र के अनुसार उपयुक्त सामग्री सुनिश्चित करें।
- **सहायता लें** : यदि वाणी में देरी या व्यावहारिक समस्याएं दिखें, तो बाल विशेषज्ञ से संपर्क करें।
- **आउटडोर खेल को दें बढ़ावा** : बच्चों को दोस्तों और हमउम्र लोगों के साथ मैदान में जाकर आउटडोर गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

फिट दिखने और फिट होने में है बड़ा अंतर

फिटनेस को लेकर लोग जागरूक तो हो रहे हैं, पर इंटरनेट मीडिया के प्रभाव के चलते सही जानकारी से वंचित रह जाते हैं। क्या हैफिट और स्वस्थ रहने का सही तरीका? आइए जानें...

फिटनेस टिप्स
टिम्सी वेक्टर
फिटनेस एक्सपर्ट एवं न्यूट्रिशनिस्ट

अगर तेज चलते हुए और सीढ़ियां चढ़ते हुए सांस फूल रही है तो यह देखें कि सांसों के सामान्य होने में कितना समय लगता है। आमतौर पर इसमें एक से पांच मिनट का समय लग सकता है। इसी से आपके हृदय और लिवर की सेहत तय होती है। अगर एक मिनट के अंदर सांसों की गति सामान्य हो जाती है तो आप अपेक्षाकृत स्वस्थ हैं। दरअसल, फिटनेस पूरी तरह आंतरिक मामला है, बाहरी दिखावट का नहीं। पतला दिखने वाला व्यक्ति जरूरी नहीं है कि फिट हो और मोटा व्यक्ति अनफिट हो। मांसपेशियों और हड्डियों की डेंसिटी वजन के निर्धारण में महत्वपूर्ण है। इसलिए फिट रहने के लिए शरीर को अंदर से बदलने की जरूरत होती है। हम कोई काम अनफिट होने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि हमारी सामान्य दिनचर्या की इसमें बड़ी भूमिका होती है। इसी तरह फिट होने के लिए भी अधिक कुछ करने की आवश्यकता नहीं है, बस दिनचर्या में बदलाव करना है।

ऐसे हो फिटनेस की शुरुआत

सबसे पहले इंटरनेट मीडिया पर फिटनेस ट्रेंड के नाम पर जो कुछ भी चल रहा है, उससे दूर रहना होगा। फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स को देखकर शार्ट टर्म प्लान नहीं बनाना चाहिए। फिटनेस का पहला फार्मूला है- निरंतरता। फिटनेस के लिए शार्टकट अपनाने से बचना चाहिए। दूसरा दिमाग में रखें कि हमें एक दिन बुढ़ापा देखना है और जब आप उस उम्र तक पहुंचें तो सेहतमंद रहें न कि बीमार। तीसरी बात, शरीर को स्वाभाविक गति में और खानपान संतुलित रखना चाहिए।

भ्रम से रहें दूर

फिट रहने के लिए हमें अलग से डाइट प्लान करने की जरूरत नहीं होती है। आजकल स्वस्थ भोजन करने वालों को लोग डाइटिंग पर समझते हैं। जैसे, किसी के घर जाने पर पहले कोल्ड ड्रिंक या जूस दे दिया जाता है, वहीं अगर व्यक्ति पानी या नींबू पानी की मांग करे तो उसे डाइटिंग पर समझ लिया जाता है। लोग यह समझ ही नहीं पाते कि हम बीमार बनाने वाला भोजन कर रहे हैं। खानपान में जागरूक लोगों को डाइटिंग पर मान लिया जाता है। हमें इस भ्रम से निकलना होगा।

स्वस्थ होने के लिए हमें जीवन में कुछ भी अलग से प्लान करने की जरूरत नहीं है। जीवन को प्रकृति के अनुरूप संतुलित बनाने की आवश्यकता है। दूसरा, घर के बने भोजन को लेकर भ्रम की स्थिति है। अगर घर में पास्ता, पिज्जा, मैगी या अन्य फास्टफूड बनाकर खा रहे हैं तो उसका लाभ नहीं, नुकसान अधिक है। हमें ताजा भोजन, हरी सब्जियां, राजमा, दालें, चावल, अनाज पकाना चाहिए न कि रेडी टू ईट टाइप भोजन। हमें भारतीय भोजन, मौसमी फलों, सब्जियों पर निर्भरता बढ़ाने की आवश्यकता है।

कठिन व्यायाम सीखने की नहीं है जरूरत

शुरुआत कठिन व्यायाम से करने की जगह सहज कसरत से होनी चाहिए। बचपन से बच्चों को पीटी-परेड करना सिखाया जाता है। हर घंटे थोड़ा-बहुत चलने, घरेलू काम से भी लाभ मिलता है। आफिस में लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चढ़ने का अभ्यास कर सकते हैं। डेस्क पर काम करतेहुए हर घंटे कुर्सी पर उठ बैठ सकते हैं। हमारे शरीर में 206 हड्डियां हैं, इनमें 177 हड्डियां ऐसी हैं, जिन्हें हम अपनी मर्जी से हिला-डुला सकते हैं। इनमें प्रतिदिन 7 मूवमेंट की जरूरत होती है। अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं तो यह प्रकृति के विरुद्ध हैं।

ध्यान देने योग्य जरूरी बातें

- भोजन में मोटे अनाज जैसे- ज्वार, बाजरा, रागी, मक्की, चना का प्रयोग करना चाहिए।
- केवल मौसमी भोजन करना चाहिए, प्रसंस्कारित या पैकेट बंद भोजन से परहेज करना चाहिए।
- कैफीन की जगह ताजे फलों का प्रयोग करना चाहिए। इसी तरह आंतों को स्वस्थ रखने के लिए छाछ, दही, देसी अचार का प्रयोग कर सकते हैं।
- एक दिन में कम से कम आधा घंटा टहलना जरूरी है। अगर समय नहीं निकाल सकते तो भोजन करने के पांच मिनट बाद कम से कम 15 मिनट चलना चाहिए। इसी से आपकी फिटनेस सही होने लगेगी।
- सोने से पहले और उठने के बाद थोड़ी सी स्ट्रेचिंग करना आपके लिए लाभदायक हो सकता है।
- प्रतिदिन योग, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, साइकिलिंग जरूर करना चाहिए।
- स्थानीय मौसमी फलों, सब्जियों का सेवन उपयोगी है। दिन में कम से कम दो बार सलाद और फल लेने चाहिए।
- खाली पेट फ्रूट जूस या फल लेने के बजाय सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी से कर सकते हैं।
- दिनभर में कम से कम आठ गिलास पानी पीना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम मध्य रेलवे के नए पीसीसीएम बने तिवारी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन ने पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक की जिम्मेदारी मनीष तिवारी को सौंपी है। उन्होंने औपचारिक रूप से गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। मनीष तिवारी भारतीय रेलवे यातायात सेवा 1994 बैच के रेल अधिकारी है। उन्होंने पूर्व में भारत सरकार के गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक (पीजी), उत्तर रेलवे में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) तथा पश्चिम मध्य रेल में कोटा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। पदभार ग्रहण के उपरांत उन्होंने पमरे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय से शिष्टाचार भेंट की तथा वाणिज्य अफसरों के साथ बैठक कर यात्री सुविधाएं, पार्सल, पार्किंग, कैटरिंग एवं माल भाड़ा को बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बड़े तालाब पर ब्रिज बनाने गडकरी से मिले सांसद

विशेष संवाददाता, भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली संसद भवन में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की और भोपाल शहर की यातायात व्यवस्था को दुरस्त करने बड़े तालाब पर केवल स्टे ब्रिज बनाने का आग्रह किया। इस मौके पर सांसद शर्मा ने गडकरी को डीपीआर दिखाते हुए बताया कि राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक 17 किलोमीटर के मार्ग में बड़े तालाब के ऊपर से 2 किलोमीटर का एलिवेटेड केवल स्टे ब्रिज बनाया जाए। शर्मा ने बताया कि डीपीआर की मंत्री गडकरी ने सराहना की और कहा कि भोपाल को इसकी जरुरत है। इससे भोपाल के विकास को पंख लगेंगे।

अनुपम बने अभा अग्रवाल सम्मेलन के मीडिया प्रभारी

भोपाल। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर अग्रवाल की अनुशंसा पर अनुपम अग्रवाल को अभा अग्रवाल सम्मेलन की मप्र इकाई का प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। सम्मेलन एक सामाजिक संगठन है जिसकी स्थापना 1975 में की गई थी। यह संगठन सामाजिक एवं सामुदायिक उत्थान, गरीबों और जरूरतमंदों की सहायता, आपदाओं में मदद, परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह, संयुक्त परिवारों को बढ़ावा देने, गौधन संरक्षण के साथ ही शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास के कामों से जुड़ा है।

संघ ने सीएम से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग राजपत्रित अधिकारी संघ विभाग के संयुक्त आयुक्त शिवेंद्र देव पांडेय के पक्ष में आवाज उठा रहा है। संघ ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच करने गुरुवार को मुख्यमंत्री, सहकारिता मंत्री, अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन), प्रमुख सचिव (सहकारिता), महानिदेशक एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं को ज्ञापन सौंपा है। इसमें शिवेन्द्र देव पांडेय, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, सागर संभाग, के विरुद्ध दर्ज प्रकरण की उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

वीडी के क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलेंगे खंडेलवाल, गुटबाजी दूर करने की चुनौती

सागर में पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच छिड़ी हुई है लड़ाई, जिससे शीर्ष नेतृत्व भी परेशान

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के लिए बुंदेलखण्ड में आने वाले सागर संभाग में संगठन की गुटबाजी दूर करने की चुनौती है। इस क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा पूर्व अध्यक्ष और खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा की संसदीय सीट में आता है। कहा जा रहा है कि खंडेलवाल इस पूरे संभागीय क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोलने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि कमलनाथ सरकार के गिरने के बाद कांग्रेसियों के भाजपाई बनने के उपरांत प्रदेश भाजपा को सबसे ज्यादा अगर किसी क्षेत्र ने परेशान किया है, तो वह बुंदेलखंड है। विशेषकर सागर में जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं के मध्य वर्चस्व की लड़ाई छिड़ी हुई है,उसने पार्टी की जमकर किरकिरी कराई है। इतना ही नहीं इससे जहां सरकार पर भी उंगली उठी है, तो पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व को भी इस मामले को लेकर असहज स्थिति में होना पड़ा। जानकारों का कहना है सागर की लड़ाई पार्टी के दिग्गज नेताओं की बीच छिड़ी हुई है, जिन्हें केन्द्रीय नेताओं का साथ मिल रहा है। सिंधिया समर्थक गोविन्द सिंह राजपूत और पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह की प्रतिदंद्विता उपजे विवाद को तत्कालीन प्रदेश नेतृत्व भी उस तरह से खत्म नहीं कराया पाया, जिस तरह से उनके द्वारा दूसरे क्षेत्रों के विवादों का पटाक्षेप किया गया था। जानकार इसकी वजह दिल्ली के दिग्गज नेताओं का हस्तक्षेप मान रहे थे। नए प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पहले दिन से ही साफ कर दिया है कि जो पार्टी लाइन से हटेगा,उसे किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि नए अध्यक्ष ने संभाग वार दौरे कर यह बात कार्यकर्ताओं को समझा दी है और एक तरह से अपनी ताकत का उन्हें एहसास भी करा दिया है,कि अब किसी भी तरह की गुटबाजी को प्रदेश नेतृत्व द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,फिर चाहे नेता किसी भी स्तर का और किसी भी बड़े नेता का समर्थक क्यों न हो।

हर दौरे के बाद नेतृत्व को रिपोर्ट

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल अपने प्रदेश के हर दौरे के बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं से जुड़ी रिपोर्ट केन्द्रीय नेतृत्व को भेज रहे हैं। इतना ही नहीं उनके द्वारा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश से भी इस संबंध में चर्चा की जा रही है। कहा जा रहा है कि खंडेलवाल अपने इन दौरे के दौरान जहां अपनी भावी टीम के लिए स्वयं चेहरे तलाश कर रहे है,तो वहीं उनकी जिला संगठन की नई टीम की संभावनाओं पर भी नजर है।

हर संभाग में बन सकते हैं संगठन महामंत्री

पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो प्रदेश भाजपा की नई टीम के गठन के साथ ही एक बार फिर से संभागीय संगठन महामंत्री बनाने का निर्णय ले सकती है । इसके लिए संघ की विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ताओं को नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गौरतलब है कि पहले भी प्रत्येक संभाग में भाजपा ने एक संभागीय संगठन मंत्री बनाए थे। लेकिन बाद में इस सिस्टम को खत्म कर दिया गया था और प्रदेश में केवल एक भी संगठन महामंत्री बनाया गया।

बीना को जिला बनाने की उम्मीद

पिछले कुछ दिनों से विवाद में चल रही बीना विधायक निर्मला सप्रे को एक बार फिर से बीना को नया जिला बनाए जाने की उम्मीद हो गई है। पूर्व विधायक महेश राय से अपने विवाद पर सफाई देने पिछले दिनों भोपाल आई निर्मला ने सीएम से एक बार से बीना को जिला बनाने को लेकर जल्द फैसला लेने का आग्रह किया है। बताया गया है कि सीएम ने उन्हें जल्द ही इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि बीना को जिला बनाए जाने के रास्ते में खुरई के भाजपा कार्यकर्ता अपने विधायक भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में रोडा बने हुए है। उनके द्वारा खुरई को नया जिला बनाए जाने की मांग की जा रही है,जबकि निर्मला सप्रे ने लोकसभा चुनाव में भाजपा का साथ इसलिए दिया था कि बीना को सागर से अलग कर नया जिला बनाया जाएगा।

ई-रिक्शा चालकों के साथ सड़क पर उतरी आप, निकाली रैली

जहांगीराबाद क्षेत्र में दो घंटे से भी ज्यादा समय तक रहा जाम

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रशासन द्वारा शहर में हो रहे ट्रैफिक जाम के चलते और लगातार दुर्घटनाओं के कारण बैन किए गए ई-रिक्शा के संचालन को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) गुरुवार को सड़कों पर उतर आई। आप ने इस दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए जिंसी धर्मकांटा से कलेक्टर कार्यालय तक रिक्शा रैली का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में रिक्शा चालक जुटे। मेट्रो के कार्य के चलते वर्तमान में ट्रैफिक का पूरा भार चिकलोद रोड पर है, ऐसे में अचानक से बड़ी संख्या में ई-रिक्शा पहुंचने से यहां का ट्रैफिक जाम हो गया है और इलाके में लगभग 2 घंटे तक यही स्थिति बनी रही। जाम के चलते स्कूली छात्र, बुजुर्ग और अन्य लोग बुरी तरह फंस गए, जिन्हें गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि इस दौरान ट्रैफिक पुलिस का अमला मैदान पर डटकर ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के काम में लगा रहा। आप के प्रदेश मीडिया प्रभारी मिन्हाज आलम ने बताया कि यह मामला हजारों रिक्शा चालकों की रोजी रोटी से जुड़ा है। इनके रोजगार की व्यवस्था किए बिना इन्हें हटाना अन्याय पूर्ण है। शहर की कई सड़कों पर ई रिक्शा बिना परमिट के ही संचालित हो रहे हैं, जिनके चलते हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं ई रिक्शा चालकों द्वारा कई बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रोड पर स्टंट भी किए जाते हैं। जिसके चलते दुर्घटनाएं होती हैं। इसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने भोपाल के लिंक रोड नंबर 1, वीआईपी रोड व बोट क्लब सहित अन्य स्थानों पर ई रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध ट्रायल फेज के तहत 23 जुलाई से एक सप्ताह के लिए लागू किया गया है। इस क्षेत्र के ट्रैफिक का अध्ययन कर आगे की कार्रवाई के लिए तैयारी शुरू की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के अनुसार शहर में 11 हजार से ज्यादा ई रिक्शा संचालित हो रहे हैं, जिसके चलते मुख्य मार्गों पर दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

रंगरूटों को 'मानस' का पाठ करने के निर्देश का कांग्रेस ने किया विरोध

एडीजी के निर्देश को बताया पुलिस का भगवाकरण

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में नव-नियुक्त कांस्टेबलों में होम सिकनेस (घर की याद) की समस्या से उबरने के लिए एडीजी द्वारा दिए गए एक निर्देश पर कांग्रेस ने सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में आरक्षक भर्ती परीक्षा में सफल हुए 3090 रंगरूटों में से 300 से ज्यादा ने पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में आवेदन कर नौ महीने के बुनियादी प्रशिक्षण कोर्स के लिए नजदीकी पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों (पीटीएस) में खुद को भेजने की मांग की है। इन आवेदनों के साथ ही कई विधायकों, मंत्रियों समेत प्रभावशाली लोगों से सिफारिशें भी आई हैं। इससे परेशान होकर प्रशिक्षण विंग के प्रमुख एडीजी राजा बाबू सिंह ने उन्हें भगवान राम के 14 साल के वनवास और रामचरितमानस से प्रेरणा लेने को कहा है। उन्होंने ऐसे रंगरूटों को समझाने के लिए पीटीएस के सभी एसपी को निर्देश दिए हैं कि उन्हें रात को सोने से पहले हर दिन रामचरितमानस के एक-दो अध्याय सामूहिक रूप से सुनाएं।

संविधान के अनुसार पढ़ाएं धर्मनिरपेक्षता का पाठ

निर्देश के बाद कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार के निर्देश पर अफसर अब पुलिस का भगवाकरण करना चाहते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मुकेश नायक ने इस निर्देश पर आपत्ति जताते हुए कहा कि आरक्षक पद की ट्रेनिंग के लिए आए रंगरूटों में सभी धर्मों के लोग हैं और संविधान की धर्मनिरपेक्षता का पालन करते हुए सभी धर्मों और धर्मग्रंथों का सम्मान होना चाहिए। नायक का आरोप है कि चंद नेताओं को खुश करने की खातिर इस तरह के निर्देश दिए गए हैं क्योंकि सरकार राम के नाम का दिखावा करती है और उनके चरित्र का पालन नहीं हो रहा।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में सोने से पहले रामचरितमानस सुनाने के दिए थे निर्देश

मंगलवार को कोर्स की शुरुआत से पहले प्रदेश के 8 पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों के एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजा बाबू सिंह ने चिंता जताते हुए कहा था कि भविष्य में इन्हीं रंगरूटों को माओवाद प्रभावित बालाघाट जिले समेत राज्य में कहीं भी तैनात किया जा सकता है। ऐसे में अगर वे अपनी नौकरी की शुरुआत में प्रशिक्षण के दौरान ही घर के पास ट्रांसफर मांगने लगेंगे तो भविष्य में पुलिस की कठिन ड्यूटी कैसे निभा पाएंगे। राजा बाबू सिंह ने इस दौरान कहा था कि गोस्वामी तुलसीदास की यह रचना ज्ञान का विशाल भंडार है और इसका गहरा असर अपने घर से दूर आकर दुखी हो रहे रंगरूटों पर भी होगा। ऐसे में वे अपनी नौ माह की कठिन ट्रेनिंग ईमानदारी से पूरी करेंगे।

दो अफसरों को हटाना ही मसले का हल नहीं : सिंघार

भोपाल। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सिया विवाद में दो अफसरों को हटाने से मामले का हल नहीं निकल सकता। सोशल मीडिया एक्स ने सिंघार ने लिखा कि जो बड़ा घोटाला हुआ, उसकी तह तक पहुंचने के लिए जांच जरूरी है! तभी सामने आएगा कि इस घोटाले की कालिख किस-किस के हाथ पर लगी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में विधानसभा में सरकार से सवाल पूछें जाएंगे। इसके लिए सरकार को तैयार रहना चाहिए।

खाद समस्या रही तो सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद समस्या को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि समस्या का निराकरण नहीं हुआ, तो कांग्रेस किसानों के साथ सड़कों पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि सुबह 5 बजे से कतारों में खड़े किसान, दो-दो बोरी खाद के लिए अपमानित हो रहे हैं। ग्वालियर-चंबल, विंध्य, महाकौशल से लेकर मालवा-निमाड़ तक खाद संकट विकराल रूप ले चुका है। कई जिलों में यूरिया और डीएपी दोनों की ही भारी कमी है, लेकिन सरकार का रवैया संवेदनहीन है। पटवारी ने आगे लिखा कि सरकार हर बार रटा-रटाया बहाना सामने रखती है कि इंटरनेशनल सप्लाई में कमी है। यह प्रश्न उठता है कि पूरे वर्ष क्या किया? यदि अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति से परिचित थे तो वैकल्पिक व्यवस्थाएं क्यों नहीं की गईं। आरोप लगाया कि सबसे गंभीर मामला निजी वितरण तंत्र की अनियंत्रित लापरवाही और कालाबाजारी का है।

बरसते पानी में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

धर्मांतरण सहित अन्य मांगों को लेकर हिंदू संगठनों ने गुरुवार को होटल पलास के पास प्रदर्शन किया।

उद्यानिकी फसलों की ओर बढ़ें किसान

विशेष संवाददाता, भोपाल। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि किसान परंपरागत खेती पर ही निर्भर न रहें बल्कि नवीन तकनीकी के साथ उद्यानिकी फसलों को लेने की ओर बढ़ें। कुशवाहा ने यह बात उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत ग्वालियर जिले में उद्यानिकी फसलों को बढावा देने दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि गांव में अधिक से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट एवं छोटे छोटे उद्योग लगायें जिससे किसान खुद की फसल का अच्छा दाम प्राप्त कर सकें। किसानों के लिए सरकार नई योजना ला रही है। इसके अंतर्गत जो भी किसान एक बगिया मां के नाम लगाएगा वह सरकार 3 लाख रुपये तक अनुदान प्राप्त कर सकेगा। किसानों की मेहनत के कारण लगातार खाद्यान उत्पादन में मध्यप्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। किसान फसलों की सिंचाई के लिए अब भरपूर पानी मिल रहा है।

शत प्रतिशत राशि खर्च करने में अक्षम साबित हो रहे अधिकारी

स्कूलों में शौचालय बनाने पर भोपाल खर्च नहीं कर सका 78 फीसदी बजट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल जिले के सरकारी स्कूलों की दुर्दशा दूर करने विभाग आबंटित राशि भी समय पर खर्च नहीं कर सकता है। स्कूलों में बंद शौचालयों की मरम्मत में राज्य शिक्षा केंद्र से 58 करोड़ जारी हुए थे। इसमें से करीब 22 फीसदी राशि ही अधिकारी खर्च कर पाए हैं। 78 फीसदी राशि अभी शेष है, जिसे खर्च करने के लिए कोई तैयारी तक नहीं है। प्रदेश के स्कूलों की स्थिति सुधारने समग्र शिक्षा अभियान के तहत टायलेट के लिए 9146.84 करोड़ का बजट जारी किया गया था। उक्त बजट से स्कूलों में बंद शौचालयों की मरम्मत होना थी। भोपाल जिले में सिर्फ 22 फीसदी राशि ही उपयोग हो पाई है। 78 फीसदी राशि का उपयोग ही नहीं किया गया है। भोपाल जिले के बालक व बालिका टायलेट की मरम्मत के लिए 57.99 करोड़ का बजट जारी किया गया, जिसमें सिर्फ 13.23 करोड़ खर्च किया है। राशि का समय पर खर्च नहीं करने से राजधानी के ही कई स्कूलों में बेटियों के लिए टायलेट उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जबकि बजट मिलने के बाद कटनी जिले ने 82 फीसदी राशि का उपयोग कर लिया। स्कूल शिक्षा विभाग के एक मई 2025 की स्थिति के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में 92 हजार 32 स्कूल हैं। इसमें 322 स्कूल भवन विहीन हैं। नौ हजार 837 में बालिकाओं के शौचालय बंद हैं। जबकि दो हजार 776 स्कूलों में बालिका शौचालय सुविधा विहीन हैं। 11 हजार 396 स्कूलों में बालकों के शौचालय बंद हैं और तीन हजार 100 स्कूलों में बालक शौचालय सुविधा विहीन है।

पचास फीसदी से कम हुए खर्च

विभाग के 14 मई की स्थिति के आंकड़े बताते हैं कि भोपाल, जबलपुर, गुना, डिंडोरी, मंदसौर, झाबुआ, टीकमगढ़, देवास, सागर, दतिया, उमरिया, बुरहानपुर, राजगढ़, ग्वालियर, दमोह, बड़वानी, निवाड़ी, खरगोन, रायसेन, छतरपुर, विदिशा, छिंदवाड़ा, हरदा व अलीराजपुर जिलों में जारी की गई राशि का पचास फीसदी से कम खर्च किया है।

सरकारी स्कूलों में लगातार घट रही बच्चों की संख्या

प्रदेश में वर्ष 2016-17 से लेकर 2023-24 तक सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से 12वीं तक के 12 लाख 23 हजार 384 विद्यार्थी घटे हैं। उक्त 7 सालों में सरकारी स्कूलों में कक्षा पहली से पांचवीं में छह लाख 35 हाजर 434, कक्षा 6 से 8 में चार लाख 83 हजार 171 और कक्षा 9 से 12 में एक लाख 4 हजार 479 बच्चे कम हुए हैं। पिछले सत्र में नामांकन कम होने की संख्या ज्यादा थी। उक्त विद्यार्थियों का पढ़ाई से मोहभंग हो गया है।

आयोजन | रवीन्द्र भवन में आयोजित छह दिवसीय हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

नई पीढ़ी को नाटकों से मिलती है गौरवशाली इतिहास की जानकारी

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वास्तव में नाटक कला अनूठी है। नाटकों के माध्यम से भारतीय इतिहास के गौरवशाली व्यक्तित्व की जानकारी वर्तमान पीढ़ी को प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग की संस्था मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के सहयोग से रवीन्द्र भवन में आयोजित छह दिवसीय हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने ककहा कि यह संयोग है कि वे हरिहर की नगरी से आते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की चौदह विद्याओं और चौसठ कलाओं में नाट्य शास्त्र के सभी आयाम शामिल हैं। हमारे इतिहास में जहां राष्ट्र के दुर्बल होने के निराशाजनक उदाहरण देखने को मिलते हैं, वहीं हमारे समर्थ होने के भी प्रमाण मिलते हैं। विदेशी आक्राताओं ने आराध्य स्थलों को नष्ट करने और प्रतिमाएं अन्य देशों में ले जाने का कृत्य किया, लेकिन यह भी सत्य है कि हमारे पराक्रमी और राष्ट्रप्रेमी शासकों ने उन प्रतीकों को पुनःस्वदेश लाने का कार्य भी किया। डॉ. यादव ने कहा कि वे स्वयं विद्यालयीन और महाविद्यालयीन स्तर से नाटकों के मंचन से जुटे रहे हैं। उन्हें अनेक वर्ष पूर्व महानाट्य जाणताराजा देखने का सौभाग्य मिला, जो शिवाजी महाराज के साहसिक जीवन पर केन्द्रित था। बाद में इस तर्ज पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन को मंच पर लाने में सफलता मिली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विविध पक्षों का उल्लेख करते हुए बताया कि शिवाजी महाराज की तरह सम्राट विक्रमादित्य सुशासन और शौर्य के प्रतीक थे। उनके राज्य का काफी विस्तार हुआ। उन्होंने अपने भूभाग के समस्त नागरिकों का ऋण समाप्त करने का ऐतिहासिक कार्य किया और विक्रम संवत् के प्रर्वतन की दिशा में आगे बढ़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कृति विभाग को छह दिवसीय नाट्य समारोह के आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने वीर भारत न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तक च्लोक में मणिधर-बघेश्वर और नाट्य समारोह की स्मारिका का विमोचन किया। प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह में प्रस्तुत होने वाले नाटकों और भरतमुनि राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत होने वाले शोध पत्रों की जानकारी दी। अतिथियों का स्वागत संस्कृति संचालक एनपी नामदेव ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी सहित विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कलाप्रेमी उपस्थित थे।

विधानसभा में तत्थात्मक जवाब दें अधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को अधिकारियों से कहा है कि मानसून सत्र में ध्यानाकर्षण आदि में जवाब देते समय तथ्यात्मक और तर्कपूर्ण जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस काम में सजगकता के साथ काम किया जाए। मंत्रालय में विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में सीएम ने कहा कि सदन में चर्चा के दौरान शासन की जनकल्याणकारी भावना और विकास कार्यो की उपलब्धियों को प्रभावी रुप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। सीएम ने कहा कि विभाग विधेयकों,अशासकीय संकल्पना और अहम विषयों सें संबंधित टीप समय रहते उनके कार्यालय को भेजे जाने चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन,सहित विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव सहित दूसरे अधिकारी मौजूद रहे।

युवाओं को नशे की लत से बचाना है

भोपाल। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे से दूरी है जरूरी अभियान केवल अभियान नहीं, मादक पदार्थों की लत से युवाओं को बचाने की दिशा में समाज और पुलिस की सहभागिता का सशक्त प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित वृहद जन-जागरुकता अभियान नशे से दूरी-है जरूरी के अंतर्गत भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि तस्करों पर कार्रवाई भी हो।

हितग्राहियों को पीडीएस में चावल से ज्यादा मिलेगा गेहूं

विशेष संवाददाता, भोपाल। केन्द्र ने मध्यप्रदेश सरकार की उस मांग को पूरा कर दिया है, जिसे लेकर पिछले कई सालों से पीडीएस खाद्यान्न में गेहूं की मात्रा बढ़ाए जाने की मांग की जा रही थी। अब प्रदेश के पात्र हितग्राहियों को 3 किलो गेहूं और 2 किलो चावल के हिसाब से राशन दिया जाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश के अभी तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत हितग्राहियों को चावल और गेहूं 60-40 के अनुपात में वितरित किया जाता था। इसे लेकर कई बार राज्य सरकार द्वारा केन्द्र से आग्रह किया गया। पिछले दिनों सूबे के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात कर गेहूं की मात्रा बढ़ाने का आग्रह किया था। इसके उपरांत केंद्र ने अपने नीतिगत फैसलों को बदलकर राज्य सरकार की मांग को पूरा कर दिया। जानकारी के अनुसार अब अब पात्र परिवारों को मिलने वाले खाद्यान्न में 75 प्रतिशत गेहूं और 25 प्रतिशत चावल वितरित किया जाएगा। केंद्र सरकार के इस निर्णय पर मंत्री राजपूत ने कहा कि राज्य सरकार के आग्रह पर केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय न केवल जनहितैषी है, बल्कि यह केंद्र-राज्य समन्वय का भी सशक्त उदाहरण है। यह दर्शाता है कि यदि मांग व्यवहारिक हो तो नीतिगत बदलाव संभव हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार पीडीएस को अधिक पारदर्शी और हितग्राही केंद्रित बनाने के लिए आधार प्रमाणीकरण, डिजिटल वितरण ट्रैकिंग और ई-केवाईसी जैसी आधुनिक तकनीकों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

केंद्र ने दी मंजूरी
अब 75 - 25 के अनुपात में वितरण

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

बाढ़ जनित आपदा से बचने के उपाय करना जरूरी

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। बाढ़ के कारण और नुकसान से बचने के उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी-नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है। पहाड़ों को हरीतिमा से ढकना होगा जो भूस्खलन व मिट्टी के कटाव को रोकने में सक्षम हो। साथ ही नदियों के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करने वाले कारकों को दूर करने की भी जरूरत है। दरअसल, नदियां अधिक जल प्रवाह होने पर हमेशा अपने विस्तार क्षेत्र को ही तलाशती हैं।

> तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार-बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है।

साइबर अपराधियों को उम्रकैद या मृत्यु दंड देने की आवश्यकता

अपराध और दंड

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

किसी भी व्यक्ति के जीवन भर की पूंजी को एक धोखे से छीन लेना वास्तव में यह उसके जीवन के साथ सिर्फ एक छलावा नहीं, उसे जीते जी मार देना है। ऐसे में अपराधियों को कुछ सालों का कारावास या अर्थदण्ड नहीं बल्कि उसे जब तक वह जीवित रहे, सलाखों के पीछे जीवन बिताए, यह सजा दी जानी चाहिए। यह सख्ती इसलिए भी जरूरी है ताकि फिर वह कभी किसी दूसरे के साथ धोखा न कर सके। वस्तुतः भारत में साइबर फ्रॉड के आंकड़े आज आम जन को बहुत डरा रहे हैं, इसलिए ही यह बात यहां कही जा रही है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह ध्यान में आया है कि देशभर में 2023 के दौरान साइबर अपराध के जरिए 7,465 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 206 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,845 करोड़ तक पहुंच गया था।

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) पर 2024 में कुल 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं। कहना होगा कि यह आंकड़ा 2023 में दर्ज 24.4 लाख मामलों से कहीं अधिक है और यह तब है जब भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं। ये कानून मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत लागू होते हैं। जिसमें कि धाराएं 419, 420, 468, 469 आदि भी साइबर अपराधों में लागू की गई हैं।

गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने लोकसभा में जानकारी में बताया है कि 2024 में 22.7 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि 2023 में यह संख्या 15.9 लाख थी। यानी एक साल में साइबर क्राइम में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। स्वभाविक तौर पर यह देशभर में आमजन के लिए चिंता का विषय है। हालांकि सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से अब तक 17.8 लाख शिकायतों के आधार पर लगभग 5,489 करोड़ रुपए की रकम को धोखाधड़ी से बचाया जा चुका है। दूसरी ओर पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने 9.42 लाख से अधिक सिमकार्ड और 2,63,348 मोबाइल आईएमईआई को ब्लॉक किया है और अब तक 10,599 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया है, किंतु इसके बाद भी ये साइबर अपराध हैं कि कम होने का नाम नहीं ले रहे। गहन विचार करेंगे तो ध्यान में आएगा कि आखिर ऐसा क्यों है वस्तुत : इसके पीछे जो सबसे बड़ा कारण दिखाई देता है, वह अपराधियों को प्रायः सख्त और आजीवन मिलने वाली सजा की कमी का होना है। साइबर अपराधों के लिए देश में संभवतः पहली बार इसी साल और इसी माह जुलाई में एक निचली अदालत का निर्णय देखने को मिला है, जिसमें कि नौ साइबर अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इन्होंने डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी देकर कई करोड़ रुपये की उगाही की थी। अदालत ने इस अपराध को आर्थिक आतंकवाद से कम नहीं माना। महाराष्ट्र, हरियाणा और गुजरात से गिरफ्तार किए गए इन नौ दोषियों में एक महिला भी है, जिन्होंने पूरे भारत में 108 लोगों को धोखा देकर 100 करोड़ रुपये जमा किए। कल्याणी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुबर्टी सरकार, ने उन्हें बीएनएस 338 के तहत आजीवन कारावास और बीएनएस तथा आईटी अधिनियमों के तहत 10 अन्य दंडनीय अपराधों में सजा सुनाई है। इसके अलावा देखें तो आतंकवाद के प्रकरणों में अनीस शकील अंसारी जोकि एक कंप्यूटर इंजीनियर है को मुंबई न्यायालय द्वारा अक्टूबर 2022 में आईटी एक्ट धारा66 एफ (साइबर आतंकवाद) और तत्कालीन आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। यह एक अमेरिकी स्कूल पर हमले की साजिश जिसे आईएसआईएस ने रची थी में सक्रिय पाया गया। देश की सुरक्षा से जुड़े एक अन्य प्रकरण में नागपुर जिला अदालत ने 3 जून 2024 को पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पिछले दो वर्ष वर्ष 2023 एवं 2024 का तुलनात्मक आंकड़ा हमारे सामने हैं ही। जिसमें साफ दिखता है कि 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें पिछले साल आईं किंतु सजा यदि देखें तो आजीवन कारावास 2024 में सिर्फ एक को ही हो सका। वहीं, इस साल भी सिर्फ एक मामले में साइबर फ्रॉड के लिए आजीवन कारावास की सज़ा दी जा सकी है। कुल मिलाकर देखें तो आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराध करने के बाद प्रायः अपराधी लम्बे समय तक जेलों में नहीं रहते, वे अक्सर आर्थिक दंड देने के साथ कम समय की सजा पाकर छूट जाते हैं। कई बार साक्ष्यों के आधार पर और कई बार नाबालिग होने की स्थिति में यह छोड़ दिए जाते हैं जिसमें कि अक्सर बाहर आकर ज्यादातर अपराधी फिर से साइबर धोखाधड़ी करते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि एक तरफ देश का हर व्यक्ति साइबर विशेषज्ञों और सरकार द्वारा सुझाए गए सुरक्षा उपायों को व्यवहार में अपनाए तो दूसरी ओर यह भी आवश्यक है कि कानूनों को भी अत्यधिक सख्त बनाया जाए। किसी की भी जीवन भर की कमाई उड़ा देने वालों को इतनी आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता, जैसा कि ये अभी ज्यादातर बचकर बाहर आ जा रहे हैं। कहना होगा कि लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े प्रस्तुत करने भर से इस समस्या की चिंताओं से निजात नहीं पाई जा सकती है, इसके लिए व्यवहार में कठोर कदम उठाए जाने की वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता है। जिस पर केंद्र सरकार को गहराई से गौर करना चाहिए।

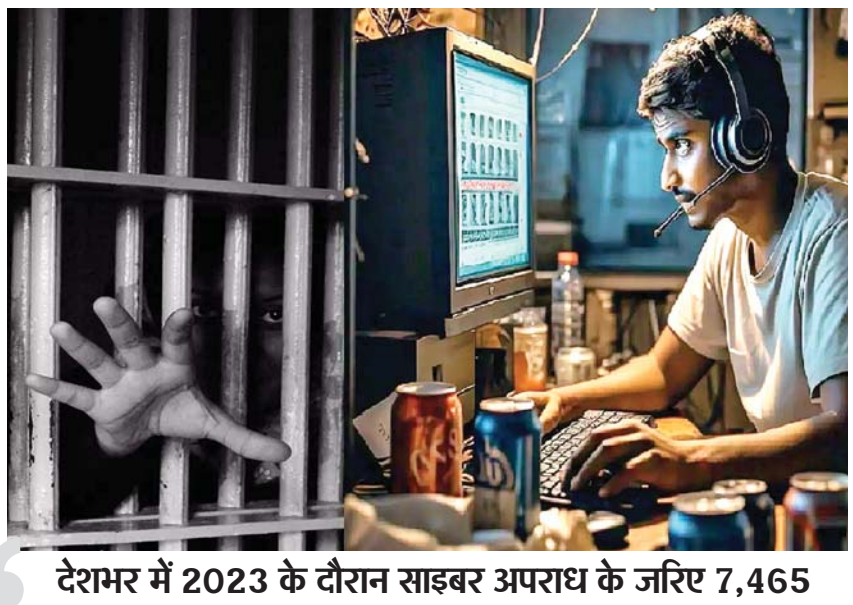

> देशभर में 2023 के दौरान साइबर अपराध के जरिए 7,465 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 206 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,845 करोड़ तक पहुंच गया था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) पर 2024 में कुल 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं।

वक्त है कि पुलिस समय के अनुरूप और प्रभावी बने

बदलाव की दरकार

ओपी सिंह

भारतीय पुलिस को लेकर आम जनमानस में मिश्रित धारणा है। जब कोई संकट आता है–दंगा हो, सड़क दुर्घटना, चोरी या प्राकृतिक आपदा हो, तो सबसे पहले जो संस्था पहुंचती है, वह पुलिस होती है। तमाम सीमाओं और दबावों के बीच पुलिस ने इस देश में व्यवस्था को संभाले रखा है। न उसकी ड्यूटी का समय तय है, न कार्य का स्वरूप...फिर भी वह हर परिस्थिति में तैयार खड़ी रहती है। सप्ताह के सातों दिन...साल के 365 दिन। भारतीय पुलिस को यह क्षमता किसी चमत्कार से नहीं मिली, बल्कि एक अनुशासित संस्कृति, परिणामोन्मुख सोच और स्थितियों से जूझने के अभ्यास ने यह बनाया है।

सवाल यह है कि क्या यही पर्याप्त है? क्या पुलिस केवल संकट से निपटने के लिए बनी है? क्या उसे केवल घटना के बाद कार्रवाई करने वाली व्यवस्था बने रहना चाहिए? इसका उत्तर अब 'नहीं' में है, क्योंकि देश बदल रहा है, अपराध बदल रहे हैं, नागरिकों की अपेक्षाएं और अधिकार-चेतना भी कहीं अधिक स्पष्ट और मुखर हो गई है। अब सिर्फ व्यवस्था बनाए रखना काफी नहीं है। अब पुलिस को नागरिकों के भीतर विश्वास जगाना होगा। यह विश्वास तभी बनेगा, जब पुलिस अपनी भूमिका को केवल बल प्रयोग करने वाली संस्था के बजाय समाज के साथ संवाद और सहयोग करने वाली संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित करेगी।

आज भी अधिकतर नागरिक पुलिस से बचना पसंद करते हैं। यह दूरी किसी कानून की वजह से नहीं, बल्कि अनुभव और पूर्वाग्रह की वजह से है। अगर लोगों को लगे कि पुलिस उनकी बात सुनती है, मदद करती है और बिना भय के उनसे संवाद किया जा सकता है, तो यह रिश्ता बदलेगा। इसके लिए थानों से बदलाव की शुरुआत करनी होगी। थाने सिर्फ एफआईआर लिखने या गिरफ्तारी करने के स्थान नहीं होने चाहिए। उन्हें मोहल्ले का समस्या समाधान केंद्र बनना होगा। एक ऐसा स्थान, जहां कोई भी नागरिक बेहिचक जाकर मदद मांग सके।

पुलिस में एक और बुनियादी बदलाव जरूरी है, अपराध और अपराधियों को समझने के नजरिये में। हर अपराधी एक जैसा नहीं होता। बहुत से लोग परिस्थितियों से मजबूर होकर अपराध की ओर धकेले जाते हैं। कोई गरीबी में, कोई अशिक्षा में, तो कोई गलत संगति में। ऐसे मामलों में सुधार और पुनर्वास की नीति अपनाई जानी चाहिए, न कि जेल की। जो अपराधी सचमुच समाज के लिए खतरा हैं, उनके साथ कठोरता उचित है, लेकिन बाकी के लिए सुधार की संभावना को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

यह भी समझना होगा कि आज का अपराधी पुरानी सोच वाला नहीं है। वह तकनीक से लैस है, कानून की सीमाओं को जानता है और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करता है। आज साइबर क्राइम, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल मीडिया के जरिये उकसावों जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। इनसे निपटने के लिए पुलिस को भी भविष्य की सोच और तकनीकी दक्षता से लैस होना होगा। हर जिले में अपराध विश्लेषण, डाटा आधारित फैसले और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य की जानी चाहिए।

एक और अहम पक्ष है संवाद का। अक्सर पुलिस अपने काम की जानकारी जनता तक पहुंचाने में पीछे रह जाती है। जहां अफवाहें तेजी से फैलती हैं, वहां चुप्पी नुकसान करती है। पुलिस को अब अपने पक्ष को स्पष्ट, संवेदनशील और समय पर जनता तक पहुंचाना आना चाहिए। इसके लिए हर जिले में प्रशिक्षित जनसंपर्क अधिकारी होने चाहिए, जो न केवल मीडिया से संवाद करें, बल्कि सोशल मीडिया और जन मंचों पर भी पुलिस की बात रख सकें।

सबसे जरूरी यह समझना है कि पुलिस सुधार की मांग इसलिए नहीं हो रही है कि पुलिस अपने कार्य में विफल हो रही है, बल्कि यह इसलिए है कि पुलिस अब भी सफलतापूर्वक काम कर रही है, लेकिन उसे बदलते समय के साथ और भी प्रभावी बनाया जा सकता है। सुधार की प्रक्रिया संकट से नहीं, साहसिक सोच और दूरदृष्टि से शुरू होती है। जब कोई संस्था अब भी खड़ी हो, पर दबाव महसूस करने लगे, तभी सही समय होता है आत्ममंथन और नव निर्माण का।

आज जब देश एक नई सामाजिक और तकनीकी दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो पुलिस को भी एक नई सोच और रणनीति के साथ चलना होगा। अगर पुलिस को नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया बने रहना है, तो उसे नागरिकों का पहला भरोसा भी बनना होगा। और यह विश्वास ही उस पुल की नींव बनेगा, जो राज्य और समाज के बीच मजबूती से खड़ा रह सकेगा।

(लेखक पुलिस महानिदेशक एवं हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख हैं)

> पुलिस सुधार इसलिए भी जरूरी है, ताकि इसे बदलते समय के अनुरूप और प्रभावी बनाया जा सके। अब पुलिस को नागरिकों के भीतर विश्वास जगाना होगा। यह विश्वास तभी बनेगा, जब पुलिस अपनी भूमिका को केवल बल प्रयोग करने वाली संस्था के बजाय समाज के साथ संवाद और सहयोग करने वाली संस्था के रूप में पुनर्परिभाषित करेगी।

प्रसंगवश

न्याय व्यवस्था से डगमगा रहा जनता का यकीन

'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की थी। दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में यह भावना कहीं नहीं नजर नहीं आई। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ चिंता भी पैदा करता है। 11 जुलाई 2006 को सिलसिलेवार ढंग से हुए बम धमाकों में 187 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 824 घायल हुए थे। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले से 19 साल बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि आखिर इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ीं, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही बरती गई। यह भी शर्मनाक है कि आरोपियों को टॉर्चर किया गया। 12 लोग इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी जीते रहे। जेल में वो लोग थे, लेकिन उनके साथ सजा पूरे परिवार ने भुगती। यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। और यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

> मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों के आरोपियों के बरी होने पर सवाल उठते हैं, क्योंकि हाईकोर्ट में सबूतों की धज्जियां उड़ीं और जांच में लापरवाही बरती गई। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा?

॥गीता॥

श्लोक

अहिंसा समता तुष्टिस्तपो दानं यशोऽयशः।
भवन्ति भावा भूतानां मत्त एव पृथग्विधाः॥

भावार्थ

अहिंसा, समता, संतोष तप, दान, कीर्ति और अपकीर्ति- ऐसे ये प्राणियों के नाना प्रकार के भाव मुझसे ही होते हैं।

जीवन दर्शन

अकेलापन समस्या नहीं, खुद को जानने का मौका

इंसान भी कितना अजीब है, भीड़ में रहकर घुटता है और अकेले में डरता है। लेकिन क्या वाकई अकेलापन कोई समस्या है या हमने इसे समस्या बना लिया है?

आज के डिजिटल दौर में हमारे पास हजारों कनेक्शन हैं। सोशल मीडिया पर फ्रेंड्स की लंबी लिस्ट, सैकड़ों लाइक्स और कमेंट्स... लेकिन भीतर से अक्सर लोग यही कहते हैं, मैं अकेला हूं। यह कैसा विरोधाभास है? शायद इसलिए, क्योंकि ये सारे जुड़ाव बाहरी हैं। हम हर दिन दूसरों से बातें तो करते हैं, लेकिन खुद से संवाद करना भूल चुके हैं। खुद मिलना नहीं जानते। असली मिलना तब होता है, जब अकेले बैठकर अपने भीतर की आवाज सुनी जाए। बुद्ध ने यही किया था। अकेले बैठे थे बोधि वृक्ष के नीचे। महावीर ने क्या किया था? 12 साल मौन रहे, अकेले। यीशु गए थे रेगिस्तान में 40 दिन, अकेले। ये समझ गए थे कि असली खजाना अकेलेपन में छिपा है।

अकेलापन असहज तब लगता है, जब हम खुद से कटे होते हैं - जब हम केवल दूसरों से मान्यता, सराहना और भावनात्मक सहारा पाने की उम्मीद करते हैं। जैसे ही यह सहारा डगमगाता है, हम टूट जाते हैं। इसीलिए अकेले रहना हमें डराने लगता है। लेकिन अगर थोड़ा रुकें और खुद से मिलने की हिम्मत करें, तो यही अकेलापन आत्म-समझ और मानसिक स्पष्टता का प्रवेशद्वार बन सकता है।

एकांत और अकेलेपन में बुनियादी फर्क है। अकेलापन वह स्थिति है, जब हम दूसरों की गैरमौजूदगी में अधूरा महसूस करते हैं। वहीं, एकांत वह अनुभव है, जब हम दूसरों के बिना भी खुद में संतुलन और पूर्णता महसूस करते हैं। एकांत में कोई कमी नहीं, बल्कि एक प्रकार की आत्म-पूर्ति होती है।

समस्या तब होती है, जब हम अपनी खुशी, शांति और प्रेम का स्रोत बाहर ढूंढ़ते हैं - किसी रिश्ते, किसी भूमिका, किसी उपलब्धि में। लेकिन बाहर की ये चीजें स्थायी नहीं। जब वे छिनती हैं, तो खालीपन भीतर पसरने लगता है। इस खालीपन से डरकर हम और जुड़ाव खोजने लगते हैं, फिर चाहे वह स्थायी हो और या अस्थायी।

हम यह भूल जाते हैं कि असली शक्ति तब आती है, जब हम अपने साथ सहज होते हैं, खुद को समझने लगते हैं। कुछ नहीं करते, बस होते हैं, उसी रूप में जैसे हैं। प्रकृति की ओर देखिए - एक वृक्ष अकेला खड़ा होता है, फिर भी अपनी गरिमा और जीवंतता नहीं छोड़ता। पहाड़ अकेले हैं, लेकिन अपने मौन में पूर्ण। हमें उनसे सीखना होगा कि पूर्णता भीतर से आती है, बाहर से नहीं। शायद यही वह मोड़ है, जहां अकेलापन बोझ नहीं, बल्कि अवसर बन सकता है - अपने भीतर उतरने का, खुद को स्वीकार करने का और एक नई दृष्टि से जीवन को समझने का। अकेलापन तब तक डरावना है, जब तक हम इससे बचते हैं। लेकिन जैसे ही हम इसे अपनाते हैं, यह एकांत में बदल जाता है। और, एकांत कोई अभिशाप नहीं, वरदान है!

देवेन्द्रराज सुथार

बड़े तालाब किनारे 13 हजार अवैध कब्जों के खिलाफ नगर निगम करेगा कार्रवाई

कैचमेंट ऐरिया में बन गए आलीशान भवन, चल रही व्यावसायिक गतिविधियां

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि । पिछले माह मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने राजधानी की विश्व प्रसिद्ध धरोहर बड़े तालाब को अतिक्रमण से बचाने के लिए व्यापक एक्शन उठाने की बात कही थी, जिसके बाद खबर है कि करिश्मा पार्क और छोटा तालाब में अवैध रूप से रेस्टोरेंट और मोटरबोट चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के बाद नगर निगम अब बड़े तालाब पर भी ऐसी ही कार्रवाई की तैयारी में है, इसके लिए सर्वे शुरू हो गया है। संभवतः बारिश के बाद कदम उठाया जाएगा। नगर निगम ने माना है कि बड़े तालाब में कैचमेंट में ही 13 हजार से ज्यादा कब्जे हैं। सर्वे में जिला प्रशासन की टीम भी शामिल है। कब्जों को चिन्हित करने के बाद बड़े स्तर पर एक्शन लिए जाने की बात नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कही है।

यहां व्यापक पैमाने पर अवैध कब्जे

अगर राजधानी की शान कही जाने वाले बड़े तालाब के संत हिरदाराम नगर स्थित पुराने सीहोर नाके से लेकर ग्राम फंदा तक नजर दौड़ाई जाए, तो पता चलता है कि लगभग 12 किलो मीटर क्षेत्र में जहां आज से 25 साल पूर्व पानी सड़क से टकराता हुआ नजर आता था, और तालाब लबालब होने पर पानी छलक कर सड़क पर आ जाता था, वहीं अब पानी दूर दूर तक नजर नहीं आता है। पुराने सीहोर नाके से लेकर चिरायु अस्पताल तक कैचमेंट ऐरिया में व्यापक पैमाने पर तालाब के पानी को किनारो से धकेलते हुए 1000 मीटर भीतर तक आलीशान भवनों का निर्माण कर लिया गया है। यहां कैचमेंट ऐरिया में एक दर्जन से अधिक मैरिज गार्डन, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे चल रहे हैं। इतना ही नहीं अनेक व्यवसायिक गतिविधियां भी यहां संचालित की जा रही हैं। पुराने सीहोर नाके से लेकर फंद्दा तक धार्मिक गतिविधियोंके नाम से इतना व्यापक पक्का निर्माण किया गया है, कि वहां बड़े बड़े नेताओं व अधिकारियों का आना जाना होने लगा है।

सड़क से 1000 मीटर दूर कैचमेंट एरिया में तालाब किनारे जा पहुंचे हैं अतिक्रमण कारी

केवल वनस्पति उद्यान की परमीशन

इस प्रतिनिधि ने पड़ताल करने पर पाया कि सीहोर रोड पर बाई तरफ केवल वनस्पति उद्यान की ही परमीशन है। किसान खेती कर सकते हैं, लेकिन वह भी डूब क्षेत्र के बाहर इसके अलावा किसी तरह की आवासीय एवं व्यवसायिक गतिविधि की कभी कोई परमीशन न तो टाउन एण्ड कंट्री प्लान, नगर निगम न ही जिला प्रशासन ने दी है, बावजूद इसके कैसे कैचमेंट ऐरिया में मैरिज गार्डन, होटल, रेस्टोरेंट सहित अन्य गतिविधियां संचालित हो रही हैं, यह समझ से बाहर है। अतिक्रमणकारियों ने सीहोर से आने वाली कोलास नदी के नालों को नहीं बक्शा वहां भी निर्माण कर लिया है, जिससे कोलार नदी का अस्तित्व समाप्ति पर है।

लगे हैं एफटीएल के पत्थर

झील संरक्षण विभाग ने पुराने सीहोर नाके से लेकर फंद्दा तक जगह जगह फुल टेंक लेवल (एफटीएल) अनेक जगह पत्थर लगाए हैं, जिन्हें सड़क से गुजरते वक्त आसानी से देखा जा सकता है, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने इसकी परवाह नहीं करते हुए उसके भीतर 1000 मीटर तक अवैध रूप से कब्जे कर वहां निर्माण कर लिया है। पिछले 25 साल में अतिक्रमणकारियों ने तालाब के पानी को न केवल किनारों से दूर धकेलने के लिए व्यापक स्तर पर अवैध निर्माण किया है बल्कि तालाब की सीमाओं को ही बदल कर रख दिया है। अब जबकि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने राजधानी की इस आलीशान धरोहर को बचाने की बात कही है जिसके बाद नगर निगम एवं जिला प्रशासन ने सर्वे का काम प्रारंभ किया है, तालाब के अस्तित्व की चिंता करने वालों में इस बात की उम्मीद बंधी है कि निश्चित रूप से 25 साल पूर्व सीहोर जाते वक्त संत हिरदाराम नगर के पुराने सीहोर नाके से लेकर फंद्दा तक सड़क किनारे तालाब का जो वैभव नजर आता था, वह लौटकर आएगा।

कैचमेंट ऐरिया में अतिक्रमण कर निर्माण करने वालों पर सख्त कार्रवाई होना चाहिए। कतिपय लोगों ने धार्मिक गतिविधियों की आड़ में कोलास नदी के नालों पर भी कब्जा कर लिया है, ऐसे में कोलास नदी का अस्तित्व खतरे में है।

● **प्रमोद राजपूत**, अध्यक्ष, जनपद पंचायत

फंदा एवं भाजपा मण्डल अध्यक्ष जब कैचमेंट ऐरिया में किसी भी तरह के निर्माण व रोक लगी है, तब फिर कब्जे करते हुए कैसे व्यवसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं, इसमें भू-माफियाओं एवं अधिकारियों की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता।

● **अशोक मारन**, कांग्रेसी पार्षद, निवासी ग्राम भौंरी

151 नवाँकूर सखियों ने निकाली हरियाली यात्राएं, भेंट किए 1100 नव अंकुरित पौधे

हरियाली यात्रा निकालकर किया पौधरोपण

जागरण मंडीदीप। औद्योगिक नगर में मप्पण जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार नगर विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा नवंकूर संस्था एवं नगर विकास प्रस्फुटन समितियों के सहयोग से नवअंकुर पौधों के बेग 151 नवंकूर सखियों को प्रदान किये गए। इस दौरान नगर पालिका सामुदायिक भवन से शिव मंदिर तक हरियाली यात्रा निकाली गई। सभी महिलाओं को पहचान पत्र के साथ 1100 पौधे भेंट किये गए। सभी को पौधरोपण का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान लूपिन पार्क में पौधरोपण भी किया गया। महिलाओं ने हरियाली उत्सव गीत .संगीत एवं नृत्य आदि के साथ मनाया इस दौरान नवांकुर सखीयो का सम्मान भी किया गया। ब्लाक समन्वयक निशा पटेल ने जानकारी देते हुए बताया मंगल बाजार स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवालए जिला उपाध्यक्ष जीवनसिंह पालए ए नपा सीएमओ प्रशांत जैनए जिला समन्यवयक कल्याण सिंह राजपूतए समाजसेवी विनोद जैन सहित जनप्रतिनिधि रहे ।ब्लाक समन्वयक निशा पटेल ने जानकारी देते हुए बताया मंगल बाजार स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवालए जिला उपाध्यक्ष जीवनसिंह पालए ए नपा सीएमओ प्रशांत जैनए जिला समन्यवयक कल्याण सिंह राजपूतए समाजसेवी विनोद जैन सहित जनप्रतिनिधि रहे। इस दौरान अतिथियो ने कहा कि लोगों को प्रकृति से जो?ने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनचेतना ब?ने का कार्य आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हरियाली यात्रा से घर के आंगनए अपने गांव से लेकर शहर तक नागरिकों को पर्यावरण की रक्षा की प्रेरणा मिलेगी। अतिथियो ने आगे कहा कि नवाचारी कार्यक्रम नवांकुर सखी.हरियाली यात्रा को सराहनीय बताते हुए कहा कि इस प्रदेशव्यापी अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों को जो?ा जाए। नवांकुर सखियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सतत और सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की। अभियान का प्रमुख उद्देश्य नारी शक्ति के माध्यम से स्वैच्छिकता के आधार पर पर्यावरण संरक्षण करना है।

राजा भोज विमानतल भोपाल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

अपोलो अस्पताल के सहयोग से ब्लड प्रेशर, शुगर आदि की जांच की गई

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। यात्रियों और स्टाफ के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अपोलो सेज हॉस्पिटल, भोपाल के सहयोग से राजा भोज विमल, भोपाल के सिक्योरिटी होल्ड एरिया में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रक्तचाप, शुगर स्तर एवं बॉडी मास इंडेक्स जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानकों की निःशुल्क जांच की गई। साथ ही, यात्रियों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आहार एवं जीवनशैली से संबंधित आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया, जिससे यह शिविर एक समग्र स्वास्थ्य सेवा अनुभव बन गया। यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए भारतीय विमान प्राधिकरण भोपाल के इस प्रयास को यात्रियों की सुविधा

एवं कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। राजा भोज विमानतल, भोपाल यात्रियों को न केवल सुविधा संपन्न, बल्कि स्वास्थ्य-संवेदनशील वातावरण उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी एवं पीआरओ सिद्धार्थ यादव ने अपोलो अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ओवरब्रिज पर मवेशियों का डेरा दुर्घटनाओं का बना रहता है अंदेशा

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। नगर के सीताराम चौराहे पर बने ओवरब्रिज पर आवारा मवेशियों का बढ़ता जमावड़ा वाहन चालकों के लिए लगातार खतरा बना हुआ है। इन मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैंए जिससे यात्रियों की जान को जोखिम बना हुआ है। रात के समय स्थिति और भी विकट हो जाती हैए जब कम दृश्यता के कारण वाहन चालक इन मवेशियों को देख नहीं पाते और टक्कर का शिकार हो जाते हैं। स्थानीय निवासियों और यात्रियों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देने और ओवरब्रिज से मवेशियों को हटाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की है।

वर्षावास की प्रथम अमावस्या के अवसर पर भन्ते प्रज्ञारत्न ने उपासकों को दिया अष्टशील

भोपाल। करुणा बुध्द विहार, तुलसी नगर, भोपाल में आज वर्षावास की प्रथम अमावस्या के अवसर पर पूज्य भन्ते प्रज्ञारत्न थेरो जी ने बुद्ध वंदना लेकर उपासकों को अष्टशील दिया तथा अष्टशील पर धम्म देशना देते हुए कहा कि जिन जिन उपासको व्दारा आज अष्टशील ग्रहण किया गया हैए उन्हें अष्टशील का पूर्ण रुप से पालन सूनिश्चित करना है, तभी आपके जीवन में खुशियां आ सकती है। वरना अष्टशील ग्रहण कर उसका पालन नही किया जाता हैए तो उससे हानि भी हो सकती है। अष्टशील का पालन करना अर्थात झूठ नहीं बोलना, चोरी नहीं करना, व्यभिचार नहीं करना, अपनी वाणी

से किसी की बुराई कर उसे दुःख नहीं पहूंचाना, उच्च शयन का उपयोग नहीं करना, विकाल भोजन ग्रहण नहीं करना, जीव हत्या नहीं करना, सज-धजकर सुगंधित लेप का उपयोग नहीं करना आदि। अष्टशील का पालन करने वाले व्यक्ति का जीवन कभी भी असफ्ल हो नहीं सकते वह सदैव सफ्लता को ही प्राप्त करता है तथा हमेशा निरोगी व स्वस्थ जीवन व्यतीत करता है।

नाम संशोधन सूचना

मैं, अनिल कुमार सिंह राघव आत्मज स्व. श्री रमेश चन्द्र राघव आयु-वयस्क स्थाई पता ग्राम-लोहगढ़, पोस्ट-लोहगढ़, तहसील अतरौली जिला-अलीगढ़ (उ.प्र.) पिन- 202281 वर्तमान पता-Sub Anil Kumar Singh Raghav, Education Branch HQ 21 Corps PIN- 908521 C/o 56 APO. मैं आर्मी में सूबेदार के पद पर भोपाल में पदस्थ हूँ। आर्मी के रिकार्ड में मेरी पत्नी का नाम संजू है जो कि त्रुटिवश गलत दर्ज हो गया है। मेरी पत्नी का सही नाम संजू राघव है जो कि मेरी पत्नी के आधार कार्ड में अंकित है। आर्मी के रिकार्ड में दर्ज मेरी पत्नी का गलत नाम संजू के स्थान पर मेरी पत्नी का सही नाम संजू राघव दर्ज करवाना चाहता हूँ।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं मोहम्मद कदीर खान (MOHD QADIR KHAN) पुत्र श्री मोहम्मद इकबाल खान, आयु-वयस्क निवासी मकान नं. बी-237, गली नं. 06, बाग उमराव दुल्हा, भोपाल म.प्र.। मेरा आधार कार्ड नंबर 5496 7809 5726 है जिसमें मेरा नाम मोहम्मद कदीर खान (MOHD QADIR KHAN) पुत्र श्री मोहम्मद इकबाल खान, अंकित है। मेरा पासपोर्ट नंबर M6857087 है जिसमें मेरा नाम MOHAMMED QADEER KHAN अंकित है जिसकी वैधता दिनांक 19/02/2025 तक थी। यह कि MOHD QADIR KHAN एवं MOHAMMED QADEER KHAN दोनों नाम मेरे ही अर्थात एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मोहम्मद कदीर खान (MOHD QADIR KHAN) पुत्र श्री मोहम्मद इकबाल खान (MOHAMMAD IQBAL KHAN) के नाम से ही जाना व पहचाना जाउंगा।

समुद्र मंथन से हुई हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह की शुरुआत

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग एवं मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के समन्वय से आयोजित हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह का शुभारंभ रवीन्द्र भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मंत्री कृष्णा गौर, एनएसडी निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी, सेंसर बोर्ड सदस्य वाणी त्रिपाठी, पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा, प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला सहित अनेक अतिथि मंचासीन रहे। समारोह की शुरुआत नाटक समुद्र मंथन से हुई, जिसका निर्देशन त्रिपाठी ने किया। नाटक में लगभग सौ कलाकारों ने भागीदारी की है।

नाटक की कहानी: विष्णु पुराण पर आधारित यह नाटक महर्षि दुर्वासा के श्राप से देवताओं की शक्ति क्षीण होने और असुरों द्वारा स्वर्ग पर अधिकार कर

लेने की कथा है। देवता विष्णु की शरण लेते हैं और क्षीरसागर मंथन का निर्णय होता है। देव-दानव मिलकर मंथन करते हैं जिससे विष, लक्ष्मी, चंद्रमा, धन्वंतरि, और अंततः अमृत प्राप्त होता है। भगवान विष्णु मोहिनी रूप में अमृत देवताओं को देते हैं। नाटक में देव-असुर संघर्ष को मानव के भीतर की प्रवृत्तियों से जोड़ा गया है और पर्यावरण व मूल्यों की वर्तमान प्रासंगिकता को रेखांकित किया गया है।

रंगमंच जीवन का आत्ममंथन है: चितरंजन त्रिपाठी

हरिहर नाट्य समारोह के अवसर पर भोपाल पहुंचे एनएसडी निदेशक चितरंजन त्रिपाठी ने अपने जीवन और रंगमंच से जुड़े अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, मेरा बचपन कला-संस्कृति से भरा रहा। मेरे दादा-पिता पाला गायक थे, जिससे गायन, संगीत और अभिनय से जुड़ाव हुआ। संगीत की शुरुआती शिक्षा के बाद उन्होंने एनएसडी से प्रशिक्षण लिया। समाजशास्त्र के विद्यार्थी रहे त्रिपाठी का मानना है कि समाजशास्त्र और नाट्यशास्त्र का गहरा संबंध है। थिएटर को लेकर वे कहते हैं, यह सिर्फ अभिनय नहीं, सोचने की प्रक्रिया है। साथ ही ओटीटी को उन्होंने कलाकारों के लिए नया मंच बताया। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यहां की लोक परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। भारत भवन की नाट्य परंपरा आज एनएसडी रंगमंच में जीवित है। त्रिपाठी का संदेश है, नाटक टिकट लेकर देखें, इससे थिएटर को सम्मान और कलाकारों को रोजगार मिलेगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स
जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
क्रमांक 3609/राजस्व/भोविप्रा/25
भोपाल, दिनांक 21/07/2025

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की रत्नागिरी योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 162 वर्तमान में श्री मदन राठौर आ. श्री नाथूराम राठौर एवं श्रीमती ममता राठौर पत्नी श्री मदन राठौर के नाम पर अंकित है। श्री मदन राठौर का स्वर्गवास दिनांक 17/08/2024 को हो जाने के कारण उक्त आवंटी के वारीस श्रीमती ममता राठौर पत्नी स्व. श्री मदन राठौर एवं पुत्री कुमारी रिया राठौर आ. स्व. श्री मदन राठौर ने आवेदन पत्र वांछित अभिलेख संलग्न कर प्रकोष्ठ का नामांतरण अपने नाम पर किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / बैंक संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी,
भोपाल विकास प्राधिकरण
भोपाल

भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

क्रमांक 3683/राजस्व/भोविप्रा/2025 भोपाल, दिनांक 24/7/2025

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की इन्द्रपुरी योजना स्थित एल.आई.जी. प्रकोष्ठ क्रं. 21 आवंटी श्री बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता आत्मज श्री आर. पी. गुप्ता के नाम पर अंकित है। आवंटी श्री बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता का स्वर्गवास दिनांक 07.06.2022 को हो जाने के कारण उनके वारिसों में उनकी पत्नी श्रीमती प्रभा गुप्ता, श्रीमती योगिता गुप्ता एवं श्री योगेश गुप्ता पुत्री/पुत्र स्व. श्री बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता द्वारा आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर प्रकोष्ठ का नामान्तरण सभी वारिसों के नाम पर करने का निवेदन किया है।

यदि उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्री दीपसिंह गनावा आत्मज श्री मानसिंह गनावा के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक आवासीय मकान जो कि प्लॉट नं. सी-25, क्षेत्रफल 167.28 वर्ग मीटर (1800 वर्ग फीट) स्थित पटेल नगर कॉलोनी में निर्मित हैं, जो कि खसरा न. 141 का अंशभाग होकर , ग्राम हताईखेड़ा, वार्ड नं. 62, तहसील हुजुर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्नानुसार है :- पूर्व में -प्लॉट क्र. 26, पश्चिम में -प्लॉट क्र. 24, उत्तर में -सर्विस लेन, दक्षिण में - रोड, उक्त संपत्ति से संबंधित एक मूल दस्तावेज विक्रय पत्र दिनांक 07.11.1990, पंजीयन क्रमांक अ-1, ग्रन्थ क्रमांक 7034, दस्तावेज क्रमांक 3451 जिसका सम्पूर्ण विवरण सब रजिस्ट्रार ऑफिस भोपाल में अंकित एवं दर्ज है की मूल प्रति कही गुम/खो गई है। जिसकी विधिवत सूचना संबंधित थाने में प्रेषित कर दी गई है। उक्त संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखने हेतु प्रस्तावित है। उक्त गुमे हुए दस्तावेज की मूल प्रति जिस किसी को भी मिले कृपया निम्न वर्णित पते पर प्रदान करने का कष्ट करें। यदि उक्त वर्णित संपत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक, मुख्तार या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा इस अंतरण से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

Ramesh Suryavanshi
Lokesh Suryavanshi
Advocate
Add.: F-10, Sanchi Complex, Opposite of Board office, Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)
Mob.: 9425118602, 7748818602

In The Court Of XX Civil Judge Class-I, District Court, Bhopal

Presiding Officer : कृष्णकांत बागरे

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MIC SUC/0000063/2025))
चित्रांश वानखेडे .. ..आवेदक
V/s
विजय वानखेडे ....अनावेदक
Process Id-/2025
पेशी दिनांक:- 25/08/2025

प्रेषिती -
(1) सर्वसाधारण पता- सर्वसाधारण
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चित्रांश वानखेडे मृतक ज्योत्सना वानखेड़े निवासी 1/1 एमएलए रेस्ट हाउस मालवीय नगर वी.टी.सी. भोपाल की मय ब्याज राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया जिसकी सुनवाई दिनांक 25 August 2025 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 25 August 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 10 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
कृपया ध्यान दें:-. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायालय की पदमुद्रा
(कृष्णकांत बागरे)
बीसवें व्यवहार न्यायाधीश
भोपाल (म.प्र.)

SUDOKU 02

8	1				3			4
			9				7	
					6			
3		1			7		5	9
	6			5				2
			4		2			
2				1		5		7
	4	6			9	1	3	
	8							

SOLUTIONS 01

3	2	7	9	4	1	8	5	6
4	6	5	8	7	2	3	1	9
9	1	8	5	3	6	2	4	7
8	7	9	3	2	5	1	6	4
5	3	6	1	9	4	7	8	2
1	4	2	7	6	8	5	9	3
2	5	4	6	1	7	9	3	8
6	9	1	2	8	3	4	7	5
7	8	3	4	5	9	6	2	1

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : सामान्य दिन रहेगा। नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन हर एक कठिनाई से आप लाइफ में कुछ नया सीखेंगे। अपने काबिलियत पर भरोसा रखें।

वृषभ : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। सफलता की सीढ़ियां चढ़ेंगे।

मिथुन : जीवन के सभी पहलुओं पर थोड़ा ध्यान देना होगा। वाद-विवाद से रिश्तों में गलतफहमी बढ़ सकती है। भावुक होकर कोई फैसला न लें।

कर्क : शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी-कारोबार में वातावरण अनुकूल रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सपोर्ट मिलेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा।

सिंह : धैर्य बनाए रखने की कोशिश करें। आज आपको जॉब इंटरव्यू में सफलता मिलेगी, लेकिन असफलताओं से न घबराएं और कामयाबी पाने के लिए खूब मेहनत करें।

कन्या : रिश्तों में प्यार और रोमांस की कमी महसूस हो सकती है। अगर आप सिंगल हैं, तो यह नई शुरुआत के लिए अच्छा समय है।

तुला : प्रोफेशनल लाइफ में प्रतिस्पर्धा का माहौल रहेगा। विरोधी के किसी एक्शन से करियर में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा।

वृश्चिक : सपने साकार होंगे। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। मन प्रसन्न रहेगा। जीवन में कई सकारात्मक बदलाव होंगे। नए परिवर्तनों को स्वीकार करने के लिए तैयार रहें।

धनु : आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। सोच-समझकर किए गए निवेश भविष्य में अच्छा रिटर्न देंगे। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

मकर : वाद-विवाद से बचें। इससे तनाव हो सकता है। अपने भावनाओं को समझें, लेकिन बहुत भावुक होकर कोई फैसला न लें।

कुंभ : लाइफ में पॉजिटिविटी भरपूर रहेगी। करियर में सफलता मिलने की संभावनाएं कहीं ज्यादा है। खुद पर भरोसा रखें।

मीन : स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। करियर में तरक्की के नए मौके मिलेंगे, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों का खास ख्याल रखें।

आज का पंचांग: 25 जुलाई शुक्रवार 2025। **दिशाशूल :** पश्चिम दिशा में रहेगा। **विशेष :** श्रावणमास शुक्ल पक्ष प्रारंभ। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 23 घंटे 24 मिनट तक, तत्पश्चात द्वितीया पुष्य नक्षत्र 16 घंटे 01 मिनट तक, तत्पश्चात अश्लेषा नक्षत्र वज्र योग 07 घंटे 28 मिनट तक, तत्पश्चात सिद्धि योग कर्क में चंद्रमा। **राहुकाल :** सुबह 10.30 से 12.00 बजे तक रहेगा।

आम-सूचना

मैं अपने पक्षकार श्रीमति अपूर्वा पाण्डेय पत्नी श्री यशवंत मिश्रा के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक आवासीय प्लॉट नं. 71, क्षेत्रफल 451.48 वर्ग मीटर (4858 वर्ग फीट), जो कि खसरा न. 8/2 का अंशभाग होकर स्थित दानिश हिल्स व्यू कॉलोनी, ग्राम दामखेड़ा, वार्ड नं. 80, तहसील हुजुर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्नानुसार है:-पूर्व मे-प्लॉट क्र. 70, पश्चिम में-अन्य भूमि, उत्तर में-प्लॉट क्र. 72, दक्षिण में-25 फीट चौड़ा रोड उक्त संपत्ति से संबंधित एक मूल दस्तावेज विक्रय पत्र दिनांक 14.03.1994, पंजीयन क्रमांक अ-1, ग्रन्थ क्रमांक 9720, दस्तावेज क्रमांक 1236(ख) जिसका सम्पूर्ण विवरण सब रजिस्ट्रार ऑफिस भोपाल में अंकित एवं दर्ज है की मूल प्रति कही गुमध्खो गई है। जिसकी विधिवत सूचना संबंधित थाने में प्रेषित कर दी गई है। उक्त संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखने हेतु प्रस्तावित है। उक्त गुमे हुए दस्तावेज की मूल प्रति जिस किसी को भी मिले कृपया निम्न वर्णित पते पर प्रदान करने का कष्ट करें। यदि उक्त वर्णित संपत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक, मुख्तार या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा इस अंतरण से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

Advocate Ramesh Suryavanshi
Advocate Lokesh Suryavanshi
Add.: F-10, Sanchi Complex, Opposite Board office, Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)
Mob.: 9425118602, 7000382908

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्री संदीप त्रिपाठी आ. स्व. श्री कृष्णदत्त त्रिपाठी,आयु वयस्क, निवासी-लोचन नगर एस.एल.पी. कॉलेज के पीछे जिला ग्वालियर (म.प्र.) से उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्ड जो कि खसरा नं-55/2/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1/1 जिसका कुल क्षे. -2200 वर्ग फिट भूमि जो ग्राम-गोरा गाँव तहसील हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.) में स्थित हैं। को क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने विक्रेता को टोकन/बयाना राशि अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य दान, हिबा, हस्तांतरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेता को अदा कर विक्रय पंजीयन-पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन-कारी नहीं होगी।

भवदीय रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

-: आम सूचना :-

मै अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने श्री नीरज पचौरी आत्मज श्री बृजमोहन पचौरी निवासी-पचौरी कॉम्पलेक्स, पीपल चौराहा, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. के स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य का अनुबंधित भूखंड क्रमांक सी-04(कार्नर) जो खसरा क्रमांक 35/1/2/2(S),36, 35/2/1/2(S), 36, 37/1/1/(S), 49, 37/1/2(S), 49, 41/1(S), का अंश भाग होकर, महाशक्ती नगर (MAHASHAKTI NAGAR) ग्राम नबीवाग सडक पर, तहसील हुजूर जिला भोपाल मं.प्र. नगर निगम वार्ड कमांक 79 में है, जिसकी चतुर्थ सीमएं इस प्रकार है, दिशा पूर्व में:-कालोनी रोड, दिशा पश्चिम में:-रोड, दिशा उत्तर में प्लाट क्रमांक सी-15, दिशा दक्षिण में कॉलोनी का रोड। जिसे क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने टोकन राशि अदा कर दी है यदि उपरोक्त क्रय किये जाने वाले भूखंड पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्था, शासकीय व गैर शासकीय, हॉउसिंग बोर्ड कार्यालयों का किसी भी प्रकार का कोई लेन देन हो अथवा उक्त सम्पत्ति कही विक्रय, दान, बन्धक, गिरवी, वसीयत, हस्तांतरण इत्यादि हो तो वह इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि में प्रमाण सहित मेरे पास में आपत्ति प्रस्तुत करें, समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार का दावा दखल या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त भूखंड का भुगतान कर अनुबंध तथा विक्रय पत्र का निष्पादन करवाने के लिये स्वतंत्र होगें।

विजय कुमार शर्मा एडवोकेट
पता :- श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर करोंद चौराहा भोपाल म.प्र.
मो.7509057750

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

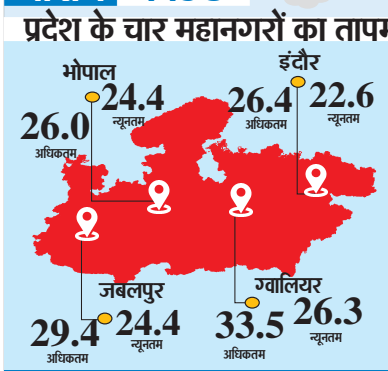

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
35.9 अधिकतम	25.0 न्यूनतम	30.6 अधिकतम	25.3 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
37.9 अधिकतम	20.5 न्यूनतम	33.3 अधिकतम	28.3 न्यूनतम

सूर्यास्त 7:07 PM
सूर्योदय 5:47 AM
चन्द्रोदय 4:57 AM
चन्द्रास्त 7:01 PM

धर्मांतरण के आरोप को लेकर 'हाउल ग्रुप' के सदस्यों से इंदौर में मारपीट

जागरण, देवास। जिले के बरोठा थानांतर्गत ग्राम शुक्रवासा के जंगल में पकड़े गए संदिग्ध युवक-युवतियों के मामले में गुरुवार को नया मोड़ आ गया। इस प्रकरण को लेकर इंदौर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर रहे सौरभ बेनर्जी व उनके साथियों पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए पिटाई कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सौरभ जब मीडिया के समक्ष बात रख रहे थे, तभी अचानक कुछ युवक नारेबाजी करते हुए अंदर आए और मंच पर चढ़ गए। इसके बाद कांफ्रेंस स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सौरभ बेनर्जी व उसके कुछ अन्य साथियों के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने जमकर मारपीट की। इसके बाद पुलिस ने मौके पर स्थिति संभाली। इस मामले में हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सौरभ बेनर्जी आदिवासी क्षेत्र में गुपचुप तरीके से धर्मांतरण की गतिविधियों में लिप्त है और देवास के जंगल में पकड़े गए युवक-युवतियों का संबंध भी इसी नेटवर्क से है, जबकि सौरभ बेनर्जी ने अपने पर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है, उसका कहना है कि वह खुद इस मामले में पीड़ित है।

पुलिस ने मारा था जंगल में छापा

उल्लेखनीय है कि बरोठा थाना पुलिस ने मंगलवार को शुक्रवासा के जंगल में बने एक ट्री हाउस पर छापा मारकर कुछ युवक-युवतियों को हिरासत में लिया था। प्रारंभिक पूछताछ में प्रतीत हुआ था कि ये लोग धर्मांतरण को लेकर अभियान चला रहे है। वहीं नक्सली गतिविधि भी संचालित कर रहे है। पुलिस ने लंबी पूछताछ के बाद शाम को इन लोगों को शर्त पर वापस छोड़ा था कि जब भी उन्हें बुलाया जाएगा, उन्हें पूछताछ के लिए आना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि ये लोग हाउल ग्रुप द्वारा एक संस्था का संचालन कर रहे थे। इन लोगों को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुधवार को बुलाया था, किंतु सौरभ बेनर्जी ने अपनी मां के ऑपरेशन का बहाना बनाकर कहा था कि गुरुवार को आएगा, किंतु गुरुवार को देवास पुलिस के पास आने के बजाय बेनर्जी व उसके साथियों ने इंदौर में प्रेस वार्ता की योजना बनाई, जिसकी जानकारी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को लगी तो उन्होंने इंदौर प्रेस क्लब में बेनर्जी व साथियों की पिटाई कर दी गई।

शुक्रवासा के जंगल में पिछले 4-5 साल से ये लोग एक कुटिया बनाकर कार्य कर रहे थे। जिसमें इंदौर के अच्छे परिवारों के पढ़े-लिखे बच्चे भी शामिल हैं। हमें हाल ही में एक शिकायत मिली थी कि इस आधार पर राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्यवाही की थी, जहां पर 4 युवक-युवती मिले थे, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की है। मौके से कुछ इलेक्ट्रिक डिवाइड, आपत्तिजनक साहित्य, पाकिस्तानी के पूर्व पीएम इमरान खान से जुड़ी किताब मिली है। फिलहाल जांच चल रही है और अभी इन लोगों से पूछताछ की जाएगी।

पुनीत गेहलोद, एसपी, देवास

इंदौर में पिटाई के बाद देवास पुलिस ने की पूछताछ

इंदौर में हुई पिटाई के बाद सौरभ बेनर्जी और उसके साथी बरोठा पुलिस के समक्ष तलब हुए। उन्हें पुलिस ने नोटिस जारी किया था, किंतु वे दो दिन से नहीं आ रहे थे। गुरुवार की शाम को वे देवास पहुंचे और यहां से बरोठा पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। जहां पर विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ की गई। खास तौर पर पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि आखिर इनके ग्रुप को फंडिंग कहां से हो रही थी और उसका उपयोग क्या किया जा रहा था। इसके अलावा धर्मांतरण मामले में भी गंभीरता से जांच की जा रही है।

ट्रेन में चढ़ रही महिला फंसी, काटा प्लेटफॉर्म

जागरण अशोकनगर। गुरुवार को अशोकनगर रेलवे स्टेशन पर एक महिला प्लेटफार्म पर पानी पीकर वापस चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रही थी। महिला का पैर फिसला और प्लेटफार्म और बोगी के बीच में फंस गई बाद में करीब बीस मिनिट के प्रयास के बाद महिला को प्लेटफार्म काटकर बाहर निकाला गया। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। सवाई माधोपुर के टौंक के पास अलीगढ़ रामपुरा की रहने वाली मधु लक्षकार अपने पति कन्हैया लक्षकार के साथ उड़ीसा के पुरी गए थे। भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर वह पुरी एक्सप्रेस से वापस घर लौट रहे थे। सुबह ट्रेन अशोकनगर स्टेशन पहुंची तो कन्हैया और उनकी पत्नी मधु पानी पीने प्लेटफार्म पर उतरे तभी ट्रेन चल पड़ी। दंपत्ति ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की। मधु का पैर फिसल गया और वह प्लेटफार्म से नीचे गिर गईं। घटना को देख चैन पुलिंग कर दी। जीआरपी के जवान अभिषेक चौहान और थाना प्रभारी लखन सिंह सहित अन्य लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए और महिला को निकालने का प्रयास किया लेकिन महिला प्लेटफार्म और बोगी के बीच में इस तरह फंसी थी कि उसे निकालना मुश्किल हो रहा था इसके बाद ड्रिल मशीन प्लेटफार्म काटकर बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले गए।

पुल का ढांचा गिरने से चार मजदूर दबे, एक गंभीर

जागरण, छतरपुर। खजुराहो-ललितपुर रेलवे लाइन पर गुरुवार दोपहर एक निर्माणाधीन पुल का ढांचा गिर गया। हादसे में चार मजदूर मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां एक श्रमिक अशोक कुशवाहा की हालत गंभीर बताई जा रही है। निर्माण कार्य में लापरवाही की शिकायतें पहले भी की गई थीं, लेकिन राजनगर के अफसरों ने ध्यान नहीं दिया। हादसा दोपहर करीब 12.30 बजे खजुराहो-ललितपुर रेलवे लाइन पर केन नदी के पास पहाड़ी बाबन के आगे एक पुल के निर्माण कार्य के दौरान हुआ। अचानक पुल का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया और वहां काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। मलबे में दबकर अरविंद प्रजापति, पांडव, सानुज कुमार, अशोक कुशवाहा घायल हुए हैं। श्रमिकों के मुताबिक ये लोग केन नदी के पास पुलिया पर नीचे फ्लोर में काम कर रहे थे। अचानक ऊपर से जाल गिर गया और चारों दब गए। घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों और मजदूर संगठनों ने इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

फर्जी कस्टमर केयर नंबर से छात्र के खाते से उड़ाए 1.41 लाख

जागरण, जबलपुर। ई-वॉलेट से रसीद प्राप्त करने के चक्कर में एक छात्र साइबर अपराधियों के जाल में फंस गया और उसके बैंक खाते से 1 लाख 41 हजार रुपए साफ हो गए। ढीमरखेड़ा के ग्राम मेर का शैतान सिंह रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के देवेंद्र हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है, उसने कुछ समय पूर्व अपने मोबाइल फोन से एक ई-वॉलेट ऐप के माध्यम से 20 हजार का मूल्य का डिजिटल सोना खरीदा था लेकिन इस निवेश की रसीद गुम हो गई। रसीद के बिना वह रिफंड या निवेश की पुष्टि नहीं कर पा रहा था। रसीद दोबारा लेने के लिए उसने गूगल पर संबंधित ई-वॉलेट का कस्टमर केयर नंबर सर्च किया। लेकिन जो नंबर उसे मिला वह असली नहीं, बल्कि एक ठग का था, उस नंबर पर कॉल करने के बाद उसे तीन मोबाइल नंबर और दिए गए और बताया गया कि इन्हीं से सहायता मिलेगी। छात्र ने दिए गए नंबरों में से एक पर कॉल किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया और कहा कि वह जैसा बताए, वैसा मोबाइल पर करता जाए।

महिला के घर से पकड़ाए एसआई को खंभे से बांधकर पीटा, किया सस्पेंड

जागरण, इंदौर। शहर के खजराना इलाके में गुरुवार सुबह करीब छह बजे हाई-वॉल्टेज ड्रामा हुआ। दरअसल महिलाओं ने एक एसआई को खंभे से बांधकर उसकी डंडों से जमकर पिटाई लगा दी। इस दौरान एसआई के कपड़े उतारने की भी कोशिश की। जानकारी अनुसार, एसआई सुरेश बुनकर खेड़ी इलाके में एक महिला के घर में था। महिला का अपने पति से विवाद चल रहा है। इस दौरान सुरेश उसके संपर्क में आया और पिछले दो माह से वह महिला के घर आना-जाना कर रहा था। गुरुवार को महिला के परिजन और पड़ोसियों ने उसे घर से ही पकड़ लिया। लोगों ने आरोप है कि सुरेश नशे में गालियां दे रहा था, उसकी आपत्तिजनक हालत देखकर लोगों का आक्रेश फूट पड़ा और पिटाई कर दी। पुलिस ने फोर्स बुलाकर एसआई सुरेश को भीड़ से निकाला। खजराना टीआई मनोज सेंधव ने बताया की मामले में 4 नामजद समेत अन्य पर हत्या के प्रयास के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करेंगे। कुछ महिलाओं को हिरासत में लिया है। वहीं, एसआई बुनकर को सस्पेंड कर दिया है।

पहले पुलिस बल को हटना पड़ा पीछे : सूचना पर खजराना थाने से कुछ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन भीड़ के विरोध के कारण वे एसआई को छुड़ाने आगे नहीं जा सके। पलासिया कंट्रोल रूम से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। इसके बाद जैसे-तैसे एसआई को भीड़ से छुड़ाया और थाने ले गए। एसआई सुरेश बुनकर पहले भी विवादों में रहा है। दो साल पहले लसूड़िया इलाके में सिंगापुर टाउन के पास नशे की हालत में ड्यूटी के दौरान उसका कुछ युवाओं से विवाद हो गया था। युवाओं ने उसकी जमकर पिटाई कर दी थी। इस दौरान बुनकर को काफी चोटें आई थीं। एसआई युवाओं को धमका रहा था, जिस पर विवाद हुआ था।

देवर ने पहले भरी भाभी की मांग फिर परिजनों के सामने वाटरफॉल में कूदे

प्रदेश के सबसे बड़े मऊगंज के बहुती जलप्रपात का मामला

जागरण, मऊगंज। प्रदेश के सबसे बड़े बहुती वॉटरफाल में देवर-भाभी ने परिवार के सामने ही छलांग लगा दी। इससे पहले देवर ने भाभी की मांग भरी और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट भी किया। एसडीईआरएफ की टीम दोनों की तलाश कर रही है। मालूम हो कि देवरा खटखरी के ग्राम तेलिया बूढ़ के रहने वाले दिनेश साहू और उसकी रिश्ते की भाभी शकुंतला साहू चार दिन से लापता थे। बुधवार शाम दोनों बहुती वाटरफॉल पर पहुंचे। परिजन भी उन्हें समझाने आए, लेकिन इससे पहले ही दोनों ने पानी में छलांग लगा दी। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। नईगढ़ी और शाहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रात होने से सर्च ऑपरेशन नहीं चला। गुरुवार सुबह दोनों की तलाश शुरू की गई।

चार दिन से लापता थे दोनों : दिनेश के परिजन ने बताया कि 19 जुलाई को शकुंतला और दिनेश घर से चले गए थे। इस बीच पता चला कि दोनों छत्तीसगढ़ में हैं। बुधवार को दिनेश ने मोबाइल पर दोनों का फोटो लगाया, जिसमें वो शकुंतला की मांग में सिंदूर डाल रहा था। दोनों के बहुती वाटरफॉल पर होने की सूचना मिली। शकुंतला की मां और अन्य परिजन वाटरफॉल पर पहुंचे और उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने छलांग लगा दी। शाहपुर के ग्राम गौरी के रहने वाले शकुंतला के पिता चंद्रशेखर साहू ने बताया, करीब 15 साल पहले बेटी का विवाह हीरालाल साहू से किया था। विवाह के बाद से सब कुछ सामान्य चल रहा था। उनकी तीन बच्चियां भी हैं। बेटी ने कभी कोई शिकायत नहीं की। पता नहीं उसने अचानक ऐसा कदम क्यों उठाया।

एचसी ने चालक को पीटा, विधायक बोले सड़क पर उतरेगा कुशवाह समाज

जागरण, शिवपुरी। जिले के नरवर में प्रधान आरक्षक और वाहन चालक के बीच हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया है। पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह ने मारपीट करने वाले प्रधान आरक्षक को निलंबित करने की मांग की है। विधायक ने चेतावनी दी कि प्रधान आरक्षक को निलंबित नहीं किया तो कुशवाह समाज सड़क पर उतर जाएगा। आम लोगों के साथ ऐसे बर्ताव पर समाज चुप नहीं बैठेगा। क्षेत्र के धुवाई दरवाजा क्षेत्र में एक दिन पहले प्रधान आरक्षक सोनू यादव ने एक लोडिंग वाहन चालक के साथ मारपीट की थी। मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में यह मारपीट कैद हो गई और शाम तक इसका वीडियो भी वायरल हो गया। विधायक कुशवाह ने मामले में नाराजगी जताई। विधायक ने अपने वॉट्सएप ग्रुप पर बताया कि अमरपुर वार्ड क्रमांक 9 के निवासी शिव सिंह कुशवाह अपने महिंद्रा पिकअप से सामान उतार रहे थे तभी पुलिसकर्मी ने मारपीट की।

450 ग्राम एमडी के साथ पकड़ाए आरोपी की हिरासत में मौत

परिजनों ने नारकोटिक्स विंग पर लगाया मारपीट का आरोप

जागरण, मंदसौर। प्रदेश के मंदसौर नारकोटिक्स विंग की हिरासत में एक आरोपी की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। आरोपी महिपाल को 450 ग्राम मादक पदार्थ एमडी के साथ बुधवार रात उज्जैन जिले के उन्हेल से पकड़ा था। इसके बाद नारकोटिक्स विंग उसे हिरासत में मंदसौर लाई। यहां तबीयत अचानक खराब होने पर उसे उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई। परिजनों ने हिरासत में मारपीट करने के आरोप लगाया। चाचा जुझार सिंह ने बताया कि भतीजा महिपाल बुधवार शाम 5 बजे खेत जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन गुरुवार सुबह छह बजे टीआई राकेश चौधरी ने फोन पर कहा कि मि आया कि वह हिरासत में है। हम तुरंत मंदसौर पहुंचे। यहां हमें महिपाल की मौत की जानकारी दी गई। नारकोटिक्स अधिकारियों के अनुसार, महिपाल के पास से 450 ग्राम एमडी जब्त कीथी। गिरफ्तारी की कार्रवाई नारकोटिक्स टीआई राकेश चौधरी और उनकी टीम ने की थी। हालांकि, पूरे मामले पर अब तक कोई भी अधिकारी सार्वजनिक रूप से बयान नहीं दे रहा है। नारकोटिक्स विंग डीएसपी आरके चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी को नारकोटिक्स प्रकोष्ठ लेकर आए, तभी उसे उल्टी हुई और तबीयत बिगड़ गई। आरोपी को हॉस्पिटल में भर्ती कराया तो यहां रूटीन जांच में पता चला कि आरोपी को लंग्स और पेट में इन्फेक्शन है। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी महिपाल पूर्व में भी 300 ग्राम ड्रग्स स्मैक के साथ गिरफ्तार हो चुका है, जिसमें उसे 12 साल की सजा हुई थी।

पीएम रिपार्ट से होगा कारणों का खुलासा : परिजनों द्वारा मारपीट के आरोप लगाने को लेकर डीएसपी ने कहा कि पुलिस कस्टडी में उसकी मौत हुई है तो आरोप लगाए जा रहे हैं। पीएम रिपोर्ट में सब क्लियर हो जाएगा त्र आरोपी के साथ किसी प्रकार की कोई मारपीट नहीं की गई है। परिजन पोस्टमॉर्टम रतलाम जिले में करवाने की मांग पर अड़े हैं, यह कोर्ट का विषय है। न्यायपालिका तय करेगी कि पोस्टमॉर्टम कहां होगा।

बिजनेस प्लस

एथर एनर्जी के पास महाराष्ट्र में 400 से अधिक फास्ट चार्जिंग पॉइंट

मुंबई। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में 400 से अधिक एथर ग्रिड फास्ट चार्जिंग पॉइंट की उपलब्धि हासिल करने की घोषणा की। इस उपलब्धि से रेंज की चिंता को दूर करने तथा राज्य में विभिन्न शहरों और राजमार्गों पर राइडर्स को आसान चार्जिंग उपलब्ध कराके इलेक्ट्रिक स्कूटर को बढ़ावा देने की एथर की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। एथर के पास इस समय महाराष्ट्र के 37 शहरों में 64 एक्सपीरियंस सेंटर और 42 सर्विस सेंटर हैं। यहाँ से एथर के ग्राहकों को बिक्री का आसान अनुभव और बेहतरीन आफ्टर-सेल्स सपोर्ट प्रदान की जाती है। महाराष्ट्र में एथर ग्रिड का फास्ट चार्जिंग नेटवर्क इस समय मुंबई, नासिक, पुणे और नागपुर जैसे 35 शहरों में फैला है। इसके अलावा मुंबई-पुणे, पुणे-सतारा, सतारा-कोल्हापुर, सांगली-कोल्हापुर और पुणे-पंशेत जैसे महत्वपूर्ण मार्गों पर भी फास्ट चार्जर स्थित हैं।

पावरग्रिड ने वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल से किया एमओयू

गुरुग्राम। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने यूरोलॉजी और रीनल विभाग के मरीजों के लाभ के लिए सीएसआर के तहत सात अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने हेतु वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन पर डॉ. यतीन्द्र द्विवेदी, निदेशक (कार्मिक), पावरग्रिड, जसबीर सिंह, कार्यकारी निदेशक (सीएसआर), पावरग्रिड, अंशुमान टंडन, मुख्य महाप्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार), एके राय, मुख्य महाप्रबंधक (सीएसआर), अशोक कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (सीएसआर एवं मानव संसाधन), एनआर, पावरग्रिड, डॉ. (प्रो.) संदीप बंसल, निदेशक, वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल, डॉ. चारु बाम्बा, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. आरके वाधवा, वरिष्ठ सीएमओ, डॉ. पवन वासुदेवा, विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी विभाग, सुश्री पूनम ढांडा, चिकित्सा समाज कल्याण अधिकारी एवं सीएसआर समिति की सदस्य, वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल ने हस्ताक्षर किये।

हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

भोपाल। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक), भोपाल की 82वीं अर्द्धवार्षिक बैठक बुधवार को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से हुई। यह बैठक गृह मंत्रालय भारत सरकार, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल के उपनिदेशक नरेंद्र सिंह मेहरा के मुख्य आतिथ्य में हुई। बैठक की अध्यक्षता धीरेज गोयल, महाप्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा की गई। संचालन समिति के सदस्य सचिव एवं सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य प्रबंधक राजीव तिवारी ने किया। मुख्य अतिथि मेहरा ने जानकारी साझा की कि वर्ष 2023-24 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु नराकास (बैंक), भोपाल को राजभाषा सम्मान से अलंकृत किया, जिसे 17 फरवरी को अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया था।

एनयूसीएफडीसी और आईआईए ने रणनीतिक साझेदारी की

भोपाल। नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनयूसीएफडीसी), भारत में शहरी सहकारी बैंकिंग (यूसीबी) क्षेत्र के अम्ब्रेला ऑर्गनिशन और इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स इंडिया (आईआईए) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एनयूसीएफडीसी के सीईओ प्रभात चतुर्वेदी तथा आईआईए इंडिया के सीईओ केवी मुकुंदन की मौजूदगी में इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के 15 छात्रों को मिला इंटर्नशिप का मौका

भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी और गीक्स ऑफ गुरुकुल की साझेदारी में संचालित कोर्सेज के अंतर्गत विश्वविद्यालय के 15 छात्रों को गीक्स ऑफ गुरुकुल में इंटर्नशिप का अवसर प्राप्त हुआ है। इसमें गरिमा ठाकुर को डाटा एनालिस्ट, साक्षी लिकितकर को पाइथन डेवलपर, मुस्कान लाडे को पाइथन डेवलपर, सिद्धेश केवाटे को डाटा साइंटिस्ट, दिव्या मालवीय को डाटा साइंटिस्ट, आंचल लोखंडे को पाइथन डेवलपर, प्रगति गायकवाड़ को डाटा साइंटिस्ट, वैष्णवी कौशिक को साइबर सिक्योरिटी इंटर्न, माधवी पवार को एनालिस्ट, चेतना लाडे को डाटा साइंटिस्ट, वैभवी सोनी को ग्राफिक डिजाइनिंग, कुणाल बंसल को जावा डेवलपर, कावरी गलफट को जावा डेवलपर, आमोद शर्मा को जावा डेवलपर एवं लक्ष्य श्रीवास्तव को एप डेवलपर के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। इस इंटर्नशिप में छात्रों को 15,000 तक का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा।

यह सीएम राइज स्कूल का खाना है- पानी जैसी दाल-सब्जी, चावल-रोटी दोनों कच्चे

छात्रों ने गायों को खिलाया खाना, कलेक्टर ने डीईओ से सभी स्कूलों की मांगी रिपोर्ट

जागरण, रीवा। बच्चों में कुपोषण दूर करने के उद्देश्य से भरपूर कैलौरी और प्रोटीन वाला खाना उपलब्ध कराने के लिए स्कूलों में चलाई जा रही मध्यांह भोजन योजना को लेकर 30 साल हो गए हैं, लेकिन इस योजना में बांटे जाने वाले भोजन की क्वालिटी के क्या हाल हैं, इसे समझने के लिए रीवा का सीएम राइस स्कूल ही काफी है। राज्य सरकार की खास प्राथमिकता वाले सीएम राइस स्कूल में पानी जैसी पतली दाल-सब्जी परोसी जा रही है तो अधपके चावल व रोटी को बच्चों को खिला दिए जाते हैं। ऐसे ही मिले खाने को स्कूल के सारे बच्चों ने गाय-बछड़ों को खिला दिया। रीवा मुख्यालय से 80 किमी दूर चाकघाट स्थित सीएम राइस स्कूल के बच्चों ने अपने खाने का वीडियो बच्चों ने वायरल किया है। वीडियो में खाने की घटिया क्वालिटी साफ दिख रही है। दाल और सब्जी में केवल पानी-पानी दिख रहा है, न दाल का दाना है और सब्जी का कोई टुकड़ा। चावल भी कच्चे ही हैं। इस खाने की क्वालिटी की हकीकत वीडियो में ही उस समय साफ दिख गई, जब कैमरा देखते ही खाना बांट रही महिला ने हड़बड़ाते हुए बच्चों को देने की बजाय दाल और सब्जी के बर्तन से सिर्फ पानी निकालकर फेंकना शुरू कर दिया। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने मिड डे मील में दिया गया खाना खुद न खाकर गाय को खिला दिया। गांव के लोगों का कहना है कि स्कूल में हर रोज ऐसा ही घटिया खाना बच्चों को दिया जाता है, जो जानवरों को भी देने लायक नहीं है। यह केवल एक स्कूल की बात नहीं है।

कलेक्टर ने दिए सभी स्कूलों में जांच के निर्देश

यह वीडियो सामने आने के बाद रीवा कलेक्टर प्रतिमा पान ने जिला शिक्षा अधिकारी को जांच करने को कहा है। कलेक्टर ने डीईओ को आदेश दिए हैं कि पालकों और बच्चों से बातचीत कर मामले की रिपोर्ट तैयार करें। साथ ही जिले के सभी समूहों द्वारा स्कूलों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल लेने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए हैं।

भ्रष्टाचारी खा रहे मिड डे मील

अगस्त 1995 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना में राज्य सरकार द्वारा हर दिन के लिए अलग-अलग मेन्यू तैयार किया गया है। इसके लिए प्रति छात्र के मान से राज्य सरकार द्वारा स्कूलों के समूहों को कच्चा राशन और सब्जियों के अलावा खाना बनाने के भी पैसे दिए जाते हैं। हर साल इस योजना पर राज्य सरकार करीब 1166 करोड़ रुपए खर्च करती है। मगर निचले स्तर तक भ्रष्टाचार के कारण बच्चों को पोषण के नाम पर रूखा-सूखा ही खाना खिलाकर योजना के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। हर जिले में छात्र संख्या से लेकर खाना बनाने के दिनों को लेकर घालमेल सामने आ रहा है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

82,184

-542

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Eternal	313.15	3.67%
Tata Motors	700.50	1.51%
Dr Reddys	1,265.50	1.45%
Grasim Industries	2,735.90	0.99%
Cipla+	1,487.90	0.98%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Nestle India	2,322.10	-5.32%
Trent	5,154.00	-3.83%
Shriram Finance	633.55	-3.13%
Tech Mahindra	1,498.60	-3.10%
Reliance Industries	1,402.90	-1.52%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	88.20
€ यूरो	104.43
¥ येन	61.75
£ पौंड	116.70

ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता: भारत में ब्रिटिश उत्पादों पर औसत टैरिफ 15 से घटकर 3 फीसदी हुआ

अब 20 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात करेगा यूके

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौते की घोषणा से दोनों देशों के द्विपक्षीय व्यापार को नई दिशा मिलने जा रही है। ब्रिटिश सरकार ने गुरुवार को बताया कि भारत में ब्रिटिश उत्पादों पर औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर महज 3 प्रतिशत रह जाएगा। इससे 2040 तक ब्रिटेन के भारत में निर्यात में लगभग 60 फीसदी की वृद्धि अनुमानित है, जो 15.7 बिलियन पाउंड (लगभग 20 अरब डॉलर) अतिरिक्त निर्यात के बराबर होगी। यूके सरकार के बयान के मुताबिक, इस टैरिफ कटौती के साथ-साथ नियामकीय अड़चनों को भी हटाया जाएगा। इससे भारत और ब्रिटेन के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 2040 तक 39 फीसदी तक बढ़ सकता है, जिसकी अनुमानित सालाना वैल्यू 25.5 बिलियन पाउंड होगी। इस समझौते से भारत को भी लाभ होगा। यूके भारतीय वस्तुओं पर 99 फीसदी टैरिफ लाइन खत्म करेगा, इससे 100 फीसदी व्यापार मूल्य को कवर किया जाएगा। इससे भारत को

निर्यात में बड़ा बढ़ावा मिलेगा, विशेषकर टेक्सटाइल, लेदर और उपभोक्ता उत्पाद जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में। यूके ने बताया कि 26 ब्रिटिश कंपनियों को भारत में नया व्यापार मिला है। इनमें एअरबस और रोल्स-रॉयस प्रमुख हैं, जो हालिया समझौते के तहत भारतीय एयरलाइनों को एयरबस विमान की डिलीवरी जल्द शुरू करेंगे।

हर बार ट्रेड डील से बाहर रहता है डेयरी उद्योग

भारत-यूके ट्रेड डील में डेयरी प्रोडक्ट्स को संरक्षण दिया गया है। ट्रेड डील में दवा, दारू, कृषि और सी फूड समेत लगभग सभी खाद्य सामग्रियों को शामिल किया गया है, लेकिन डेयरी क्षेत्र इससे बाहर है। भारत का कहना है कि वह अपने डेयरी प्रोडक्ट्स संरक्षण प्रदान कर रहा है। इसलिए अमूमन किसी भी ट्रेड डील से डेयरी प्रोडक्ट्स को बाहर रखा जाता है। ऐसा कहा जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में जो समय लग रहा है उसकी एक बड़ी वजह डेयरी सेक्टर ही है। भारत नहीं चाहता कि किसी भी ट्रेड डील में डेयरी प्रोडक्ट्स को फ्री या कम टैरिफ की श्रेणी में डाल दिया जाए। यूके के साथ डील से पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन यूनियन के साथ जो व्यापारिक समझौता किया उसमें भी डेयरी को संरक्षण दिया गया।

भारत क्यों करता है ऐसा

यूरोप व न्यूजीलैंड के किसान भारी सब्सिडी से सस्ता दूध बनाते हैं, जो भारत के छोटे किसानों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। 1943 के बंगाल अकाल ने सिखाया कि खाने की कमी से देश मुसीबत में पड़ सकता है, इसलिए दूध जैसे जरूरी सामान पर कंट्रोल जरूरी है। भारत में डेयरी पर 30 से 60 फीसदी तक टैरिफ लगता है, जो विदेशी उत्पाद महंगे बनाकर स्थानीय बाजार को बचाता है। ये टैरिफ हटे, तो सस्ते उत्पाद भारत में आएंगे, जिससे भारतीय किसानों की आमदनी घटेगी।

डेयरी पर लगता है 30-60 फीसदी टैरिफ

अभी भारत में जो डेयरी उत्पाद आते हैं उन पर 30-60 फीसदी का टैरिफ लगता है। इसके अलावा सेब की आयात पर भी इसी रेंज में टैरिफ लगाया जाता है। सेब भारत बड़ी मात्रा में यूएस और न्यूजीलैंड से आयात करता है। यूके के साथ ट्रेड डील में भी ब्रिटिश ऐपल, डेयरी और चीज पर टैरिफ लगेगा। हालांकि, यह अन्य देशों पर लगाए गए टैरिफ से कम होगा।

ब्रिटेन के हाई टेक उत्पाद आएंगे भारतीय बाजार में

वर्तमान में यूके भारत से 11 अरब पाउंड का सामान आयात करता है। नए समझौते से भारतीय उत्पादों की कीमतें यूके में सस्ती होंगी, जिससे निर्यात बढ़ेगा। वहीं यूके से मशीनरी, लक्जरी सामान और हाई-टेक उत्पादों के भारतीय बाजार में प्रवेश की राह आसान होगी। साथ ही, सामाजिक सुरक्षा को लेकर डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट पर भी सहमति बन चुकी है, जिससे भारत से सीमित समय के लिए ब्रिटेन में काम करने वाले पेशेवरों को दोहरी सामाजिक सुरक्षा अंशदान से राहत मिलेगी। हालांकि, द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता अभी जारी है। यह संपूर्ण समझौता न सिर्फ व्यापार बढ़ाने में मदद करेगा।

3 साल की लंबी बातचीत के बाद हुआ समझौता

लगभग 63 हजार करोड़ का यह समझौता दोनों देशों के बीच तीन साल की लंबी बातचीत के बाद हुआ है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने हस्ताक्षर समारोह में कहा, 'यह ब्रिटेन के लिए ब्रेग्जिट के बाद का सबसे बड़ा और आर्थिक दृष्टि से सबसे अहम व्यापारिक समझौता है।' उन्होंने बताया कि यह डील ब्रिटेन में 2,200 से अधिक नई नौकरियां पैदा करेगी, क्योंकि भारतीय कंपनियां यूके में विस्तार करेंगी और ब्रिटिश कंपनियों को भारत में नए व्यापार के अवसर मिलेंगे। कुछ विपक्षी दलों ने यह आशंका जताई कि यह समझौता ब्रिटिश श्रमिकों को सस्ते भारतीय श्रमिकों से प्रतिस्पर्धा में डाल देगा। इसके जवाब में ब्रिटिश व्यापार सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स ने कहा, 'यह धारणा पूरी तरह गलत है। भारतीय श्रमिकों को कोई टैक्स लाभ नहीं मिलेगा। वास्तव में भारतीय श्रमिक को नियुक्त करना ब्रिटिश श्रमिक से महंगा पड़ेगा।'

2200
नई नौकरियां ब्रिटेन में पैदा होंगी

भारत में नई दूरसंचार नीति का मसौदा तैयार

सबको 4जी और 90% को 5जी कवरेज देने का लक्ष्य

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने 2025 की राष्ट्रीय दूरसंचार नीति (एनटीपी-25) के मसौदे में देश की संपूर्ण आबादी को 4जी और 90 फीसदी को 5 जी नेटवर्क से जोड़ने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। साथ ही, सरकार का उद्देश्य इस नीति के जरिए दूरसंचार क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दोगुना करना और हर वर्ष एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित करना है। इस मसौदे को सार्वजनिक विचार-विमर्श के लिए जारी किया गया है और नागरिकों व हितधारकों से 21 दिनों के भीतर सुझाव मांगे गए हैं। नीति में 2030 तक हासिल किए जाने वाले 10 प्रमुख रणनीतिक लक्ष्यों को चिन्हित किया गया है, जिनमें दूरसंचार उत्पादों के निर्यात को दोगुना करना और टेलीकॉम स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ाना भी शामिल है। नीति के तहत टावरों की फाइबराइजेशन दर को वर्तमान 46 फीसदी से बढ़ाकर 80 फीसदी करने, भारतनेट के तहत सभी ग्राम पंचायतों को 100 फीसदी फाइबर से जोड़ने (98 फीसदी से अधिक अपटाइम सुनिश्चित करते हुए), और गांवों के सरकारी संस्थानों तक ब्रॉडबैंड पहुंचाने की योजना है। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क विस्तार के लिए डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) नाम से नई योजनाएं लाई जाएंगी। साथ ही फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं भी प्रस्तावित हैं।

जीडीपी में योगदान दोगुना करने की योजना

गुणवत्ता, अनुसंधान और आपदा प्रबंधन में नवाचार

नीति के तहत सेवाओं की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों के अनुरूप लाने की बात की गई है, जिससे इनडोर और आउटडोर दोनों जगह नेटवर्क अनुभव बेहतर हो सके। आपदा प्रबंधन के लिहाज़ से भी दूरसंचार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आपात योजनाओं में शामिल किया जाएगा। नीति भारत को 5जी, 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्वांटम संचार जैसे क्षेत्रों में नवाचार और शोध का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में ले जाना चाहती है। 6 जी से जुड़े बौद्धिक संपदा अधिकारों में भारत की 10 फीसदी वैश्विक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

ज्यादातर देशों पर 15 फीसदी टैरिफ, वहीं कुछ पर 50 फीसदी तक शुल्क संभव

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक व्यापार नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत दिया है। उन्होंने कहा है कि अब अमेरिका अधिकतर देशों पर न्यूनतम 15 फीसदी का आयात शुल्क (टैरिफ) लागू करेगा और कुछ देशों पर यह दर 50 फीसदी तक भी जा सकती है। वॉशिंगटन में एक एआई समिट में बोलते हुए ट्रंप ने इसे 'सीधा और स्पष्ट व्यापार मॉडल' करार दिया। ट्रंप ने कहा, 'अब हम 15 फीसदी से 50 फीसदी के बीच सीधा और सरल टैरिफ लागू करेंगे। कुछ देशों के साथ हमारे रिश्ते अच्छे नहीं हैं, इसलिए उनके लिए 50 फीसदी तक का टैरिफ लागू होगा।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका पहले से ही विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध की स्थिति में है और व्यक्तिगत व्यापार समझौते के बजाय अब ट्रंप 'टैरिफ पत्र' को ही अंतिम डील मान रहे हैं।

ट्रंप का आक्रामक व्यापार एजेंडा

1 अगस्त की डेडलाइन से पहले संकेत

ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि 15 फीसदी न्यूनतम दर होगी, जिससे वैश्विक व्यापार जगत में हलचल तेज हो गई है। मंगलवार को ट्रंप ने जापान के साथ एक डील की घोषणा की, जिसमें प्रस्तावित 25 फीसदी टैरिफ घटाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। यह छूट जापान की उस शर्त पर आधारित है कि वह कुछ अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिबंध हटाएगा और 550 बिलियन डॉलर के निवेश को समर्थन देगा। वहीं भारत, दक्षिण कोरिया और ईयू अभी भी टैरिफ से बचने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

पूर्व वित्त सचिव अजय सेठ होंगे आईआरडीएआई के नए चेयरमैन

नई दिल्ली, जेएनएन। सरकार ने भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के नए चेयरमैन के रूप में पूर्व वित्त सचिव अजय सेठ की नियुक्ति की है। मार्च 2025 में देबाशीष पांडा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह पद रिक्त था। अजय सेठ 1987 बैच के कर्नाटक कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। वे वित्त मंत्रालय में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। 2021 से वे आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव रहे, और हाल ही में उन्होंने राजस्व सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला था, जब तूहीन कांत पांडे को सेबी चेयरपर्सन नियुक्त किया गया। सेठ मूलतः मैकेनिकल इंजीनियर हैं और उन्होंने एमबीए भी किया है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार दोनों स्तरों पर कर नीति, अधोसंरचना विकास, वित्तीय नियोजन और राजकोषीय नीतियों से जुड़े अहम फैसलों में भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब बीमा क्षेत्र में डिजिटलीकरण और उपभोक्ता अधिकारों को लेकर तेजी से बदलाव हो रहे हैं। उनसे आईआरडीएआई में इन सुधारों को आगे बढ़ाने की उम्मीद है।

सोना 1,426 रुपए गिरा, चांदी 1,300 फिसली

नई दिल्ली, जेएनएन। सोने-चांदी की कीमतों में आज भारी गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोना 1,426 रुपए सस्ता होकर 99,107 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। बुधवार को इसका भाव 1,00,533 था। वहीं, चांदी 1,300 रुपए घटकर 1,14,550 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो बुधवार को 1,15,850 रुपए पर थी।

भोपाल में कीमत 1,01,020 रुपए

दिल्ली में 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,120 रुपए रही, जबकि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई में यह 1,00,970 रुपए रहीं। इसके अलावा भोपाल में 10 ग्राम सोने का मूल्य 1,01,020 रुपए रहा। इस साल 22,945 रुपए महंगा हुआ सोना: 1 जनवरी 2025 को 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम था। अब तक यह 22,945 रुपए बढ़कर 99,107 रुपए तक पहुंच चुका है। वहीं, चांदी की कीमत इस साल अब तक 86,017 से बढ़कर 1,14,550 रुपए प्रति किलो हो चुकी है, यानी 28,533 रुपए की बढ़त।

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धिपत्र
शुद्धि सूचना क्र 1 एवं दिनांक : 19.07.2025 मद : निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय, शुद्धि सूचना क्र एवं दिनांक: क्र. 2 दिनांक 22.07.2025, मद : बिंडरो को प्री बिड प्रश्नों के खिलाफ जवाब और आरएफपी के संशोधित धाराओं, IREPS की वेबसाईट पर NIT; EL-JBP-Project-25 PSSA-1 दिनांक 28.06.2025 : 05.08.2025 upto 15:00 hrs., IREPS पर संशोधित दिनांक: 19.08.2025 upto 15:00 hrs., शेष वस्तुएँ यथावत एवं अपरिवर्तित रहेंगी।
(हस्ता)
उप मुख्य विद्युत अभियंता (प्रोजेक्ट)
पश्चिम मध्य रेलवे,जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

टीसीएस और इन्फोसिस के बीच एआई एजेंट की दौड़

दोनों दिग्गज कंपनियों ने बनाए 250 से ज्यादा एआई एजेंट्स

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय आईटी क्षेत्र की दो दिग्गज कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा में उतर चुकी हैं। यह प्रतिस्पर्धा सामान्य प्रयोजन (जनरल पर्पज) एआई से हटकर अब एजेंटिक एआई यानी एकल प्रयोजन वाले एआई एजेंट्स के विकास की होड़ बन गई है। दोनों कंपनियों का मानना है कि अब ग्राहक सामान्य एआई मॉडल की बजाय विशेष कार्यों के लिए बने एआई एजेंट्स की ओर रुख कर रहे हैं। इसी वजह से दोनों कंपनियां अपने-

अपने एआई प्लेटफॉर्म पर नए-नए एजेंट्स विकसित करने में जुटी हैं। जहां इन्फोसिस ने अब तक लगभग 100 एआई एजेंट्स विकसित किए हैं, वहीं टीसीएस इस मामले में आगे बढ़ते हुए 150 से अधिक एआई एजेंट्स बना चुकी है। दोनों की रणनीति में स्पष्ट अंतर है। इन्फोसिस खुद को एआई फर्स्ट कंपनी के रूप में पेश कर रही है। इसका अर्थ है कि कंपनी सबसे पहले एआई तकनीक विकसित करती है और फिर उसे क्रमशः विभिन्न उद्योगों और व्यवसायों में अपने ग्राहकों तक पहुंचाती है। वहीं टीसीएस ह्यूमन प्लस एआई मॉडल पर काम कर रही है। यह मॉडल इंसानों और एआई एजेंट्स के बीच सहयोग को केंद्र में रखता है। कंपनी मानती है कि एआई अकेला नहीं, बल्कि इंसानी संसाधन के साथ मिलकर बेहतर परिणाम दे सकता है। साथ ही टीसीएस अपने एआई प्रयासों को मजबूत करने के लिए क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटरों का भी विकास कर रही है।

प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म

इन्फोसिस का प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म टोपाज है। यह एकीकृत मंच है जो डिलीवरी, डेटा, क्लाउड और अन्य सेवाओं को समाहित करता है। इसके अंतर्गत कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं टीसीएस का प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म विजडमनेट है। यह कंपनी के एआई प्रयासों का चेहरा बन चुका है। इस प्लेटफॉर्म पर मौजूद बड़ी संख्या में एआई एजेंट्स ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार समाधान देने में सक्षम हैं। यह प्लेटफॉर्म बहु-क्षेत्रीय ग्राहकों में एआई अपनाने की गति को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

सेंसेक्स 542 अंक गिरा

मुंबई, जेएनएन। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन शेयर बाजार में गिरावट का माहौल रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 542 अंक टूटकर 82,184 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 158 अंक लुढ़क कर 25,062 के स्तर पर आ गया। निवेशकों को आईटी, एफएमसीजी और रियल एस्टेट सेक्टर में सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 5 में तेजी और 25 में गिरावट रही। ट्रेंट, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयरों में 4 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, जोमैटो, टाटा मोटर्स और सनफार्मा जैसे कुछ शेयरों में 3.5 फीसदी तक की तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान पर और 34 लाल निशान पर बंद हुए।

कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम् संभाग नर्मदापुरम
e mail address:-jd.npuram@gmail.com (Phon no.07574-298003)
पता :- मुख्य पोस्ट ऑफिस के पीछे, कोठी बाजार, नर्मदापुरम -461001
क्रमांक / 2310/ शा0शि0 / क्रय / 2025 नर्मदापुरम् , दिनांक 21.07.2025
//निविदा सूचना//
इस कार्यालय को वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाली विभिन्न राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिताओं के लिये सम्भागीय खेल दलों के लगभग 1500 खिलाड़ियों (आयु वर्ग -14, 17, 19 वर्ष के छात्र/छात्राओं) के लिये खेल गणवेश यथा टी-शर्ट, नेकर, ट्रेक सूट इत्यादि क्रय करने हेतु मोहर बंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं। इस हेतु निविदा फार्म एवं निविदा की शर्तें (सामग्री का विवरण सहित) इस कार्यालय में राशि 200 /- रूपये जमा कर निविदा प्रकाशन दिनांक से दिनांक 12.08.2025 तक कार्य दिवसों के कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जा सकते हैं। इच्छुक निविदादाता दिनांक 13.08.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक निर्धारित निविदा फार्म में अपनी निविदाएं निविदा शर्तों के अधीन लिफाफे में बंद कर धरोहर राशि 10,000 /- रूपये (अक्षरे दस हजार रूपये) के डिमांड ड्राफ्ट / सावधि जमा रसीद एवं सीलबंद नमूने के साथ जमा करा सकते हैं। धरोहर राशि संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण नर्मदापुरम - सम्भाग, नर्मदापुरम के नाम से देय होगी। निर्धारित समयावधि में प्राप्त निविदायें इसी दिनांक 13.08.2025 को सायं 04.00 बजे विहित समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा सूचना के सम्बन्ध में विहित जानकारी विभागीय म.प्र. एज्युकेशन पोर्टल की वेबसाइट :- http://educationportal.mp.gov.in के Tenders कॉर्नर पर देखी जा सकती है।
जी-16156/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार
संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग नर्मदापुरम

प्रथम पृष्ठ के शेष

3000 करोड़ लोन ...

जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की। अब ईडी इस मामले की जांच कर रही है।

क्या आरोप हैं?: कुछ दिन पहले एसबीआई ने अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस और खुद अनिल अंबानी को 'फ्रॉड' घोषित किया था। एसबीआई का कहना है कि आरकॉम ने बैंक से लिए 31,580 करोड़ रुपए के लोन का गलत इस्तेमाल किया। इसमें से करीब 13,667 करोड़ दूसरी कंपनियों के लोन चुकाने में खर्च किए। 12,692 करोड़ रुपए रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनियों को ट्रांसफर किए। एसबीआई ने ये भी कहा कि हम इस मामले में सीबीआई के पास शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया में है। अनिल अंबानी के खिलाफ पर्सनल इन्सॉल्वेंसी (दिवालियापन) की कार्रवाई भी नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल मुंबई में चल रही है।

ऑपरेटर बनकर इंदौर ...

दिल्ली में ही दर्ज है। डीसीपी कौशिक ने कहा-यह गिरफ्तारी बब्बर खालसा के भारत में फैले नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता है। हम आरोपी से पूछताछ कर अन्य लिंक और मॉड्यूल की जांच कर रहे हैं।

विदेश में बैठे आतंकी हैंडलर से संपर्क में था : दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आकाशदीप बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में था, जो उसे सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए निर्देश दे रहा था। स्पेशल सेल को आकाशदीप के गुजरात में होने का सुराग मिला था। वहां पड़ताल में उसके इंदौर में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद इंस्पेक्टर अशोक कुमार भड़ाना के नेतृत्व में एक टीम इंदौर पहुंची थी। आकाशदीप से पूछताछ में आतंकी नेटवर्क, उसके विदेशी संपर्क और फंडिंग के खुलासे की उम्मीद है।

श्रमिकों को हर माह ...

अमेरिका से उन्हें बुलाते हैं। सीएम ने कहा, हमारा लक्ष्य मध्यप्रदेश को दूध की राजधानी और रोजगार और समृद्धि का केंद्र बनाना है और हम इस दिशा में लगातार काम कर रहे है। डॉ. यादव ने कहा, सावन अब महीने भर का नहीं, पूरे साल का हो गया है, क्योंकि रोज उद्योगों की वर्षा हो रही है, इसलिए विदेशों में जाकर निवेशकों से संवाद किए जा रहे हैं। अब तक इंग्लैंड, जापान, जर्मनी, दुबई के निवेशकों से संवाद किया है और वहां से निवेश के प्रस्ताव भी मिले हैं। इस सबके पीछे मंशा यह है कि मध्यप्रदेश दुनिया के औद्योगिक नक्शे पर चमके। सीएम ने कहा, वर्ष 2014 में भारत आर्थिक स्थिति के मामले में दसवें स्थान पर था, आज चौथे स्थान पर है, यह पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और सरकार चलाने के तरीके का परिणाम है। हम राजनीति करने नहीं आए हैं, जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं यही मोदी की टीम है। वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में 7 लाख हेक्टेयर सिंचाई थी, आज 55 लाख हेक्टेयर हो गई है। हमें इसे 100 लाख हेक्टेयर तक ले जाना है। आज हम दुनिया को गेहूं एक्सपोर्ट कर रहे हैं। सीएम ने फिर दोहराया, दिवाली के बाद लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपए स्थायी राशि मिलने लगेगी। 2028 तक इसे 3000 तक पहुंचाने की योजना है।

सिक्किम विश्वविद्यालय
SU/REG/Acad/F-1/13/2025/Vol-I/109 दिनांक : 24.07.2025
प्रवेश सूचना
सिक्किम विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निम्नलिखित विभागों में चार वर्षीय स्नातक (FYUG) कार्यक्रम में प्रवेश की घोषणा करता है:-
1. चायनिज 3. संगीत
2. हिंदी 4. मनोविज्ञान
ऑनलाइन पंजीकरण प्रारंभ : 26/07/2025
कक्षाएँ प्रारंभ : 02/09/2025
विश्वविद्यालय की वेबसाइट : https://www.cus.ac.in
पंजीकरण लिंक : https://cuscuet.samarth.edu.in
विस्तृत जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।
हस्ता/-
रजिस्ट्रार
cbc 21318/12/0005/2526

कार्यालय थाना प्रभारी थाना निशातपुरा जिला भोपाल
क्रमांक/डी/06/25 D 744/25 दिनाँक 18/07/25
जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि थाना निशातपुरा भोपाल के गुम क्रमांक 06/25 की गुमशुदा राखी जाटव पति नोनित जाटव उम्र 37 साल निवासी ग्राम थानदेर थाना करारिया जिला विदिशा हाल हाल भूरा भाई का मकान पूजा कालोनी करोद निशातपुरा भोपाल की जो दिनांक 10/01/25 को समय करीबन 20.00 बजे घर से बिना बताये कहीं चली गई है। सूचना पर गुम इंसान क्रमांक 06/25 कायम कर जांच में लिया गया। गुमशुदा का हुलिया का हुलिया कद 5 फीट 4 इंच, चेहरा गोल, ओरेंज साड़ी व क्रीम कलर का स्वेटर पहने है के बारे में कोई जानकारी हो तो थाना निशातपुरा भोपाल में सम्पर्क करें अथवा थाना को मोबाईल नम्बर 7587601924 या 7049104193 पर तत्काल सम्पर्क करें।
थाना प्रभारी
थाना निशातपुरा भोपाल
जी-16136/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, राजधानी परियोजना खण्ड क्रमांक-2
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
ई मेल eephedcp2bpl@mp.gov.in
क्र. 49,50,51,52,53,54,55,56/का.यं./रा.परि.खण्ड-2/लोस्वायांवि/ दिनांक- 22/07/25
निविदा आमंत्रण सूचना
निम्नलिखित कार्य की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://mptenders.gov.in पर आमंत्रित है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रुपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2025_PHED_438716	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line at Housing Board Colony Kohefiza, Bhopal	7,95,518=00	15,910=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
2	2025_PHED_438718	Repairing of manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed under PPOUL Project at Section 2, Bhopal	8,01,098=00	16,022=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
3	2025_PHED_438719	Reconstruction of fully damaged manhole chamber i/c de silting and cleaning of manholes and sewer line constructed at Sajida Nagar, Bhopal	6,55,922=00	13,118=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
4	2025_PHED_438721	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at E-Arera colony, Section No. 1, Bhopal	7,80,112=00	15,602=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
5	2025_PHED_438723	Repairing of damaged manhole chamber, reconstruction fully damaged manhole i/c desilting and cleaning of sewer line and manholes at VIP Road area, PHED, Bhopal	8,26,756=00	16,535-00	2,000=00	30 Days Including rainy season
6	2025_PHED_438725	Reconstruction and Rising of damaged manhole chamber under ADB Project at 5 Section No. 6 of Sub Div. No. 5, PHED, Bhopal	4,91,116=00	9,822=00	2,000=00	30 Days Including rainy season
7	2025_PHED_438727	Supply of Precast RCC Manhole Cover with frame for Capital Project Sub Division No 8 PHED Bhopal (Second Call)	7,21,675=00	14,434-00	2,000=00	15 Days Including rainy season
8	2025_PHED_438727	Repairing of damaged manhole chamber with cleaning of manholes and sewer line at Rahul Nagar, Naya Basera Kotra Network Area, Bhopal	7,66,519=00	15,330=00	2,000=00	30 Days Including rainy season

- निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
- निविदा संशोधन केवल वेबसाइट पर ही दर्शाया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
- निविदा क्रय करने की अंतिम तिथि 06/08/25 है।

कार्यपालन यंत्री
राजधानी परियोजना खण्ड क्र.-2.
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
जी-16158/25
पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

17 साल की उन्नति का बड़ा उलटफेर, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधू को हराया

चाइना ओपनः हुड्डा पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में

मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं आज जीत जाऊंगी। लेकिन मैं यह सोचकर आई थी कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करूंगी। मैच का नतीजा भले ही कुछ भी रहे। इसलिए उनके खिलाफ जीतना मेरे लिए भी हैरानी भरा था। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं आज उनके खिलाफ जीतने में सफल रही। यह मेरे लिए काफी मुश्किल मैच था।
■ उन्नति हुड्डा

जेएनएन, चांग्झू (चीन)। उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधू को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 साल की हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। रोहतक की इस किशोरी ने 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी।

07 सात साल में पहली बार सिंधू किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी।

मुझे लगा कि शटल को नियंत्रित करना थोड़ा मुश्किल था। तीसरे गेम में उसने बढ़त बनाई और इसे बरकरार रखा। उसके लिए यह काफी अच्छा है। वह आगे बढ़ रही है, उसे शुभकामनाएं।
■ पीवी सिंधू

सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में, प्रणय बाहर

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही।

फिडे महिला विश्व कप फाइनल में हम्पी की भिड़ंत दिव्या देशमुख से

दोनों खिलाड़ी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई

बातुमी (जॉर्जिया), जेएनएन। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने गुरुवार को फिडे महिला विश्व कप सेमीफाइनल में चीन की टिंगजी लेई को टाईब्रेकर में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल उनका सामना हमवतन भारतीय दिव्या देशमुख से होगा। शनिवार से होने वाले फाइनल में जगह बनाने वाली हम्पी और दिव्या दोनों ने अगले साल होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। सामान्य समय नियंत्रण में पहली दो बाजी ड्रॉ होने के बाद हम्पी को टाईब्रेकर में 1-1 से ड्रॉ के साथ संतोष करना पड़ा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के लिए 15-15 मिनट की दो बाजी अतिरिक्त समय के साथ थी। अगली दो टाईब्रेक बाजी 10-10 मिनट की थी। लेई ने पहली बाजी जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन हम्पी ने मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद दूसरी बाजी जीतकर मुकाबला फिर बराबर कर दिया। टाईब्रेक बाजी के तीसरे सेट में हम्पी ने पहली बाजी में सफेद मोहरों से शुरुआत की और खेल के सभी विभागों में लेई को परास्त करते हुए इसे जीत लिया। पहली बाजी जीतने के बाद फाइनल में पहुंचने के लिए हम्पी को बस एक ड्रॉ की जरूरत थी और उन्होंने जीत हासिल करके खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

खेल एक नजर

डूरंड कपः जमशेदपुर ने त्रिभुवन आर्मी को 3-2 से शिकस्त दी

जमशेदपुर, जेएनएन। जमशेदपुर एफसी ने त्रिभुवन आर्मी पर 3-2 से रोमांचक जीत के साथ अपने डूरंड कप अभियान की शुरुआत की। मुख्य कोच खालिद जमील ने मैच की शुरुआत छह नए खिलाड़ियों के साथ की और नवोदित सार्थक गोलुई और मनवीर सिंह ने गोल किए। मैच की शुरुआत तेज गति से हुई। चौथे मिनट में प्रफुल्ल कुमार के लंबे थ्रो ने बॉक्स के अंदर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी, और सार्थक ने गोलकीपर के ऊपर से गेंद को आगे बढ़ाते हुए जमशेदपुर को शुरुआती बढ़त दिला दी। त्रिभुवन आर्मी ने 26वें मिनट में जवाब दिया, जब उनके कप्तान जॉर्ज कार्की ने डिफेंस में एक क्षणिक चूक का फायदा उठाकर स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन जमशेदपुर ने संयम बनाए रखा। छह मिनट बाद एक और नए खिलाड़ी विंसी बैरेटो ने मनवीर सिंह को एक बेहतरीन ले-ऑफ दिया। मनवीर ने एक तंग कोण से गोल करके बढ़त बहाल कर दी। सनन के फ्री हेडर से गोलपोस्ट की छत पर गेंद लगने से स्कोर लगभग 3-1 हो गया था।

पोलैंड में नीरज चोपड़ा और नदीम का आमना-सामना असंभव : बट

कराची, जेएनएन। पोलैंड में डायमंड लीग में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले पर अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी की हाल में इंग्लैंड में पिंडली की मांसपेशियों की सर्जरी हुई है। चोपड़ा और नदीम 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद अगले महीने पहली बार आमने-सामने होने वाले थे। पाक एथलीट ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो से स्वर्ण पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा को पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में डायमंड लीग और फिर अगले महीने स्विट्जरलैंड में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने वाले थे। नदीम के कोच सलमान बट इंग्लैंड में उनके साथ हैं। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन का दोनों स्पर्धाओं में खेलना अनिश्चित हैं, क्योंकि उनका ध्यान सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वापसी पर लगा है। बट ने कहा कि वह (नदीम) सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, इसलिए उन्होंने अपनी पिंडली की मांसपेशी की सर्जरी कराने का फैसला किया जो पिछले कुछ समय से परेशान कर रही थी।

सुमित नागल टैम्पियर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नीदरलैंड के मैक्स हूकेस को हराकर टैम्पियर चैलेंजर स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि अर्जुन काधे और विजय सुंदर प्रशांत स्विट्जरलैंड में जुग ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हार गए। मैच के लिए सर्विस करते हुए नागल को दूसरे सेट के 10वें गेम में कई ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन वह 6-2, 6-4 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे। अगले दौर में नागल का सामना अर्जेंटीना के क्वालिफायर निकोलस किकर से होगा जिन्होंने नॉर्वे के पांचवीं वरीयता प्राप्त विक्टर डुरासोविक को हराया। इस महीने इटली के ट्राइस्टे में क्वालिफायर के रूप में सेमीफाइनल तक पहुंचना नागल का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। नागल ने अपने करियर में छह चैलेंजर एकल खिताब जीते हैं। इस बीच एटीपी चैलेंजर जुग ओपन में शीर्ष वरीयता प्राप्त काधे और प्रशांत क्वार्टर फाइनल में शिमोन कीलन और फिलिप पिएजोंका की पोलैंड की जोड़ी से 3-6, 4-6 से हारकर बाहर हो गए। काधे और प्रशांत ने जिरिज बर्नाट और फिलिप डूडा की चेक गणराज्य की जोड़ी को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई थी।

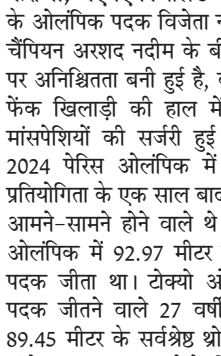

फ्रैक्चर के बावजूद पंत की रिकॉर्ड पारी डकेट-क्रॉली ने इंग्लैंड को मजबूत किया

मैनचेस्टर टेस्ट : भारत के पहली पारी में 358 रन, इंग्लैंड ने दो विकेट पर 225 रन बनाए

जेएनएन, मैनचेस्टर

कप्तान बेन स्टोक्स (72 रन पर पांच विकेट) ने आठ साल में पहली बार पांच विकेट चटकाकर भारत को 358 रन पर समेटा, जिसके बाद बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करके इंग्लैंड को पहली पारी में दो विकेट पर 225 रन तक पहुंचाकर चौथे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन मेजबान टीम का पलड़ा भारी रखा। डकेट ने 94 रन की पारी खेलने के अलावा क्रॉली (84) के साथ पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी करते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाकर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय तेज गेंदबाजों की दिशाहीन गेंदबाजी का पूरा फायदा उठाया और इस दौरान 'बैजबॉल' (हर हाल में आक्रामक होकर बल्लेबाजी करना) की झलक भी दिखाई, जिसके लिए टीम मशहूर है। दिन का खेल खत्म होने पर ओली पोप 20, जबकि जो रूट 11 रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड अब भारत के पहली पारी के 358 रन के स्कोर से सिर्फ 133 रन पीछे है, जबकि उसके आठ विकेट शेष हैं। स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर ने दूसरे दिन बेहतर गेंदबाजी करते हुए भारत को 358 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। ऋषभ पंत ने पैर में फ्रैक्चर के बावजूद 75 गेंद में 54 रन की पारी खेली। उन्हें चलने में परेशानी हो रही थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। शार्दुल ठाकुर (41) ने भी जुझारू पारी खेलकर भारत का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

- पंत ने इंग्लैंड में एक विकेटकीपर के तौर पर सीरीज में सर्वाधिक रन (479*) बनाए। इससे पहले एलेक्स स्टीवर्ट ने 1998 में 464 रन बनाए थे। जेमी स्मिथ ने जारी सीरीज में 415 रन बनाए हैं।
- पंत एक सीरीज में सर्वाधिक अर्धशतक (5*) लगाने वाले बल्लेबाज भी बने। फारूख इंजीनियर ने 1973 में इंग्लैंड के खिलाफ 4 बार, जबकि धोनी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2009 में और फिर इंग्लैंड के खिलाफ 2014 में 4-4 बार ये कमाल किया है।
- पंत ने इंग्लैंड में नौवीं बार 50 से अधिक का स्कोर बनाया है। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी का इंग्लैंड में बनाया गया आठ से अधिक बार 50 प्लस स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा।
- पंत भारत के लिए वीरेंद्र सहवाग के साथ टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। भारत के लिए दोनों के ही नाम अब 90 छक्के हैं, सहवाग ने टेस्ट में कुल 91 छक्के लगाए थे, जिसमें 90 भारत की ओर से और एक छक्का उन्होंने आईसीसी विश्व 11 की तरफ से जड़ा था।

अंशुल कंबोज ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय विकेट के रूप में डकेट को कीपर के हाथों कैच आउट कराया।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारीः 358/10 (114.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का. बूक बो. डॉसन	58	107	10	1
केएल राहुल का. क्रॉली बो. वोक्स	46	98	4	0
साई सुदर्शन का. कार्स बो. स्टोक्स	61	151	7	0
गिल पगबाधा बो. स्टोक्स	12	23	1	0
रिषभ पंत बो. आर्चर	54	75	3	2
रविंद्र जडेजा का. बूक बो. आर्चर	20	40	3	0
ठाकुर का. डकेट बो. स्टोक्स	41	88	5	0
वॉशिंगटन का. वोक्स बो. स्टोक्स	27	90	2	0
कंबोज का. स्मिथ बो. स्टोक्स	0	3	0	0
बुमराह का. स्मिथ बो. आर्चर	4	7	1	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	5	7	1	0

अतिरिक्त : 30, **कुलः** 114.1 ओवर में 358 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 1-94, 2-120, 3-140, 4-235, 5-266, 6-314, 7-337, 8-337, 9-349, 10-358, **गेंदबाजी** : क्रिस वोक्स 23-5-66-1, जोफ्रा आर्चर 26.1-3-73-3, ब्राइडन कार्स 21-1-71-0, बेन स्टोक्स 24-3-72-5, लियम डॉसन 15-1-45-1, जो रूट 5-0-19-0.

इंग्लैंड पहली पारी : 225/2 (46 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
जैक क्रॉली का. राहुल बो. जडेजा	84	113	13	1
बेन डकेट का. ध्रुव बो. कंबोज	94	100	13	0
ऑली पोप खेल रहे हैं	20	42	3	0
जो रूट खेल रहे हैं	11	27	2	0

अतिरिक्त : 16, **कुल** : 46 ओवर में दो विकेट पर 225 रन, **विकेट पतन** : 1-166, 2-197, **गेंदबाजी** : जसप्रीत बुमराह 13-4-37-0, अंशुल कंबोज 10-1-48-1, मोहम्मद सिराज 10-0-58-0, शार्दुल ठाकुर 5-0-35-0, रविंद्र जडेजा 8-0-37-1.

एशिया कप यूएई में, हो सकती है भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

बीसीसीआई तैयार, टी-20 टूर्नामेंट की जल्द घोषणा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आगामी एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है और इसकी औपचारिक घोषणा कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एसीसी की बैठक के बाद यह फैसला हुआ, जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने आयोजन स्थल पर चर्चा के लिए हिस्सा लिया। बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व इसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वर्चुअली किया। एसीसी के सूत्र ने बताया, बीसीसीआई यूएई में एशिया कप की मेजबानी करेगा। भारत के अपने सभी मैच दुबई में खेलने की संभावना है। कार्यक्रम पर अब भी विचार-विमर्श चल रहा है। यह टूर्नामेंट सितंबर में दो सप्ताह से थोड़ा अधिक समय तक चलेगा। इसे महीने के अंतिम सप्ताह से पहले समाप्त करना होगा, क्योंकि इसी समय भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। ढाका में एसीसी अध्यक्ष और पीसीबी के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भी महाद्वीपीय प्रतियोगिता में संभावित भारत-पाक मैच के बारे में पूछे जाने पर कुछ नहीं बताया। नकवी ने कहा- हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। हमने बीसीसीआई के साथ चर्चा की थी और कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हम जल्द ही सुलझा लेंगे।

अगले साल इंग्लैंड में पांच टी-20 और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलेगा भारत

मैनचेस्टर, जेएनएन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की है कि भारत अगले साल सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा, जिसमें पांच टी-20 और तीन वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। भारत का दौरा एक जुलाई को डरहम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जिसके बाद मैनचेस्टर (चार जुलाई), नॉटिंघम (सात जुलाई), ब्रिस्टल (नौ जुलाई) और साउथम्प्टन (11 जुलाई) में मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। इसके बाद 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम भी अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगी। वह इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज और एक टेस्ट मैच खेलेगी। टी-20 सीरीज 28 मई को चेम्सफोर्ड में शुरू होगी। उसके बाद 30 मई को ब्रिस्टल और दो जून को टॉन्टन में मैच खेले जाएंगे। एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम दो टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की मेजबानी भी करेगी, जबकि हैरी ब्रूक की सीमित ओवरों की टीम वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के अलावा श्रीलंका की मेजबानी करेगी।

श्रेयंका व प्रिया भारत-ए महिला टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल और लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा भारत महिला-ए टीम के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। दोनों खिलाड़ियों का इस दौरे में भाग लेना भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 10 जुलाई को दी जाने वाली फिटनेस मंजूरी पर निर्भर था, लेकिन दोनों खिलाड़ी अभी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और वर्तमान में अपने खेलने के लिए वापसी के प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं। भारत-ए को ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ तीन टी-20, तीन 50 ओवर के मैच और चार दिवसीय एक लाल गेंद के मैच वाली बहु प्रारूप सीरीज खेलनी है। सीरीज सात अगस्त को मैकाय में पहले टी-20 मैच के साथ शुरू होगी, जिसके बाद नौ और 10 अगस्त को इसी मैदान पर अन्य दो मैच खेले जाएंगे। तीन वनडे मैच 13, 15 और 17 अगस्त को नॉर्थ्स में खेले जाएंगे। एकमात्र बहु दिवसीय मैच 21 अगस्त से ऑस्ट्रेलिया के एल्बियन स्थित एलेन बॉर्डर फील्ड में खेला जाएगा। महिला चयन समिति ने अब तीनों प्रारूपों में धारा गुर्जर (जिन्हें पहले वनडे और बहु दिवसीय टीम में शामिल किया गया था) और प्रेमा रावत (जो पहले टी-20 टीम का हिस्सा थीं) को शामिल किया है। समिति ने यस्तिका भाटिया को भी वनडे टीम में जगह दी है।

फ्रिट्ज डीसी ओपन के तीसरे दौर में, वीनस युगल में बाहर

वाशिंगटन, जेएनएन। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7-5, 7-6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6-4, 3-6, 10-6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

बोनमाटी के गोल से स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में, खिताबी मुकाबला इंग्लैंड से

जेएनएन, ज्यूरिख

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया, जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी, इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

मैं इस खेल में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी और मैं उन सभी लोगों की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे इस स्तर तक पहुंचने में मदद की क्योंकि अकेले ऐसा करना संभव नहीं था।
ऐताना बोनमाटी

न्यूजीलैंड की लगातार चौथी जीत, जिम्बाब्वे को हराया

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ंत

हरारे, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के छठे मुकाबले में गुरुवार को मेजबान जिम्बाब्वे को 60 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। शनिवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पोजिशन पर रहकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टिम सीफर्ट (45 गेंद पर 75 रन) और रचिन रविंद्र (39 गेंद पर 63 रन) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 6 विकेट पर 190 रन बनाए। जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगारवा ने 4 और तिनोतेंदा मपोसा ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे 18.2 ओवर में 130 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने 44 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। टोनी मुनयोंगा ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। प्लेयर ऑफ द मैच ईश सोढ़ी ने 12 रन देकर चार विकेट झटके। मैट हेनरी को दो सफलता मिली।

पाक ने जीता तीसरा टी-20, बांग्लादेश ने सीरीज

ढाका, जेएनएन। पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज के तीसरे और अंतिम टी-20 में बांग्लादेश को 74 रन से शिकस्त दी। पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुकी बांग्लादेश 178 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 104 रन पर सिमट गई। पाक के शाहिबजादा फरहान ने 63 और हसन नवाज ने 33 रन बना। बांग्लादेश के सात विकेट 41 रन पर गिर चुके थे। अंत में सैफुद्दीन ने 35 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रशांत किशोर और उनके 300 कार्यकर्ताओं पर केस

पटना, जेएनएन। बिहार में को जन सुराज नेता प्रशांत किशोर और उनके 300 कार्यकर्ताओं के खिलाफ पटना में एक एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर तब दर्ज की गई जब पुलिस ने उन्हें विधानसभा की ओर मार्च करने से रोका, जिसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई थी। सचिवालय पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 191 (2), 190, 132, और 223 के तहत यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर के मुख्य कारणों में बिना अनुमति के इकट्ठा होना, लोगों को उकसाना, कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करना और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करना शामिल है। प्रशांत किशोर ने नौकरियों, भूमि अधिकारों और कथित भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर विधानसभा का घेराव करने के लिए इस विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी, सुनवाई दो हफ्ते बाद

नई दिल्ली, जेएनएन। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में कॉलेजियम द्वारा सिफारिश किए जाने के बाद केंद्र सरकार की ओर से की जा रही देरी पर सवाल उठाने वाली कई याचिकाओं को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि वह दो हफ्ते बाद इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इन याचिकाओं को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। पीठ ने कहा कि ये याचिकाएं 2023 में सूचीबद्ध थीं, लेकिन अचानक इन्हें वाद सूची से हटा दिया गया। दातार ने कहा, ''कुछ न्यायाधीशों के नाम 2019, फिर 2020 और 2022 में दोहराए गए थे।

रेसलर हल्क होगन का हार्टअटैक हुआ निधन

नई दिल्ली, जेएनएन। दिग्गज अमेरिकी रेसलर हल्क होगन उर्फ टेरी जीन बोलिया का फ्लोरिडा स्थित अपने घर पर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। चिकित्साकर्मी उनके घर पहुंचे और इस महान रेसलर को क्लियरवॉटर स्थित उनके घर से एम्बुलेंस में स्ट्रेचर पर ले जाया गया। हल्क होगन 71 वर्ष के थे। 11 अगस्त, 1953 को जॉर्जिया के ऑगस्टा में जन्मे हल्क प्रोफेशनल रेसलिंग के सबसे बड़े रेसलर में गिने जाते हैं। जून में हल्क होगन का हृदय का बड़ा ऑपरेशन हुआ था। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट ने एक्स पर होगन के निधन पर शोक व्यक्त किया। पॉप संस्कृति की सबसे चर्चित हस्तियों में से एक होगन ने 1980 के दशक में डब्ल्यूडब्ल्यूई को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद की थी।

288 गैंगस्टर मामलों की सुनवाई लंबित

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर मामलों में बढ़ोतरी पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एनसीआर में दिल्ली के भौगोलिक क्षेत्र से बाहर जाकर देखिए कि फरीदाबाद, गुड़गांव आदि में क्या हो रहा है। आम आदमी को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया था जिसने पानीपत में एक हत्या की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन गैंगस्टरों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि समाज को इनसे छुटकारा पाना होगा। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि दिल्ली में बढ़ रहे इस तरह के अपराधों को देखते हुए लग रहा है कि कानून से आम लोगों का विश्वास कम हो रहा है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एनआईए के मामलों को लेकर भी कोर्ट ने आपत्ति व्यक्त की थी।

अगर अधिकारी सोचते हैं कि वे बच निकलेंगे तो यह उनका भ्रम

वोट चोरी के सबूत हैं हमारे पास, चुनाव आयोग गलतफहमी में न रहे : राहुल

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिशों को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास वोट चोरी के पूरे 100 प्रतिशत पुख्ता सबूत हैं, जो समय आने पर सार्वजनिक किए जाएंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के विरोध के बीच चुनाव आयोग पर कर्नाटक में भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया। राहुल ने गुरुवार को संसद के बाहर कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर कर्नाटक में हजारों बोगस वोटरों के नाम जोड़े गए।

आयोग ने कर्नाटक में धोखाधड़ी कराई

राहुल ने कहा, चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100 प्रतिशत सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों-हजार नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, हमे अभी एक सीट की जांच में यह गड़बड़ी मिली। मुझे पूरा यकीन है कि हर सीट पर यही नाटक चल रहा है। मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे। राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा, अगर इस मामले में चुनाव याचिका दायर की गई है, तो इस पर हाई कोर्ट के फैसले का इंतजार करना चाहिए। अगर, याचिका नहीं लगाई गई है, तो निराधार आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं?

राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर सोचिए : चुनाव आयोग

राहुल गांधी ने यह बातें ईसी के उस बयान के बाद कही हैं, जिसमें बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन प्रोसेस का बचाव किया गया था। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान में अपने आलोचकों से सवाल पूछा कि क्या मृत और प्रवासी मतदाताओं के नाम पर फर्जी वोट डालने की अनुमति देनी चाहिए। चुनाव आयोग ने पूछा, रिवीजन प्रोसेस का मकसद सिर्फ अयोग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाना है। क्या चुनाव आयोग के पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही प्रामाणिक मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला नहीं है? चुनाव आयोग ने कहा, इन सवालों पर, कभी न कभी, हम सभी को और भारत के सभी नागरिकों को, राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर, गहराई से सोचना होगा। और शायद आप सभी के लिए यह सोचने का सबसे अच्छा समय अब आ गया है। चुनाव आयोग ने बताया है कि बिहार में 99 प्रतिशत वोटरों को एसआईआर के तहत वेरिफाई कर लिया गया है। इनमें 21.6 लाख मृत मतदाताओं का पता चला है। 31.5 लाख वोटर्स हमेशा के लिए पलायन कर गए हैं। 7 लाख वोटर्स एक से ज्यादा जगहों पर रजिस्टर्ड हैं। वहीं, 1 लाख मतदाता लापता हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन के बावजूद, करीब 7 लाख मतदाताओं के फॉर्म अभी तक नहीं मिले हैं।

ट्रंप का हृदय परिवर्तन, कहा- मैं चाहता हूं एलन फलें-फूलें

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का हृदय परिवर्तन हो गया है! दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और अपने पूर्व दोस्त एलन मस्क की कंपनियों की सरकारी सब्सिडी खत्म करने का संकेत देने के कुछ सप्ताह बाद, गुरुवार को उन अटकलों को खारिज कर दिया कि उनका इरादा टेक दिग्गज की कंपनियों को दी जाने वाली संघीय सब्सिडी में कटौती करने का है।

ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, 'हर कोई कह रहा है कि मैं एलन मस्क की कंपनियों को तबाह कर दूंगा, अगर पूरी तरह नहीं तो कुछ हद तक, उन्हें अमेरिकी सरकार से मिलने वाली बड़े पैमाने की सब्सिडी छीन लूंगा। ऐसा नहीं है!' उन्होंने कहा-'मेरी प्राथमिकता अमेरिकी व्यवसायों का फलना-फूलना है-मैं चाहता हूं कि एलन और हमारे देश के सभी व्यवसायी फलें-फूलें, वास्तव में, पहले से कहीं अधिकफलें-फूलें!' ट्रंप ने आगे कहा कि आर्थिक मोर्चे पर देश प्रगति कर रहा है, इसे बनाए रखना होगा। वे जितना बेहतर करेंगे, अमेरिका भी उतना ही बेहतर करेगा,यह हम सबके लिए अच्छा है। हम हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, और मैं इसे इसी तरह बनाए रखना चाहता हूं। यह ट्रम्प के उस सुझाव के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि लागत में कटौती करने वाली एजेंसी डीओजीई , जिसे मस्क ने स्थापित करने में मदद की थी, का उपयोग अरबपति की कंपनियों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है - क्योंकि पूर्व सहयोगी ट्रंप की बजट योजनाओं पर अपना सार्वजनिक विवाद जारी रखे हुए हैं।

ट्रम्प और मस्क के बीच विवाद पहली बार पिछले महीने शुरू हुआ था, और फिर इस महीने की शुरुआत में फिर से शुरू हुआ, जब दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर कटाक्ष किए गए, उसके बाद मस्क ने अपने कुछ हमलों से पीछे हट गए। मस्क ने नाटकीय ढंग से अलग होने के कुछ सप्ताह बाद एक नई राजनीतिक पार्टी भी बनाई थी।

पत्नी पर अपमानजनक दावे पर भड़के राष्ट्रपति मैंक्रो

पॉडकास्टर कैंडेस के खिलाफ किया केस

पेरिस, जेएनएन। फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिजिट मैक्रों पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रहे हैं। पिछले दिनों एक अमेरिकी पॉडकास्टर ने दावा किया था कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पत्नी पहले पुरुष हुआ करती थीं। उस अपमानजनक दावे पर मैक्रों ने अब अदालत का रुख किया है। इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट ने अमेरिकी पॉडकास्टर कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सोशल मीडिया एक्स और यूट्यूब पर कैंडेस ओवेन्स के लाखों फॉलोअर्स हैं। मैक्रों ने डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में कैंडेस ओवेन्स के खिलाफ 218 पन्नों की शिकायत दर्ज कराई है और उनसे हर्जाने की मांग की है। अपने वकील द्वारा जारी एक बयान में मैक्रों ने कहा कि उन्होंने यह मुकदमा तब दायर किया, जब ओवेन्स ने बीकमिंग ब्रिगिट नामक आठ-भाग वाली

यूट्यूब और पॉडकास्ट श्रृंखला में दिए गए झूठे और मानहानिकारक बयानों को वापस लेने के अनुरोधों को बार-बार नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा, ओवेन्स ने यह मानहानिकारक अभियान हमें और हमारे परिवार को परेशान करने, पीड़ा पहुँचाने, मानहानि करने, लोगों का ध्यान खींचने, पैसे कमाने और हमें बदनाम करने के लिए चलाया था। इसके बावजूद हमने उन्हें इन दावों से पीछे हटने का हर मौका दिया, लेकिन उन्होंने हर बार इनकार कर दिया। अब सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।

एयर इंडिया को चार कारण बताओ नोटिस

मुंबई, जेएनएन। विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया पर एक्शन लिया है। कंपनी द्वारा कई नियमों के उल्लंघन करने पर नोटिस जारी किए गए हैं। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से डीजीसीए एक्शन मोड में है। केबिन क्रू के आराम और ड्यूटी मानदंडों, केबिन क्रू प्रशिक्षण नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न उल्लंघनों के लिए नियामक ने चार कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। एअरलाइन द्वारा नियामक को कुछ स्वैच्छिक खुलासे किए जाने के एक महीने बाद यह जानकारी दी गई है। सूत्रों ने बताया कि ये कारण बताओ नोटिस 20 और 21 जून को डीजीसीए को एअरलाइन द्वारा किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर 23 जुलाई को जारी किए गए। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि हमें नियामक से एअर इंडिया द्वारा पिछले एक साल में किए गए कुछ स्वैच्छिक खुलासों से संबंधित ये नोटिस प्राप्त होने की जानकारी है। हम निर्धारित अवधि के भीतर इन नोटिसों का जवाब देंगे। हम अपने चालक दल और यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चीनी सीमा के पास रूसी प्लेन क्रैश

49 की मौत: 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर थे सवार, मृतकों में 5 बच्चे

मास्को, जेएनएन। रूस का एक यात्री विमान चीन की सीमा के पास क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार सभी 49 लोगों की मौत हो गई है। इसमें 43 यात्री और 6 क्रू मेंबर थे। यात्रियों में 5 बच्चे भी थे। बचावकर्मियों को टिंडा से करीब 16 किमी दूर एक पहाड़ी पर रूसी यात्री विमान का मलबा मिला है। ये विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में उड़ रहा था। अमूर गवर्नर वासिली ओरलोव ने बताया है कि लापता विमान अंगारा एयरलाइंस का है। लोकल इमरजेंसी मिनिस्ट्री के मुताबिक, प्लेन खाबरोवस्क, ब्लागोवेशचेंस्क होकर टिंडा जा रहा था। यह चीन की सीमा के पास है। टिंडा से पहले वह रडार से गायब हो गया। और उसका संपर्क टूट गया।

क्रैश हुआ विमान 63 साल पुराना: सोवियत संघ ने एएन-24 विमान को छोटे इलाकों में उड़ान के लिए बनाया था। तब इसमें 32 सीटें होती थीं। यह 450 किमी प्रति घंटे की गति से 400 किमी तक उड़ान भरता था। यह 4 टन तक का वजन (पेलोड) ले जा सकता था। इसे ऐसे रनवे से उड़ान भरने लायक भी बनाया गया था जो केवल 1200 मीटर लंबे और पक्के नहीं हों। इतना ही नहीं, अगर विमान का एक इंजन भी खराब हो जाए, तो भी यह टेकऑफ कर सके।

दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश में गायब

रिपोर्ट के अनुसार, विमान पहले टिंडा एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश में नाकामयाब रहा। जब उसने दूसरी बार लैंडिंग की कोशिश की, तभी वह रडार से गायब हो गया। यह विमान टिंडा एयरपोर्ट से कुछ किमी पहले एक तय चेकपॉइंट पर भी संपर्क नहीं कर पाया। टिंडा शहर रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 6,600 किमी दूर पूर्व में स्थित है।

'तन्वी द ग्रेट' में अनुपम खेर के 50 करोड़ डूबे

मुंबई, जेएनएन। एक्टर अनुपम खेर ने हाल ही में निर्देशक के रूप में अपनी दूसरी फिल्म तन्वी द ग्रेट रिलीज की। उन्होंने इस फिल्म का जमकर प्रचार किया, फेमस पॉडकास्ट और टेलीविजन चैनलों पर दिखाई दिए। उन्होंने ऑस्कर विनर रॉबर्ट डी नीरो के साथ अपनी दोस्ती का फायदा उठाते हुए उन्हें न्यूयॉर्क में फिल्म के प्रीमियर में भी शामिल कराया। यह फिल्म कान फिल्म फेस्टिवल और लंदन में भी दिखाई गई। लेकिन, बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार फिल्म सैयारा के साथ शुरुआत करने के बाद, तन्वी द ग्रेट रिलीज के पांच दिनों में 2 करोड़ तक भी नहीं पहुंच पाई। अनुपम खेर ने खुद स्वीकार किया कि इसे बनाने में 50 करोड़ रुपये की लागत आई और यह पैसा उन्होंने अपने दोस्तों और परिचितों की मदद से जुटाया। इस फिल्म ने 6 दिनों में केवल 1.91 करोड़ की कमाई की है।

सीएम धामी ने दिए हेली सेवाओं में सुरक्षा प्राथमिकता के निर्देश

देहरादून, जेएनएन। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नागरिक उड्डयन विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाने के साथ ही राज्य में हेली सेवाओं के संचालन में सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। सचिवालय में आयोजित नागरिक उड्डयन विभाग की गेमचेंजर योजनाओं की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों तक आवाजाही को सुगम बनाने के लिए हवाई सेवाओं का नेटवर्क बढ़ाया जाना जरूरी है, इसी के साथ हवाई सेवाओं में सुरक्षा मानकों का भी सख्ती से पालन कराया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में एयरो स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने के साथ ही चारधामों के लिए नियमित चार्टर सेवा शुरु करने के भी निर्देश दिए। बैठक में सचिव नागरिक उड्डयन श्री सचिन कुर्वे ने बताया कि पायलट प्रशिक्षण के लिए पंतनगर में नया फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल स्थापित किया जा रहा है। नागरिक उड्डयन क्षेत्र में प्रशिक्षित पायलट की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह केन्द्र एक महत्वपूर्ण कदम है। हवाई यातायात को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए इसरो के साथ मिलकर डिजिटल मैपिंग की क्षमता विकसित की जा रही है। यूकाडा के माध्यम से उत्तराखंड एयर कनेक्टिविटी स्कीम के तहत देहरादून जोशीमठ, जोशीमठ बद्रीनाथ के बीच शटल सेवा और पिथौरागढ़ धारचूला और पिथौरागढ़ मुनस्यारी के बीच हवाई सेवा शुरु करने की तैयारी की जा रही है। इसी तरह आदि कैलाश क्षेत्र में तीर्थाटन ओर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए गुंजी से सीधी हेलीकॉप्टर सेवा शुरु करने की योजना है। केदारनाथ हेली सेवा को मजबूत बनाने के लिए, गरुड़चट्टी के पास अतिरिक्त हेलीपैड बनाया जा रहा है।

रॉबर्ट वाड्रा पर ईडी की पहली चार्जशीट, 31 को सुनवाई

नई दिल्ली, जेएनएन। गुरुग्राम लैंड स्कैम मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट पर राऊज एवेन्यु कोर्ट 31 जुलाई को सुनवाई होगी। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने बड़ा दावा किया है कि स्काईलाइट ने वाणिज्यिक आवासीय विकास के लिए लाइसेंस ऊपरी दबाव में प्राप्त किया गया। ईडी ने कहा कि लाइसेंस की फाइलें जल्दबाजी में प्रोसेस की गई और कंपनी की वित्तीय स्थिति की जांच नहीं कि गई। नियमों और शर्तों को दरकिनार कर यह लाइसेंस जारी किया गया। ईडी ने उन अधिकारियों के बारे में कोर्ट को जानकारी जो अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार है। ईडी ने दावा किया कि वाड्रा की कंपनी ने डीएलएफ के साथ सहयोग कर अपराध से प्राप्त धन की तीसरी परत तैयार की। ईडी ने कोर्ट को यह भी बताया कि वाड्रा के स्वामित्व वाली कम्पनियों द्वारा प्राप्त 42.62 करोड़ की राशि अवैध कमाई है, जिसे दिल्ली में लेयरिंग किया गया। इसलिए यह अदालत के क्षेत्राधिकार का मामला बनता है। चार्जशीट में रॉबर्ट वाड्रा सहित 11 आरोपियों के नाम है।

संविधान की प्रस्तावना पर रास में जवाब

समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाने का अभी इरादा नहीं : मेघवाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यसभा को सूचित किया है कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और पंथनिरपेक्षता शब्दों को हटाने या उस पर पुनर्विचार करने की कोई वर्तमान योजना या इरादा नहीं है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में यह दोनों ही शब्द तत्कालीन केंद्र सरकार ने आपातकाल के दौरान जोड़े थे। संसद को यह भी बताया गया कि सरकार ने संविधान की प्रस्तावना से इन दो शब्दों को हटाने के लिए औपचारिक रूप से कोई कानूनी या संवैधानिक प्रक्रिया शुरू नहीं की है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को एक लिखित उत्तर में कहा कि जबकि कुछ सार्वजनिक या राजनीतिक हलकों में चर्चाएं या बहसें हो सकती हैं कि सरकार द्वारा इन शब्दों में संशोधन के संबंध में कोई औपचारिक निर्णय या प्रस्ताव नहीं घोषित किया गया है।

लोकसभा में खुलासा **अहमदाबाद हादसे के चार दिन बाद एयर इंडिया के 112 पायलट छुट्टी पर गए**

इस साल 183 प्लेन में तकनीकी खराबी के मामले

85 मामले एयर इंडिया फ्लाइट में खराबी के

62 इंडिगो विमानों में आई खराबी

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की पांच प्रमुख एयरलाइनों ने साल 2025 में अब तक कुल 183 तकनीकी खराबियों की सूचना दी है। यह जानकारी नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में दी। इन मामलों में सबसे ज्यादा 85 खराबियां एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से दर्ज की गई हैं। मंत्रालय के अनुसार, इंडिगो ने 62, अकासा एयर ने 28 और स्पाइसजेट ने 8 तकनीकी खराबियों की रिपोर्ट दी है। इन सभी मामलों को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को सूचित किया गया, जहां से जांच के बाद सुधारात्मक कदम उठाए जाते हैं। मंत्री मुरलीधर मोहोळ ने बताया, 'एयरलाइनों द्वारा डीजीसीए को दी गई सभी तकनीकी खराबियों की जांच की जाती है और आवश्यक सुधार किए जाते हैं। विशेष रूप से बड़ी खराबियों की जांच शीघ्रता से पूरी कर निवारण के उपाय किए जाते हैं।

हादसे के बाद मानसिक दबाव में पायलट

12 जून को अहमदाबाद में हुए भयावह एआई-171 विमान हादसे, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई, के बाद एयर इंडिया के पायलटों की मानसिक स्थिति पर सवाल उठे हैं। मंत्रालय ने जानकारी दी कि 16 जून को एयर इंडिया के 112 पायलटों ने अचानक बीमारी के आधार पर छुट्टी ली, जिनमें 51 कमांडर और 61 फर्स्ट ऑफिसर शामिल थे। पायलटों की यह 'बीमारी रिपोर्टिंग' ऐसे समय पर आई है जब एआई-171 हादसे को लेकर एयरलाइन की कार्यप्रणाली और उड़ान सुरक्षा पर गंभीर बहस चल रही है।

जमीनी नुकसान पर नहीं है मुआवजे की नीति

एक अन्य सवाल के जवाब में मंत्रालय ने बताया कि वर्तमान में प्लेन क्रैश के कारण ज़मीन पर हुए नुकसान के लिए नागरिकों को मुआवजा देने से संबंधित कोई विशेष नीति नहीं है। उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में भारत में विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और जवाबदेही जैसे पहलुओं पर नए सवाल उठ रहे हैं। एयर इंडिया क्रैश और उसके बाद की घटनाएं इन चिंताओं को और गहरा करती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष निगरानी

डीसीडीए ने फरवरी 2023 में जारी मेडिकल सर्कुलर में एयरलाइनों को पायलटों और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों के लिए मानसिक स्वास्थ्य की पहचान और प्रबंधन हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनाने की सलाह दी थी। इसके तहत 'पीयर सपोर्ट प्रोग्राम' लागू करने की सिफारिश की गई, जिससे कर्मचारी तनाव या मानसिक दिक्कतों से जूझने में सहयोग पा सकें। इस सर्कुलर का मकसद उड़ान क्रू मेंबर को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनाना और किसी भी समस्या के शुरुआती लक्षणों को पहचान कर समय पर मदद देना है।

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹ 300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹ 500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826433122
9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹ 50/- per sqcm

FOR SALE
AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE MARUTI ERTIGA ZXI CNG 2023 MODEL R.C. NO - MP-04-ZQ-0616 ENGINE NO - K15CN9349863 CHASSIS NO - MA3BNC62SPK692291 CONTACT-SUNDARAM FINANCE LTD BHOPAL MOB :- 9109107073

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 450/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/ सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है।
-व्यवस्थापक

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
CONTACT : 9713068681
OUR SERVICES
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
24/7 Hours Service
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
Mob.: 9826264575, 8889560478, 0755-2660949
8085377716, Website: www.jncbpl.com
DIRECT ADMISSION*
College Offering Best Career Options With Minimum Fee Structure
* M.Sc. (Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Micro bio., Biotech., Computer Sc., Maths) * PGDCA
* B.Sc. (Bio Group & Maths, Chemistry, Computer Sci., Env.Sc., Biology, Micro Bio., Biotech)
* B.Com. Plain & Computer * M.Com * BCA * BA
* BBA * M.A. (Eng., Polt. Sc., Socio., Eco. & Urdu)
* B. Lib * M. Lib. * B.P.E.S. * PG Diploma in Yoga
* D.El. Ed. * B.Ed. * B.P.Ed. * M.Ed. * M.P.Ed.
** Note : All Admission According to MP Higher Education Guide line and Rules 2023-24

पपीता की खेती से किसानों का रुझान हुआ कम

जागरण, बड़वानी। जिले में पपीते की खेती तेजी से घट रही है। जिला पहले बागवानी के लिए प्रसिद्ध था। रेहगुन गांव के किसान गौतम परमार ने बताया कि सरकारी अनुदान न मिलने से किसानों का रुझान कम हो रहा है। अच्छे बीज और उर्वरकों की उपलब्धता की कमी से किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें जरूरी जानकारी और ट्रेनिंग नहीं मिल रही है। उन्नत बीज और उर्वरकों की उपलब्धता की कमी है।

अन्नपूर्णा तालाब पर बनेगा सवा करोड़ का घाट

जागरण, इंदौर। नगर निगम द्वारा छठ पूजा के लिए विभिन्न स्थानों पर घाट निर्माण की योजना के तहत वर्षों पुराने अन्नपूर्णा तालाब को चुना है। निगम यहां सवा करोड़ रुपए की लागत से घाट बनाएगा और तालाब परिसर का संपूर्ण सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रवेश द्वार से लेकर तालाब के चारों ओर सुविधाजनक घाट निर्माण, लाइटिंग और बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

''ट्वीट ऑफ द डे''

गोविंद डोटसरा
राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष

धनखड़ का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए खतरा है और यह राजस्थान की 36 कौम के लिए अपमानजनक है। धनखड़ राजस्थान के बेटे थे और उनके इस्तीफे का तरीका संदेह पैदा करता है। ऐसी क्या मजबूरी थी कि उन्हें कार्यकाल पूरा होने से पहले इस्तीफा देना पड़ा? तीन दिन बीत गए, न धनखड़ का कोई बयान आया और न ही भाजपा के किसी नेता ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने की कोशिश की। भाजपा का मॉडल है- संवैधानिक संस्थाओं पर कठपुतली बिठाओ और जब वे संविधान के तहत अपने विवेक से काम करें, तो उन्हें हटा दो।

वीवीआईपी ड्यूटी के दौरान पुलिस जवानों के पौष्टिक भोजन पर संकट

नाश्ता, लंच और डिनर के लिए 100 रुपए तय, इसमें पैकिंग चार्ज और जीएसटी भी शामिल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। वीवीआईपी और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर ड्यूटी के लिए तैनात होने वाले पुलिसकर्मियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता और मात्रा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यालय से बाहर की ग्राउंड ड्यूटी के दौरान कांस्टेबल से लेकर आईपीएस अफसरों तक को प्रतिदिन एक समय के नाश्ते और दो समय के भोजन के लिए केवल 100 रुपए मिलते हैं, जो भोजन की कैलोरी, मात्रा और गुणवत्ता के हिसाब से बेहद कम है। हैरानी की बात यह है कि यह राशि भी दो साल पहले ही बढ़ाई गई है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री या अन्य नेता जब सरकारी या राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए राज्य में आते हैं तो बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात किए जाते हैं। इनमें कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, एएसआई, एसआई, इंस्पेक्टर, डीएसपी, एएसपी, एसपी समेत अन्य उच्च रैंक के अधिकारी शामिल होते हैं। इनमें से अधिकांश को कार्यक्रम स्थल पर अंतिम दिन से पहले ही आमद देनी होती है। उन्हें केवल 100 के भीतर नाश्ता, लंच और डिनर मुहैया कराने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस लाइन में तैनात आरआई (रिजर्व इंस्पेक्टर) की होती है। इतनी कम राशि में मिलने वाला नाश्ता, लंच और डिनर न तो पौष्टिक होता है और न ही स्वाद और मात्रा के हिसाब से ठीक। ऐसे में पुलिस स्टाफ को अपना पेट भरने के लिए अपनी जेब से बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। यही कारण है कि वीवीआईपी ड्यूटी पर पुलिस स्टाफ को मिलने वाले फूड पैकेट के बजाय, मजबूरी में कर्मचारी ठेलों-होटलों पर नाश्ता या खाना खाते दिखाई देते हैं। इससे वीवीआईपी ड्यूटी भी प्रभावित होती है। जवानों को दिए जाने वाले खाने को लेकर असंतोष पनप रहा है, लेकिन पुलिस के अनुशासित विंग होने से इसकी शिकायत नहीं हो पाती है।

यह होनी चाहिए जवानों की आदर्श खुराक

सुबह का नाश्ता
(700-800 कैलोरी)- अंडा (2-3), दूध (एक कप), एक फल, ओट्स (आधा कप), सूखे मेवे (एक मुट्ठी)।

लंच
(1000-1200 कैलोरी)- चावल, रोटी (3), दाल या बीन्स (एक कप), सब्जी (एक कप), दही (एक कप), चिकन या मछली (100-150 ग्राम)।

शाम का नाश्ता
(300-400 कैलोरी)- एक फल, एक कप चाय या ग्रीन टी, एक मुट्ठी सूखे मेवे।

डिनर
(800-1000 कैलोरी)- चावल, रोटी (3), दाल (एक कप), सलाद, सब्जी (एक कप), दही (एक कप), चिकन या मछली (100-150 ग्राम)।

(नोटः मांसाहारी भोजन न करने वालों को विकल्प के तौर पर छोले, राजमा या पनीर दिया जा सकता है।)

जवानों को चाहिए 3600 कैलोरी 100 रुपए में मिलना असंभव

जानकारों की मानें तो सैनिकों और जवानों की लंबी शारीरिक ड्यूटी के लिए उन्हें दिन में कम से कम 3600 कैलोरी की जरूरत होती है। इसके लिए नाश्ते, लंच और डिनर के अलावा शाम के समय ब्रंच भी देना चाहिए। पोषण विशेषज्ञों के अनुसार नाश्ते में 800 कैलोरी, दोपहर के भोजन में 1200 कैलोरी, शाम के ब्रंच में 400 कैलोरी और रात के भोजन में 1200 कैलोरी मिलनी चाहिए। हालांकि एमपी पुलिस में इसके बजाय तीन समय का ही खाना दिया जाता है जिसमें चार पूरी और थोड़ी सी सब्जी ही होती है। यह भी कई बार ताजी नहीं होती क्योंकि संख्या के हिसाब से इसे रात को ही तैयार कर अगले दिन जवानों को बांटा जाता है। वर्तमान समय के हिसाब से देखा जाए तो एक थाली पौष्टिक भोजन पर लगभग 120 का खर्च आता है, जबकि पुलिस को इससे कम पैसों में ही दिन भर का पेट भरना होता है।

भोजन पर लगता है पांच प्रतिशत जीएसटी

भोपाल के रिजर्व इंस्पेक्टर जय सिंह तोमर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) से वीवीआईपी ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के भोजन के लिए प्रति दिन 100 आवंटित होते हैं। इसमें से नाश्ते के लिए 30, दोपहर के भोजन के लिए 35 और रात के खाने के लिए 35 तय हैं। इसके अलावा ठेकेदार फूड पैकिंग का शुल्क भी लेता है और 5 प्रतिशत GST भी लगता है। यह सब 100 में ही शामिल है। हालांकि RI के अनुसार, कई बार वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात जवानों को सुबह का नाश्ता देने के बजाय उन्हें केवल दोपहर का भोजन भी प्रदान किया जाता है, जिस पर 65 खर्च होते हैं। इसमें रोटी, दाल, सब्जी और चावल शामिल है। ऐसे में ड्यूटी पर तैनात जवान नाश्ते के समय या तो भूखे पेट ड्यूटी करते हैं या बाजार से खरीदकर नाश्ता करते हैं।

लो प्रेशर एरिया कल से कराएगा मूसलाधार वर्षा

तीन सिस्टम सक्रिय, 23 जिलों में बाढ़ का अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मप्र में एक बार फिर मूसलाधार बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम से मप्र में जल्द तेज बारिश शुरू होगी। इसका असर पहले ही दिखने लगा है। बीते 24 घंटे में मप्र के कई जिलों में तेज बारिश दर्ज की गई है। इसमें सबसे अधिक बारिश राजगढ़ जिले के मकसूदनगढ़ में हुई, यहां बारिश का आंकड़ा 158 मिली मीटर यानि लगभग 6 इंच रहा। नरसिंहगढ़ 135.2, इटारसी 120.8, चंदेरी 113., सिलवानी 106.0, मालथौन 106.0, गोहपारू 99., जीरापुर 98.0, बरेली 90.4, कोतमा 88.0, पचमढ़ी 82.8, मुंगावली 82.0, बीना 80.6, राघौगढ़ 79.0, मुरैना 76.0, ब्यावरा में 75.1 एमएम बारिश रिकार्ड की गई है।

पुराने पैटर्न पर उठ रहा मानसून

बंगाल की खाड़ी में चल रहीं गतिविध ठीक वैसी ही हैं जैसी एक माह पहले दक्षिण पश्चिम मानसून के समय थीं। मप्र में यह सिस्टम उसी रास्ते से आ रहा है, जिस रास्ते से एक महीने पहले मानसून आया था। इस समय बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया विकसित हो रहा है। जिससे मप्र के नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और हरदा में भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा अलग अलग स्थान पर तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी बने हुए हैं जो बारिश कराने में सक्षम हैं। मप्र के नीचे एक द्रोणिका गुजर रही है। उक्त कारणों से मप्र में भारी बारिश की संभावना बन रही है।

भोपाल में रुक-रुक गिरा पानी

प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार को दिन भर पानी बरसा। बारिश की गति कभी तेज तो कभी धीमी रही, लेकिन दिन भर आसमान से रुक रुककर बूंदाबांदी होती रही। भोपाल में अब तक 437 एमएस बारिश हो चुकी है, जो कि औसत वर्षा 385 एमएम के मुकाबले 14 फीसदी अधिक

भोपाल में दिन और रात का पारा एक समान

मप्र की राजधानी में गुरुवार को दिन भर हुई हल्की बारिश के कारण दिन का अधिकतम तापमान कमजोर रहा। इसका असर यह हुआ कि भोपाल में दिन और रात का तापमान एक जैसा रहा। तापमान के दोनों बिंदुओं में मामूली का फर्क रिकार्ड किया गया। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार को भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 26 डिग्री रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया। यह अंतर सिर्फ 1.6 डिग्री का रहा। मौसम केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि कभी कभी जब दिन भर बादल छाए रहते हैं और सूरज नहीं निकलता तो दिन का तापमान नहीं बढ़ पाता। इससे दिन और रात के तापमान एक समान रिकार्ड हो जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

भोपाल डीआरएम बनाए गए पंकज त्यागी

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। रेलवे बोर्ड ने पंकज त्यागी को भोपाल रेल मंडल का नया मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) नियुक्त किया है। त्यागी भोपाल में निवर्तमान डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी की जगह लेंगे। पंकज त्यागी वर्तमान में एनएफएचएजी श्रेणी में आइआरएसई अधिकारी के रूप में रेलवे बोर्ड में कार्यरत हैं, अब भोपाल मंडल में डीआरएम का कार्यभार संभालेंगे। वे देवाशीष त्रिपाठी की जगह लेंगे। त्रिपाठी के स्थानांतरण और उनकी अगली पोस्टिंग के संबंध में आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे। यह बदलाव राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद किया गया है। रेलवे बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेलवे में तीनों मंडलों भोपाल, कोटा और जबलपुर में डीआरएम बदल दिए हैं। इसके अलावा देश भर में यह बदलाव किया गया है।

वीएन अंबाड़े वन विभाग के नए वन बल प्रमुख

जागरण संवाददाता, भोपाल। सीनियर आईएफएस अफसर वीएन अंबाड़े मप्र के नए वन बल प्रमुख होंगे। गुरुवार को मंत्रालय में मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद उनके नाम पर अंतिम मुहर लगाई गई। वर्तमान वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव इसी माह सेवानिवृत्त हो रहे हैं और उनकी सेवानिवृत्ति के पहले नए वन बल प्रमुख की नियुक्ति की जा रही है। वन विभाग की परंपरा के अनुसार सबसे वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी को ही वन बल प्रमुख बनाया जाता है। अंबाड़े 1 अगस्त को पदभार ग्रहण करेंगे और उनका कार्यकाल 7 माह का रहेगा।

आउटसोर्स कर्मियों के बनवाए ईएसआईसी कार्ड

भोपाल। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने कंपनी के 3724 आउटसोर्स कर्मियों के कार्ड बनवाए हैं। कंपनी के अनुसार कंपनी द्वारा सभी आउटसोर्स कर्मियों के ईएसआईसी कार्ड बनवाने की तैयारी की जा रही है। यह सभी कर्मचारी ट्रांसमिशन लाइन के रखरखाव, एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) सब-स्टेशनों पर काम करते हैं।

लोकायुक्त पुलिस ने बालाघाट, पन्ना और सतना में की कार्रवाई

एक दिन में तीन ट्रैप, डाटा एंट्री ऑपरेटर पटवारी, नाजिर को रिश्वत लेते पकड़ा

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की सागर यूनिट ने गुरुवार को पन्ना जिले के अमानगंज तहसील कार्यालय में सहायक ग्रेड-3 (नाजिर) को 2000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। सुदामा प्रसाद दुबे तहसील कार्यालय अमानगंज में चपरासी हैं। उन्होने लोकायुक्त पुलिस को शिकायत में बताया कि इकबाल मोहम्मद उनकी मेडिकल लीव की अवधि का वेतन और जीपीएफ निकालने के एवज में 5000 की रिश्वत मांग रहा था। सत्यापन के बाद इकबाल 2000 रुपए लेने पर सहमत हो गया। गुरुवार को लोकायुक्त पुलिस टीम ने तहसील कार्यालय अमानगंज के नाजिर कक्ष में आरोपी इकबाल मोहम्मद को 2000 की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

लोकायुक्त पुलिस की रीवा यूनिट ने सतना जिले के नागौद में गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पटवारी अमर सिंह कुशवाहा को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ लिया। यह कार्रवाई जनपद कार्यालय नागौद के सामने हुई। लोकायुक्त डीएसपी प्रवीण सिंह परिहार के अनुसार ग्राम दुबहियां तहसील नागौद निवासी आदेश प्रताप सिंह ने शिकायत की थी कि शहपुर हल्का में पदस्थ पटवारी अमर सिंह कुशवाहा उसकी जमीन के बटांकन के एवज में 15 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। दोनों के बीच सौदा 7500 रुपए में तय हुआ। जांच के दौरान सामने आया कि पटवारी पहले ही 2500 रुपए ले चुका था। पुष्टि होने के बाद आदेश प्रताप सिंह जब पटवारी को रिश्वत की शेष राशि 5000 रुपए दे रहा था तभी लोकायुक्त टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ कर रिश्वत की रकम बरामद कर ली।

पन्ना के अमानगंज में नाजिर कक्ष में रिश्वत लेते पकड़ाए आरोपी इकबाल मोहम्मद।

10 हजार ले रहा था डाटा एंट्री ऑपरेटर

गुरुवार को ही एक अन्य कार्रवाई में लोकायुक्त पुलिस की जबलपुर यूनिट ने बालाघाट के लोक सेवा केंद्र में पदस्थ डाटा एंट्री ऑपरेटर राजेंद्र कुमार मसखरे को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। मामला नई आधार आईडी बनवाने से जुड़ा है। डाटा एंट्री ऑपरेटर मसखरे ने आवेदक कटंगी के महकेपार निवासी मेहरचंद सुलकिया से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। सत्यापन के बाद लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 119 में मौजूद स्टेनो रूम से मसखरे को घूस लेते पकड़ लिया। मेहरचंद की पत्नी के नाम से कटंगी में लोक सेवा केंद्र है, जिसकी आधार आईडी बंद हो गई। नवीन आधार आईडी जारी करने ऑपरेटर राजेंद्र ने 10 हजार रुपए मांगे थे। गुरुवार को जबलपुर से बालाघाट पहुंची 8 सदस्सीय लोकायुक्त टीम ने कार्यालय में आरोपी को रिश्वत लेते ही रंगे हाथों दबोच लिया।

सोनोग्राफी केंद्रों की करें नियमित मॉनिटरिंग

कार्यालय संवाददता, भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा की अध्यक्षता में पीसीपीएनडीटी एक्ट की जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएमएचओ ने सोनोग्राफी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने के साथ एक्ट के सभी प्रावधानों का समुचित पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत नवीन पंजीयन एवं नवीनीकरण के प्राप्त आवेदनों पर विचार-विमर्श कर नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की गई।

एजेंटों की ओडिशा व दिल्ली में तलाश, पीड़ितों को शिकायत से रोकने गिरोह ने बनाई फर्जी वेबसाइट

3200 करोड़ का इन्वेस्टमेंट फ्रॉड 180 करोड़ फ्रीज, 145 खाते होल्ड

मुख्य संवाददाता, भोपाल। दो माह पहले स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा किए गए इन्वेस्टमेंट फ्रॉड के खुलासे में धोखाधड़ी का आंकड़ा 3200 करोड़ पहुंच गया है। एसटीएफ ने इस मामले में अब तक 180 करोड़ की राशि को फ्रीज करा दिया है और 145 खाते होल्ड कर दिए हैं। एसटीएफ को अब तक एमपी के 262 निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की शिकायत मिली है, जिनमें से 48 एसटीएफ के पास पहुंचे हैं। स्पेशल डीजी एसटीएफ पंकज श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया कि इन साइबर धोखेबाजों ने अब निवेशकों को पुलिस के पास जाने से रोकने के लिए नया पैंतरा आजामाया है। इन्होंने अब मिलते जुलते नामों से नई वेबसाइट, चैनल और ऐप बनाकर निवेशकों को उनका जल्द भुगतान करने का झांसा दे रहे हैं। इस गिरोह के एजेंट लोगों को समझा रहे हैं कि यदि वे जल्द भुगतान चाहते हैं तो पुलिस के पास जाने के बजाय नई वेबसाइट पर जाकर निवेश जारी रखें। एसटीएफ ने प्रदेश के लोगों और इस केस में फंसे निवेशकों को अलर्ट करते हुए कहा है कि वे इस गिरोह की बातों में न आकर सीधे एसटीएफ में शिकायत दर्ज कराएं।

हरियाणा में एक कंपनी को 300 करोड़ का हुआ भुगतान

एसटीएफ को जांच में ये पता चला है कि यॉर्कर और बॉटब्रो नाम की कंपनियों में निवेश के नाम पर अलग अलग खातों में जमा की गई 3200 करोड़ की रकम में से लगभग 300 करोड़ रुपए हरियाणा में एक कंपनी के खाते में भेजे गए हैं। जांच में सामने आया है कि दो कमरों के किराए के मकान में चल रही इस कंपनी के संचालक पति-पत्नी हैं और वे फरार हैं। इसके अलावा ओडिशा और दिल्ली में कई एजेंट अब भी इस गिरोह के लिए काम कर रहे हैं। इनकी तलाश में एसटीएफ की अलग अलग टीमों को दिल्ली, हरियाणा और ओडिशा भेजा गया है।

सावधान..! इन वेबसाइट और चैनल्स के जरिए हो सकती है ठगी

1- https://www.botalpha.me
2 https://www.crossmarket.ail
3- https://crossmarket.&yzl
4- https://botalpha.biz!
5- https://www.trillioner.io/ xTH

इसके अलावा फेसबुक पर ये संगठित साइबर फ्रॉड गिरोह आरबिट्रेज क्रॉस मार्केट, वाट्सएप चैनल पर यॉर्कर एफएक्स पैमिली टॉप लीडर्स, क्रॉस मार्केट अपडेट्स, क्रॉस मार्केट ऑफिशियल और टेलीग्राम चैनल पर यॉर्कर अल्फा फैमिली नाम से एक्टिव हो गया हे। इन सभी सोशल मीडिया नेटवर्किंग के जरिए ये लोगों को लालच देकर उनका इन्वेस्टमेंट करवा रहे हैं।

गिरोह के लोग नई वेबसाइट, चैनल और लिंक बनाकर गुमराह कर रहे हैं। इनके बहकावे में न आएं और एजेंट की जानकारी एसटीएफ को दें। हरियाणा, दिल्ली और ओडिशा में एसटीएफ की टीमें गई हैं।

■ **पंकज श्रीवास्तव,** स्पेशल डीजी, एसटीएफ

सरगना लविश के खिलाफ रेड नोटिस की तैयारी

एसटीएफ ने दो माह पहले जब इस घोटाले का पर्दाफाश किया था उस समय इस गिरोह के बैंक खातों से 9 माह में लगभग 2200 करोड़ का ट्रांजेक्शन मिला था। अब 3200 करोड़ के ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली है। ये गिरोह बोटब्रो और मोटाफाइव टी के नाम से कंपनी बनाकर लोगों को साल में 72 प्रतिशत तक ब्याज का झांसा दे रहा था। ये रकम लोगों को धोखाधड़ी कर फर्जी (म्यूल) एकाउंट के जरिए गिरोह के लोगों तक पहुंचाई गई है। एसटीएफ की कार्रवाई के बाद गिरोह ने अपनी दोनों प्रमुख वेबसाइटों को बंद कर दिया था। इस मामले में दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं लेकिन मुख्य सरगना नवाब खान उर्फ लविश चौधरी अब भी विदेश में छिपा हुआ है। स्पेशल डीजी के अनुसार लविश के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए चालान पेश करने कानूनी प्रक्रियाओं को भी पूरा किया जा रहा है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।